आर.एन.आई. नं. 013178/68, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं.1 क्षेत्रीय अख़बार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 59 अंक 240 | उज्जैन, शनिवार 12 सितम्बर, 2026 | भाद्रपद शुक्ल 1 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-5.00 | www.awantika.com

देश विदेश

हूती विद्रोहियों ने यमन के मोखा शहर पर कब्जा किया

सना। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के रणनीतिक बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा कर लिया है। यह शहर बाब अल-मंदेब स्ट्रेट से करीब 75 किलोमीटर दूर है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार रास्ते में से एक है। मोखा पर पहले यमनी नेशनल रेजिस्टेंस फोर्स का कंट्रोल था। यह हूतियों के खिलाफ लड़ने वाला सऊदी समर्थित गुट है। दोनों के बीच पिछले 9 दिनों से लड़ाई चल रही थी। मोखा पर कब्जे के बाद पिछले 4 साल में यह हूतियों की सबसे बड़ी क्षेत्रीय कामयाबी मानी जा रही है। अब हूती लड़ाके यमन के अहम शहर ताइज की ओर बढ़ रहे हैं। इस बीच सऊदी अरब ने पाकिस्तान के जरिए ईरान को संदेश भेजकर हूतियों को सऊदी अरब पर हमले रोकने के लिए कहने को कहा है। हालांकि, एक ईरानी अधिकारी ने कहा है कि ईरान हूतियों को कंट्रोल नहीं करता।

जासूसी कांड के बाद पाकिस्तान धार्मिक यात्रा के नियम बदले

हिसार। केंद्र और हरियाणा सरकार ने भारत-पाकिस्तान धार्मिक यात्राओं के नियम बदल दिए हैं। यह फैसला ऑपरेशन सिंदूर के बाद सामने आए पाक जासूसी नेटवर्क और हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा केस के बाद लिया गया है। जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और वहां के प्राइवेट टूर ऑपरेटर धार्मिक यात्रा के नाम पर भारतीय नागरिकों को स्पॉन्सर करते हैं, ताकि उनसे जासूसी करा सकें। इसे देखते हुए भारत सरकार ने पाकिस्तान से चलने वाले सभी प्रकार के प्राइवेट स्पॉन्सर्ड टूर पर पाबंदी लगा दी है। वीजा की शर्तें भी बदल दी गई हैं। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के टूरिज्म इंचार्ज हरकीरत सिंह ने भी इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि ज्योति मल्होत्रा जैसे जासूसी केस मिलने के बाद से प्राइवेट स्पॉन्सर टूर बंद कर दिए गए हैं।

दो स्कूलों में लगी भीषण आग से 26 छात्रों की मौत

कांगो। अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में एक घर से शुरू हुई भीषण आग ने पास के दो स्कूलों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 26 छात्रों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। दक्षिण किवु प्रांतीय सरकार के मुताबिक, मृतकों में 19 लड़कियां और 7 लड़के शामिल हैं। प्रशासन ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। यह हादसा बकावु शहर में हुआ। स्थानीय प्रशासक मोइसे लुबाला के मुताबिक, आग फुराहा सेकेंडरी स्कूल और उसके पास स्थित उजामा प्राइमरी स्कूल तक फैल गई। आग लगने के दौरान फुराहा सेकेंडरी स्कूल के अंदर कई छात्र फंस गए। कुछ छात्रों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि बाहर निकलने की कोशिश में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई।

मराठी बोलने से इनकार पर संजय दत्त की माफी

मंत्री को कॉल कर बोले- अच्छी मराठी आती है मजाक था, महाराष्ट्र ने बहुत कुछ दिया

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त मराठी बोलने से इनकार करने पर विवादों में हैं। वह कुछ समय पहले दही हांडी प्रोग्राम में पहुंचे थे, जहां शिवसेना नेता (शिंदे गुट) और महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने उनसे मराठी में बात करने को कहा था। संजय ने इनकार कर दिया और कहा कि वो 6 साल तक जेल में रहकर भी मराठी नहीं सीख सके। संजय के बयान पर विवाद हो गया, जिसके बाद अब उन्होंने मंत्री प्रताप सरनाईक को कॉल कर माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि उन्हें अच्छी मराठी आती है। गलत संदेश गया, तो माफी मांगता हूं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रताप सरनाईक एक बैठक में थे, तभी संजय दत्त का फोन आया। एक्टर ने बातचीत की शुरूआत मराठी में प्रताप भाई, जय महाराष्ट्र कहकर की। संजय दत्त ने सफाई देते हुए कहा कि ठाणे में आयोजित दही हांडी कार्यक्रम में उन्होंने यह बात मजाकिया अंदाज में कही थी। उन्होंने सरनाईक से कहा, अगर मेरी बात से किसी की भावना आहत हुई हो या कोई गलत संदेश गया हो तो मैं माफी चाहता हूं। मेरा परिवार मुंबईकर है। मैं इसी मिट्टी में पला-बढ़ा हूं और महाराष्ट्र ने मुझे बहुत कुछ दिया है।

नैनो न्यूज

- **मध्यप्रदेश** : बनेंगे 6 नए एक्सप्रेस-वे, मुंबई को जोड़ेगी 8 लेन चौड़ी सड़क, सीएम मोहन यादव ने किया ये ऐलान।
- **नई दिल्ली** : राहुल बोले- शिक्षा व्यवस्था से भारतीय युवा निराश, इंदौर में 'छात्रों की गूंज' से 8 दिन पहले सुझाव मांगे, अब तक 4 बार छात्रों से बात कर चुके।
- **नई दिल्ली** : चांदी 3,742 रु. गिरकर 2.30 लाख/किग्रा पर आई, 15 दिन में चांदी 14 हजार और सोना 7 हजार रु. सस्ता हुआ।
- **नई दिल्ली** : रणवीर सिंह बने बीएमडब्ल्यू इंडिया के नए ब्रांड एंबेसडर, नई दिल्ली में नई 7 सीरीज रेंज लॉन्च हुई, डिलीवरी अक्टूबर 2026 से शुरू होगी।
- **नेपाल** : बाढ़ से तबाही, 45 हजार करोड़ रु. लगेंगे, यह देश की जीडीपी का 11%, बाढ़ से 16 लाख लोग प्रभावित, 1377 की मौत।
- **नई दिल्ली** : आईएमएफ ने कहा- दुनिया का ग्रोथ इंजन है भारत, जीडीपी ग्रोथ अनुमान से बेहतर 7.8% रही, ऊर्जा संकट के बावजूद मजबूत रही भारतीय अर्थव्यवस्था।
- एनएसई ने आईपीओ का प्राइस बैंड 1700-1785 रु. तय किया, 17 से 21 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे निवेशक, कंपनी इश्यू से 22,562 करोड़ जुटाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भारत मंडपम में 45 मिनट द्विपक्षीय बैठक

पुतिन का अमेरिका-यूरोप पर तंज, कमजोर देश खुद को जी7 क्यों कहते

पुतिन-मोदी दिल्ली में एक ही कार में बैठे, दोनों नेता गले मिले, रूसी राष्ट्रपति ने पीएम को अपने देश बुलाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

राजधानी नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' में 12 और 13 सितंबर को आयोजित हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए वैश्विक नेताओं का आगमन जारी है। सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा और युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका अलुपो समेत 21 देशों के प्रतिनिधि और शीर्ष नेता नई दिल्ली पहुंच चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भारत मंडपम में 45 मिनट द्विपक्षीय बैठक हुई। इसके बाद दोनों नेता एक ही कार से इंडस्ट्रियल एग्जीबिशन में पहुंचे। पीएम मोदी और पुतिन ने भारत-रूस रिश्तों पर चर्चा की। इस दौरान पुतिन ने मोदी को 24वें भारत-रूस समिट के लिए रूस आने का न्योता दिया। पीएम ने इसे स्वीकार कर लिया। मीटिंग में मिडिल ईस्ट और ब्लैक सी में जारी तनाव पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी विवाद या संघर्ष का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत शांति बहाल करने की कोशिशों में मदद करने के लिए तैयार है।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम के लीडर्स सेशन में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि दुनिया इस समय बहुत मुश्किल दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है, सप्लाई में दिक्कतें आ रही हैं और आर्थिक दबाव के जरिए दूसरे देशों पर राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा है। इससे कारोबार का माहौल मुश्किल हो गया है।

तिरुक्कुरल क्या है, जिसे पीएम मोदी ने पुतिन को भेंट किया- तिरुक्कुरल तमिल कवि और दार्शनिक तिरुवल्लुवर की प्रसिद्ध रचना है। इसे तमिल वेद कहा जाता है। इसमें करीब 1,330 दोहे हैं। इन दोहों में अच्छे जीवन, नैतिकता, शासन, अर्थव्यवस्था, प्रेम और इंसानी मूल्यों के बारे में बताया गया है। तिरुक्कुरल को तमिल साहित्य की सबसे महत्वपूर्ण रचनाओं में से एक माना जाता है। इसका कई भाषाओं में अनुवाद भी हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी का इसे विदेशी नेताओं को भेंट करना भारत की प्राचीन तमिल संस्कृति और उसकी ज्ञान परंपरा को दुनिया तक पहुंचाने का संदेश माना जा सकता है।

जी7 का योगदान सिर्फ 18%

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जी7 पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि समझ नहीं आता कि जी7 को ग्रुप ऑफ सेवन क्यों कहा जाता है। पुतिन ने कहा कि पिछले 5 साल में दुनिया की 40% से ज्यादा जीडीपी ब्रिक्स देशों से आई है, जबकि जी7 की हिस्सेदारी सिर्फ 29% रही। दुनिया की आर्थिक ग्रोथ में भी इसकी हिस्सेदारी आधे से ज्यादा रही, जबकि जी7 का योगदान सिर्फ 18% रहा। उन्होंने कहा कि इसकी बड़ी वजह ब्रिक्स देशों की आधी से ज्यादा आबादी और उनके तेजी से बढ़ते घरेलू बाजार हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने भी फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी रहती है। ये देश दुनिया की 40% जीडीपी और 25% से ज्यादा ग्लोबल ट्रेड में हिस्सा रखते हैं।

बैंक हड़ताल से चेक क्लीयरेंस, नकद जमा जैसे काम अटके

प्रदेश में 5,500 करोड़ के कारोबार पर असर

2 साल से अटकी 5-डे वर्किंग की मांग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के कारण एसबीआई, पीएनबी और यूनियन बैंक सहित देशभर के सरकारी और कुछ निजी बैंक शुक्रवार को बंद रहे। इससे चेक क्लीयरेंस, नकद जमा और निकासी, एफडी रिन्यूअल और सरकारी खजाने से जुड़े काम पूरी तरह अटके रहे। हड़ताल की वजह से मध्य प्रदेश में सिर्फ एक दिन में 5,500 करोड़ रुपए का बैंकिंग बिजनेस प्रभावित हुआ। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 2 साल से अटकी 5-डे वर्किंग की मांग को लेकर शुक्रवार को एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया था।

सहमति के बाद भी वित्त मंत्रालय से नहीं मिली मंजूरी

यूएफबीयू का कहना है कि 8 मार्च 2024 को इंडियन बैंक्स एसोसिएशन यानी आईबीए के साथ 12वें द्विपक्षीय समझौते और 9वें जॉइंट नोट पर हस्ताक्षर हुए थे। इसमें 5-डे बैंकिंग लागू करने पर सहमति बनी थी। इसके तहत कर्मचारी सोमवार से शुक्रवार तक रोज 40 मिनट ज्यादा काम करेंगे।
आईबीए ने इस प्रस्ताव को मंजूरी देकर केंद्र सरकार के पास भेजा था। दो साल से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी वित्त मंत्रालय से इसे मंजूरी नहीं मिली है।

दो दिन बाद सोमवार को बैंक खुलेंगे

- अब 12 सितंबर को महीने का दूसरा शनिवार और 13 सितंबर को रविवार होने के कारण सभी बैंक बंद रहेंगे। अब बैंक शाखाएं सीधे सोमवार, 14 सितंबर को खुलेंगी, जिससे चेक क्लीयरेंस और बाकी जरूरी कामों में देरी होना तय है।
- बैंकों ने अपने ग्राहकों से कहा है कि हड़ताल की वजह से ब्रांच स्तर की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि, इस दौरान यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम जैसी डिजिटल सेवाएं चालू रहेंगी।
- मप्र में 7 हजार शाखाएं बंद रहीं, 42 हजार कर्मचारी शामिल हुए मध्य प्रदेश बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहनकृष्ण शुक्ला ने बताया कि प्रदेश की कुल 8,707 बैंक शाखाओं में से लगभग 7 हजार शाखाओं के 42 हजार से अधिक कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल हुए। इससे प्रदेश में 5,500 करोड़ रुपए का कारोबार ठप रहा।
- आंदोलन में 12 सरकारी बैंकों के अलावा विभिन्न क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों के कर्मचारियों ने भी भाग लिया। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर जैसे बड़े शहरों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बैंक परिसरों के बाहर कर्मचारियों ने प्रदर्शन और नारेबाजी की।

बिहार सीबीआई की नीमच में बड़ी कार्रवाई

नारकोटिक्स इंस्पेक्टर गिरफ्तार, 10 लाख के ट्रांजैक्शन से खुला बड़ा राज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नीमच

प्रदेश के नीमच में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के एक अधिकारी की गिरफ्तारी से हड़कंप मच गया है। बिहार सीबीआई की विशेष टीम ने सीबीएन में पदस्थ इंस्पेक्टर सिद्धार्थ श्रीवास्तव को कथित रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किया है।

सीबीआई की कार्रवाई कथित तौर पर एनडीपीएस मामलों में आरोपियों को राहत देने और केस से जुड़े मामलों में मदद के बदले बड़ी रकम की मांग किए जाने की जांच से जुड़ी है। एजेंसी अब इस मामले में अन्य संभावित आरोपियों और बिचौलियों की भूमिका भी खंगाल रही है। जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, एक मादक पदार्थ जब्ती से जुड़े मामले को निपटाने के लिए

कथित तौर पर 50 लाख रुपये की डील की गई थी। जांच एजेंसी को इस लेनदेन के एक हिस्से के ऑनलाइन माध्यम से ट्रांसफर किए जाने की जानकारी मिली। सीबीआई ने कथित तौर पर 10 लाख रुपये के डिजिटल लेनदेन का ट्रेल खंगाला। इसके बाद जांच टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान केस से जुड़ी फाइलों के अलावा लैपटॉप, स्मार्टफोन और बैंक पासबुक समेत अन्य दस्तावेज जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है।

ट्रक और बोलेरो की भिड़ंत में 8 की मौत

एजेंसी ▸▸ भंडारा

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को ट्रक और बोलेरो की टक्कर में 3 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4 बजे नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर पिंपलगांव सड़क के पास हुआ।

सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से नेशनल हाईवे-53 के रास्ते नागपुर जा रहे थे।

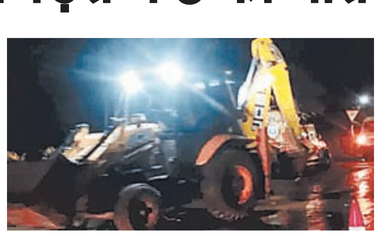

ट्रक में फंसे पिकअप को निकालने के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया।

जहरीली शराबकांड के मुख्य आरोपी को पैर में गोली मारकर पकड़ा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सागर

पुलिस पर की थी 3 राउंड फायरिंग, 31 मौतों के मामले में वॉन्टेड था

मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब मामले में शुक्रवार को मुख्य आरोपी रवि लखेरा को पकड़ लिया गया। बरायठा के जंगल में पुलिस और रवि के बीच फायरिंग हुई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। आरोपी रवि को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। इस पर 20 हजार का इनाम था। एसपी अनुराग सुजानिया ने पुष्टि की है।

सीएम मोहन यादव ने कहा- शराब कांड के एक आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर हुआ है। किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

लगातार कार्रवाई हो रही है। जहरीली शराब पीने से अब तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है। गुरुवार को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती 3 और मरीजों ने दम तोड़ा था। हालांकि, प्रशासन 16 मौतों की ही पुष्टि कर रहा है। इससे पहले प्रशासन ने गुरुवार को 3 आरोपियों के 5 मकानों के अवैध हिस्सों पर बुलडोजर चलाया था। इनमें आरोपी मनीष लोधी, करणी सेना के संभागीय अध्यक्ष चंद्रभान सिंह राजपूत और आशीष साहू के निर्माण शामिल हैं।

मोबाइल सिम की तरह पोर्ट करा सकेंगे फास्टैग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

अब फास्टैग यूजर्स को अपना बैंक बदलने के लिए गाड़ी की विंडशील्ड पर लगा पुराना स्टिकर हटाने या नया फिजिकल टैग लगवाने की जरूरत नहीं होगी। फास्टैग भी मोबाइल सिम की तरह पोर्ट हो जाएगा। वनटैग नाम की इस नई सर्विस को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 के दौरान लॉन्च किया। अभी फास्टैग यूजर को बैंक बदलने के लिए पुराना टैग अकाउंट बंद करना पड़ता था। इसके बाद नए सिरे से ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया पूरी करके नया फिजिकल स्टीकर बनवाना होता था। अब यूजर को पुराना अकाउंट बंद नहीं करना पड़ेगा। एक ही फास्टैग स्टिकर अलग-अलग बैंकों के बीच पोर्टेबल हो जाएगा।

चंद्रशेखर की पूर्व गर्लफ्रेंड 6 साल बाद भारत लौटीं, हिंदूवादियों ने रिसीव किया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली डॉ. रोहिणी घावरी स्विट्जरलैंड से शुक्रवार को भारत लौट आईं। दिल्ली एयरपोर्ट पर श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल सिंह अम्मू, हिंदूवादी नेता दक्ष चौधरी और अक्कू पंडित जैसे तमाम लोगों ने स्वागत किया। रोहिणी घावरी ने चंद्रशेखर का नाम लिए बगैर कहा- बाबा साहेब अंबेडकर को मानने वाला व्यक्ति न्यायप्रिय होता है।

शोषणकारी नहीं होता है। मेरे सम्मान की लड़ाई क्यों नहीं लड़ी? मेरे साथ अन्याय क्यों किया? क्यों, मैं इस समाज की बेटी नहीं हूं? मैं दलित समाज की बेटी नहीं हूं? रोहिणी ने कहा- अलग-अलग राज्यों में जाऊंगी, बैठकें करूंगी। डरकर घर बैठने वालों में से नहीं हूं और न तेरी तरह सिक्योरिटी की भीख मांगूंगी, न बिकूंगी।

इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह की 2 किमी लंबी सुरंग उड़ाई

विस्फोट के बाद 4.1 तीव्रता का भूकंप आया

नेतन्याहू बोले- मिशन पूरा, हैप्पी न्यू ईयर

एजेंसी ▸▸ बेरुत

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह की 2 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सुरंग को ब्लास्ट कर तबाह कर दिया। ब्लास्ट के लिए करीब 1100 टन विस्फोटक इस्तेमाल किया गया था।

यह विस्फोट इतना तेज था कि इलाके में 4.1 तीव्रता वाले भूकंप जैसे झटके महसूस किए गए। लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक, धमाके से

आसपास के इलाकों में जमीन हिलने लगी। इस हमले के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, मिशन पूरा हुआ, हैप्पी न्यू ईयर। इजराइली सेना के मुताबिक, सुरंग में ईरान में बने कई रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन रखे थे। यहां मशीनगन, एंटी-टैंक मिसाइल और सैकड़ों बारूदी सुरंगें व विस्फोटक भी मिले। सेना ने बताया कि इस परिसर में हिजबुल्लाह की बद्र यूनिट का कमांड सेंटर भी था।

टनल में घुसे थे आईडीएफ सैनिक, तलाशी का फुटेज जारी किया

इजराइली सेना ने अली अल-ताहेर पहाड़ी के नीचे बने हिजबुल्लाह के टनल नेटवर्क का फुटेज जारी किया है। वीडियो में सैनिक सुरंगों के अंदर तलाशी लेते नजर आ रहे हैं। आईडीएफ के मुताबिक, जून में सीजफायर के बाद से यहां करीब 50 हिजबुल्लाह लड़ाके छिपे हुए थे। इस साइट पर कब्जे की कार्रवाई के दौरान कई लड़ाके मारे गए। सेना के मुताबिक, इनमें कुछ ऐसे थे जो सुरंगों से भागने की कोशिश कर रहे थे। तलाशी के दौरान सैनिकों को करीब 12 शव भी मिले। हालांकि, आईडीएफ का कहना है कि कुछ हिजबुल्लाह लड़ाके इलाके से भागने में कामयाब हो सकते हैं।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शुक्रवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

मिलावटियों की गैरत

मिलावट वैसे तो बहुत ही विस्तृत रूप लिए हुए है। यह विकृति समाज के सभी क्षेत्र में आई है। यहां तक की अब तो इस मिलावट शब्द से आदमी को भी प्रमाणित किया जाने लगा है। मूल मुद्दा खाद्य वस्तुओं की मिलावट का है। इसे लेकर लंबे समय से पकड़-धकड़ चल रही है। इससे संबंधित विभाग जो भी जितना भी काम करता है उसमें धड़ल्ले से मिलावटियों को दबोचा जा रहा है। कानून में पिछले एक दशक में कई बड़े संशोधन किए गए हैं। इसे राज्य स्तर पर भी सख्त बनाया गया है और मिलावटियों को बराबर पकड़ा जा रहा है। खाद्य वस्तुओं की मिलावट धीरे-धीरे चरम पर आने लगी है। आम आदमी के लिए इनमें से अधिकांश मिलावट स्वास्थ्य को लेकर चिंताजनक है। इस मिलावट के कारण कई लोग असमय ही काल के गाल में समा रहे हैं। कड़े कानून होने के बावजूद मिलावटियों में भय की स्थिति नहीं के बराबर ही देखी जा रही है। बगैर डरे मिलावटी आर्थिक लोभ में बराबर अपने काम को अंजाम दे रहे हैं और लोगों की जान से खिलवाड़ करने से नहीं चूक रहे हैं। हाल ही में सामने आने मामलें में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। प्रशासन की मजबूरी भी यह है कि जो कानून है उसी के तहत सजा दी जा सकती है उससे अधिक नहीं। सामने आए मामलों में मिथ्याछाप नमकीन-पानी, होटल-रेस्टोरेंट में खुला पनीर, पापड़ से लेकर धनिया पाउडर तक नकली, मावा-मिठाई में मिलावट, मिक्स दूध को शुद्ध बताकर बेचना, बगैर खाद्य लायसेंस के कारोबार करने की स्थिति सामने आई है। उसके बावजूद बराबर मिलावट का धंधा बरकरार है और जैसे -जैसे इस पर नियंत्रण की कोशिश की जा रही है वैसे-वैसे यह बढ़ता ही जा रहा है। आम आदमी रोटी के स्वाद के लिए नमकीन का इस्तेमाल कर रहा है उसमें भी बराबर मिलावट की स्थिति सामने आ रही है। मिलावट की यह स्थिति बराबर अब तो आरोपित व्यवसायी की नैतिकता पर ही सवाल खडा कर रही है। कुछ ऐसे भी इनमें शामिल हैं जो एक से अधिक बार मिलावटी के रूप में सामने आ चुके हैं और हर बार नए नाम से व्यवसाय को अंजाम देकर बराबर लोगों के पेट में मिलावटी माल पहुंचाने में कोई चूक नहीं कर रहे हैं। खुसूर-फुसूर है कि कानूनों में बराबर सख्ती के बाद भी मिलावटियों की हिम्मत बरकरार है और वे बराबर अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। कुछ पर कार्रवाई होने के बावजूद हर रोज नए सामने आ रहे हैं। ऐसे में अब पकड़े जाने वाले मिलावटियों पर कानून की सख्ती के साथ इनकी गैरत जगाने का काम भी किया जाना समाज के हित में होगा।

नैनो न्यूज

- **शांति समिति सदस्य** और वरिष्ठ अधिवक्ता ने दी बधाई, चिमनगंज मंडी थाना प्रभारी विवेक कनोडिया के डीएसपी पद पर पदोन्नत होने पर उनका सम्मान किया गया।
- **बिना टैक्स** वसूले वाहनों के परमिट रिन्यू करने का आरोप, फूंकेंगे परिवहन विभाग के शाखा प्रभारी का पुतला, युवा शिव सेना गौ रक्षा न्यास व हिंदू टाइगर फोर्स ने खोला मोर्चा, ईओडब्ल्यू से संपत्ति जांच और निलंबन की मांग
- **कॉस्मेटिक , हर्बल उत्पादों,** प्राकृतिक सुगंध एवं पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के निर्माण में विभिन्न औषधिय पौधों का उपयोग कर शुरू करें स्टार्ट अप
- **पर्यावरण संरक्षण** के लिए घर-घर स्थापित हों मिट्टी के श्री गणेश, दीप ज्योति वेलफेयर सोसाइटी और लिटिल स्टार स्कूल की पहल, 12 को होगी निःशुल्क कार्यशाला
- **प्रभावी श्रद्धालु** प्रबंधन पर पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा का किया सम्मान, स्मार्ट सिटी की नव नियुक्त सीईओ नेहा जैन का भी स्वागत किया।
- दिनकर प्रतीक सम्मान समारोह-2026 का आयोजन 13 सितम्बर को, 4.30 बजे सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, भारतपुरी, देवास रोड, उज्जैन में किया जाएगा
- अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल ने हनुमान मंदिर पर किया हनुमान चालीसा का पाठ
- रैली निकाल कर खड़े हनुमान मंदिर को यथावत रखने की मांग, सराफा स्थित प्राचीन खड़े हनुमान मंदिर का वीडियो वायरल होने के बाद मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही
- ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत लगा कुम्हार सशक्तिकरण जागरूकता शिविर

ट्रेंडिंग

अमावस्या : शिप्रा नदी पर उमड़ा आस्था का सैलाब

स्नान-दान, पूजन-अर्चन और देव दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु, पितरों के निमित्त हुए तर्पण-अनुष्ठान

आस्था के साथ शिप्रा स्वच्छता का भी संदेश

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

धार्मिक नगरी उज्जैन में अमावस्या पर्व श्रद्धा, आस्था और सेवा के वातावरण में मनाया गया। अलसुबह से ही मोक्षदायिनी मां शिप्रा के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, रामघाट सहित शिप्रा के अन्य घाटों पर स्नान करने वालों की संख्या बढ़ती गई। श्रद्धालुओं ने शिप्रा में आस्था की डुबकी लगाकर स्नान-दान किया और इसके बाद घाटों पर पूजन-अर्चन कर देव दर्शन का लाभ लिया।

सनातन परंपरा में अमावस्या का विशेष धार्मिक महत्व माना गया है। इस दिन शिप्रा स्नान, दान-पुण्य और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ पितरों के निमित्त तर्पण एवं पूजन करने की परंपरा रही है। इसी आस्था के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिप्रा तट पर पहुंचे। कई परिवारों ने अपने दिवंगत परिजनों और पितरों के निमित्त तर्पण, पूजन तथा अन्य धार्मिक कर्मकांड संपन्न किए। शिप्रा तट पर पंडितों द्वारा विधि-विधान से पूजन कराया गया और श्रद्धालुओं ने अपने सामर्थ्य के अनुसार दान-पुण्य भी किया।

स्नान के बाद मंदिरों में दर्शन

अमावस्या पर शिप्रा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने शहर के विभिन्न मंदिरों में पहुंचकर भगवान के दर्शन किए। कई श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य देव के समक्ष विशेष पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। धार्मिक नगरी उज्जैन में शिप्रा स्नान और देव दर्शन का विशेष महत्व होने के कारण अमावस्या के अवसर पर धार्मिक गतिविधियां पूरे दिन जारी रहीं।

पितरों के निमित्त तर्पण और पूजन

अमावस्या को पितरों के स्मरण और उनके निमित्त धार्मिक कर्म करने का भी विशेष अवसर माना जाता है। शिप्रा के घाटों पर श्रद्धालुओं ने पितरों का स्मरण करते हुए जल अर्पित किया। कई लोगों ने पंडितों के मार्गदर्शन में तर्पण एवं पूजन की विधियां पूरी कीं। परिवार के दिवंगत सदस्यों की आत्मशांति और पितृ आशीर्वाद की कामना के साथ श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान किए।

अमावस्या पर किए धार्मिक उपाय

अमावस्या के अवसर पर धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्रद्धालु विभिन्न प्रकार के उपाय भी करते हैं। दान-पुण्य, जरूरतमंदों की सहायता, गौसेवा, अन्नदान सहित अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार धार्मिक कार्य किए गए। अनेक श्रद्धालुओं ने शिप्रा तट पर पूजन कर भगवान से परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

आस्था के साथ स्वच्छता का भी संदेश- अमावस्या पर्व पर जहां शिप्रा तट श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना रहा, वहीं मां शिप्रा तैराक दल ने सेवा और स्वच्छता की जिम्मेदारी भी निभाई। संस्था के सदस्यों ने रामघाट पर सफाई अभियान चलाकर शिप्रा और घाटों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच घाट पर जमा होने वाले कचरे को एकत्रित कर हटाया गया तथा लोगों को भी नदी में गंदगी नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया। मां शिप्रा तैराक दल लंबे समय से शिप्रा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सेवा के कार्यों में सक्रिय है। धार्मिक पर्वों के साथ ही सावन और भादव की सवारी के दौरान भी संस्था के सदस्य घाटों पर अपनी सेवाएं देते हैं। सावन के दौरान शिप्रा में स्नान के समय कई श्रद्धालुओं के डूबने की घटनाओं में तैराक दल के सदस्यों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। पर्व के दौरान घाटों पर तैनात रहकर श्रद्धालुओं की मदद करना संस्था की निरंतर सेवा का हिस्सा है।

तैराक दल की निरंतर सेवा

संस्था का उद्देश्य केवल डूबते लोगों की जान बचाना ही नहीं, बल्कि शिप्रा और उसके घाटों के प्रति लोगों में जिम्मेदारी की भावना पैदा करना भी है। इसी भावना के तहत अमावस्या पर्व पर रामघाट में स्वच्छता अभियान चलाया गया। तैराक दल के सदस्यों ने स्वयं सफाई करते हुए यह संदेश दिया कि जिस नदी में श्रद्धालु आस्था के साथ स्नान करते हैं, उसकी स्वच्छता बनाए रखना भी प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। स्वच्छता अभियान में संस्था के सचिव संतोष सोलकी, माधव शिंदे, कमल कहार, महेश शिंदे, हुकुम ठाकुर, मुकेश कहार, अमन कहार, मनु कहार, दीपक कहार, राज कहार, भोला कहार, अभिषेक कहार, दिनेश कहार, पप्पू कहार, लोकेश कहार सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता की। सदस्यों ने घाट क्षेत्र की सफाई करते हुए कचरा हटाया और शिप्रा को स्वच्छ रखने का संकल्प दोहराया।

सेवा कार्य की सराहना

अमावस्या पर्व पर मां शिप्रा तैराक दल द्वारा किए गए स्वच्छता अभियान और लगातार की जा रही श्रद्धालुओं की सेवा की बने सिंह नागर एवं नवीन हंसवाल ने सराहना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के दौरान जिस प्रकार तैराक दल के सदस्य अपनी जान की परवाह किए बिना श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं, वह सराहनीय है। शिप्रा की स्वच्छता के लिए भी संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। अमावस्या पर शिप्रा स्नान से लेकर दान-पुण्य, पितृ तर्पण और देव दर्शन तक धार्मिक आस्था का वातावरण बना रहा। इसी बीच तैराक दल के सदस्यों ने स्वच्छता अभियान चलाकर यह संदेश भी दिया कि शिप्रा में आस्था की डुबकी के साथ उसे स्वच्छ रखने का संकल्प भी जरूरी है। धर्म और सेवा के इस संगम ने अमावस्या पर्व को एक अलग संदेश दिया।

अधिकारियों की सुस्ती पड़ेगी भारी

सिंहस्थ मेला क्षेत्र का लेआउट अब तक तैयार नहीं

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

सिंहस्थ जैसे बड़े धार्मिक आयोजन की तैयारियों में समय पर निर्णय और व्यवस्थाओं का पूरा होना बेहद जरूरी है। इसके बावजूद सिंहस्थ मेला क्षेत्र में जमीन आवंटन से संबंधित लेआउट तैयार करने में उज्जैन विकास प्राधिकरण की ओर से लगातार देरी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि मई से मेला क्षेत्र की जमीन के आवंटन का लेआउट मांगा जा रहा है, लेकिन अब तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है।

इस लेआउट में प्रमुख रूप से अखाड़ों के लिए निर्धारित भूमि के साथ अन्य धार्मिक एवं आयोजन क्षेत्रों का निर्धारण भी शामिल है। जमीन का आवंटन स्पष्ट होने के बाद ही संबंधित क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, पार्किंग, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की विस्तृत योजना तैयार की जा सकेगी।

महीनों से अटका महत्वपूर्ण काम

सिंहस्थ की तैयारियां लगातार आगे बढ़ रही हैं, लेकिन मेला क्षेत्र के भूमि आवंटन का आधार माने जाने वाला लेआउट ही तैयार नहीं होना अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। मई से इसकी मांग किए जाने के बावजूद कई महीने बीत चुके हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर लेआउट तैयार करने में इतनी देरी क्यों हो रही है और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी अब तक इसे पूरा क्यों नहीं कर पाए।

सिंहस्थ लेआउट में मुख्य रूप से शामिल होता है

- अखाड़ों के लिए भूमि आवंटन और उनके स्थान
- साधु-संतों, महामंडलेश्वरों के शिविर क्षेत्र
- श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग व होल्डिंग एरिया
- स्नान घाट और पहुंच मार्ग
- प्रमुख सड़कें, वैकल्पिक मार्ग और प्रवेश-निकास
- बिजली, पानी, सीवरेज आदि की अस्थायी सुविधाओं के क्षेत्र
- पुलिस, प्रशासन और आपदा प्रबंधन के स्थान
- अस्पताल, फायर स्टेशन और अन्य आपातकालीन व्यवस्थाएं
- मेला कार्यालय एवं प्रशासनिक क्षेत्र
- बाजार, भोजनालय और अन्य व्यावसायिक क्षेत्र
- शौचालय, सफाई और कचरा प्रबंधन के स्थान
- भविष्य के विकास/स्थायी निर्माण से संबंधित भूमि का निर्धारण

अखाड़ों के स्थान को लेकर महत्वपूर्ण है लेआउट

सिंहस्थ में देशभर से आने वाले अखाड़ों और साधु-संतों के लिए भूमि का निर्धारण बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय है। अखाड़ों की परंपरा, आवश्यकता और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उनके शिविरों के लिए स्थान तय किया जाना है। इसके अलावा अन्य धार्मिक गतिविधियों और संस्थाओं के लिए भी भूमि चिन्हित की जानी है। लेआउट में देरी का सीधा असर आगे की व्यवस्थाओं पर पड़ सकता है। जब तक जमीन का अंतिम निर्धारण नहीं होगा, तब तक संबंधित विभागों के लिए अपनी योजनाओं को अंतिम रूप देना मुश्किल रहेगा।

समय रहते नहीं संभले तो जवाबदेही तय होगी

सिंहस्थ की तैयारियों में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी आने वाले समय में बड़ी प्रशासनिक चुनौती बन सकती है। अभी समय रहते काम पूरा करने का अवसर है, लेकिन यदि इसी तरह फाइलों और प्रक्रिया में मामला उलझा रहा तो अंतिम समय में अधिकारियों पर काम का भारी दबाव पड़ेगा।
सरकार सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर गंभीर है, लेकिन जमीन आवंटन का लेआउट तैयार करने में हो रही देरी अधिकारियों के लिए आने वाले समय में भारी पड़ सकती है। अब जरूरत है कि विकास प्राधिकरण इस काम को प्राथमिकता में लेकर जल्द से जल्द लेआउट तैयार करे और संबंधित विभागों को उपलब्ध कराए, ताकि सिंहस्थ की अन्य व्यवस्थाएं भी समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ सकें।
सिंहस्थ की तैयारियों में भूमि संबंधी कई महत्वपूर्ण काम विकास प्राधिकरण स्तर पर अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। ऐसे में अब अधिकांश भूमि संबंधी प्रक्रिया की जिम्मेदारी तहसीलदार स्तर पर आ गई है। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में अखाड़ों सहित अन्य धार्मिक संस्थाओं और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए भूमि का निर्धारण एवं आवंटन महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके लिए मेला क्षेत्र का लेआउट तैयार किया जाना है, लेकिन लंबे समय से अपेक्षित कार्रवाई पूरी नहीं हो पाई है। प्राधिकरण स्तर पर काम में हो रही देरी के कारण अब राजस्व अमले को सक्रिय किया जा रहा है।
तहसीलदार के जिम्मे भूमि की स्थिति, उपलब्धता, सीमांकन सहित विभिन्न प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाने का काम रहेगा। सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हुई तो आगे शिविरों और अन्य व्यवस्थाओं की तैयारी प्रभावित हो सकती है।

श्रावण-भादौ में आस्था का महासमागम

40 दिन में महाकाल मंदिर में 1.88 करोड़ श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

शीघ्र दर्शन से 17.98 करोड़ की आय एवं 13.6 करोड़ रुपये से अधिक की लड्डू प्रसादी बिकी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रावण-भादौ माह में आस्था का महासंगम रहा है। इस दौरान 1.88 करोड श्रद्धालुओं ने यहां भगवान के दर्शन किए हैं। मंदिर प्रबंध समिति को शीघ्र दर्शन से ही रूपए 17.98 करोड की आय हुई है। मंदिर की प्रसादी लड्डू विक्रय से रूपए 13.6 करोड से अधिक की आय हुई है।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि श्रावण- भादौ मास 30 जुलाई से 07 सितंबर तक कुल 40 दिनों में विश्व

प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में देश-विदेश से श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा।

मंदिर, सवारी, नागपंचमी तीनों के श्रद्धालु- श्रावण-भादौ मास के दौरान 1,34,58,747 श्रद्धालुओं ने भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए। वहीं, भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारियों एवं श्री नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन के लिए लगभग 53,95,000 श्रद्धालु पहुंचे। इस प्रकार कुल 1,88,53,747 से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल के दर्शन का लाभ लिया।

शीघ्र दर्शन से करीब 18 करोड़ रुपये की आय

श्रावण-भादौ माह में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए संचालित शीघ्र दर्शन व्यवस्था के अंतर्गत 17,98,61,750 रुपये की आय प्राप्त हुई। श्रद्धालुओं में महाकाल लड्डू प्रसादी के प्रति भी विशेष आस्था एवं मांग बनी रही। इस दौरान 2760.139 क्विंटल लड्डू प्रसादी की बिक्री हुई, जिससे रूपए 13,06,20,500 रु. की राशि प्राप्त हुई।

व्यापक रही व्यवस्थाएं

श्रावण-भादौ माह में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा दर्शन, सवारी, प्रसादी, पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को व्यापक स्तर पर संचालित किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुगम दर्शन को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग एवं आवश्यकतानुसार व्यवस्थाओं में सुधार किया गया।

12 ज्योतिर्लिंग और चारधाम यात्रा के निकले चौहान दंपती का स्वागत

5000 कि.मी. की यात्रा ढाई वर्ष में करेंगे पूर्ण

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

श्री गुजराती रामी माली समाज धार के हमारे भाई रवि चौहान ओर उनकी धर्मपत्नी गीतिका चौहान दोनों 12 ज्योतिर्लिंग और चारधाम यात्रा पैदल कर यात्रा कर रहे हैं। 15000 कि.मी. की यात्रा ढाई वर्ष में पूर्ण करेंगे। आज मालीपुरा मन्दिर में स्वागत अभिन्नदन किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष जगदीश पटेल, शिवनारायण जागीरदार, लक्ष्मण पटेल, लीलाधर आढ़तीया, ओम बाबू, भगवान पटेल, लक्ष्मी नारायण चौहान, पार्षद सत्यनारायण चौहान, यादवलाल चौहान मोतीलाल पटेल, मांगीलाल राजनोद, राम हरि, उमेन्द्र दयाल, संजय बारोड़ अनिल बारोड़, दुर्गेश वर्मा, संदीप राजनोद, रोहित पटेल, मुकेश चौहान, मनोज परमार, लेखराज चौहान, संदीप सोलंकी, दीपू मनवानी, बिट्टू बारोड़ सभी समाज जन उपस्थित थे।

गंभीर डेम को झमाझम बारिश का इंतजार

आधी क्षमता भी नहीं भर पाया, बढ़ने लगी चिंता

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

शहर की जलापूर्ति का प्रमुख आधार गंभीर डेम इस वर्ष अब तक अपनी आधी क्षमता तक भी नहीं भर पाया है। जोरदार बारिश की लंबी प्रतीक्षा के बीच डेम का जलस्तर लगातार चिंता का कारण बनता जा रहा है। मालवा क्षेत्र में भादव मास में झमाझम बारिश के पुराने रिकॉर्ड रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय असंतुलन के चलते बारिश का मिजाज बदल गया है। इस बार भी भादव मास की शुरूआत में काले बादल तो रोजाना उमड़-घुमड़कर आ रहे हैं, लेकिन बिना बरसे ही आगे निकल जा रहे हैं।

शहरवासी आसमान में छाए काले बादलों को देखकर भारी बारिश की उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन हर दिन उम्मीद के विपरीत निराशा हाथ लग रही है। बुजुर्गों का कहना है कि भादव में कभी ऐसा समय आता था, जब बारिश की झड़ी लग जाती थी। अब स्थिति यह है कि बादल आते हैं, शहर में कुछ देर के लिए अंधेरा छा जाता है और लगता है कि जोरदार बारिश होने वाली है, लेकिन थोड़ी ही देर बाद तेज धूप निकल आती है।

बारिश की इस बेरुखी ने अब आमजन के साथ प्रशासनिक अधिकारियों की चिंता भी बढ़ा दी है। सभी की निगाहें गंभीर डेम पर टिकी हैं, क्योंकि आने वाले दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो पेयजल व्यवस्था को लेकर चुनौती बढ़ सकती है।

इंदौर और आसपास भी बारिश का इंतजार- उज्जैन के गंभीर डेम में पानी की आवक का बड़ा स्त्रोत इंदौर और आसपास का क्षेत्र है। इंदौर, देपालपुर सहित कैचमेंट क्षेत्र में अच्छी बारिश होने पर यशवंत सागर में पानी बढ़ता है। यशवंत सागर के लबालब होने के बाद सायफन खोले जाते हैं और वहां से बहकर आने वाला पानी गंभीर डेम में पहुंचता है। इस वर्ष यशवंत सागर में भी पर्याप्त पानी नहीं होने से गंभीर डेम में पानी की आवक प्रभावित है। ऐसे में गंभीर डेम को भरने के लिए अब जोरदार बारिश का इंतजार है।

पलक पावड़े बिछाए बारिश का इंतजार- अवंतिका की टीम ने गुरुवार शाम गंभीर डेम का जायजा लिया। डेम का बड़ा हिस्सा खाली नजर आया और जलभराव क्षमता के मुकाबले पानी आधे से भी कम था। गंभीर डेम की पूर्ण जलभराव क्षमता 2250 एमसीएफटी (मिलियन क्यूबिक फीट) है, जबकि गुरुवार शाम तक डेम में करीब 794 एमसीएफटी पानी ही संग्रहित था। यानी डेम अपनी कुल क्षमता के करीब 35 प्रतिशत तक ही भरा है।

गंभीर डेम की स्थिति

पूर्ण क्षमता: 2250 एमसीएफटी
वर्तमान संग्रहण: करीब 794 एमसीएफटी
सावन में अधिकतम संग्रहण: करीब 1100 एमसीएफटी
प्रतिदिन जलापूर्ति में खर्च: करीब 5 एमसीएफटी
कुल क्षमता का वर्तमान उपयोग: करीब 35 प्रतिशत

सावन में 1100 एमसीएफटी तक पहुंचा था पानी

बारिश के दौरान सावन माह में गंभीर डेम में जलसंग्रहण करीब 1100 एमसीएफटी तक पहुंच गया था। इसके बाद बारिश की लंबी खींच के कारण पानी कम होता गया। वाष्पीकरण और सीपेज के कारण भी जलसंग्रहण में कमी आई और गुरुवार शाम तक डेम में करीब 794 एमसीएफटी पानी ही रह गया।

– प्रवीण वर्मा, उपयंत्री एवं प्रभारी, गंभीर डेम कंट्रोल रूम, देवासगेटबाक्स

न्यूज ब्रीफ

हनुमान अंश को टैक्स फ्री करने की पीपीए की मांग

उज्जैन। सनातन धर्म को प्रचारित, प्रसारित और पोषित करने वाली धार्मिक फिल्म हनुमान अंश को टैक्स फ्री करने की मांग प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से की है। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अशोक दुबे, संभागीय अध्यक्ष कोमल भूतड़ा, सचिव चंद्रशेखर जोशी, सोहन पंड्या, बी. एल. नामदेव, व प्रदेश प्रवक्ता आचार्य राघव कीर्ति ने कहा कि टैक्स फ्री होने के बाद आम जन भी इस फिल्म को देख सकेगा। जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ. स्वामीनाथ पाण्डेय ने दी।

इंदौर में राजसी वैभव के साथ निकली पालकी

इंदौर। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 231वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को इंदौर की सड़कों पर श्रद्धा, संस्कृति और शौर्य का भव्य रंग दिखाई दिया। गांधी हॉल से निकली पालकी यात्रा में शंखनाद गूंजा तो अखाड़ों के करतबों ने उत्साह बढ़ाया, गटका और शस्त्र प्रदर्शन ने शौर्य का परिचय दिया और लोकनृत्य-भजनों ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया।राजसी वेशभूषा में घोड़ों पर सवार 13 होलकर राजाओं के प्रतिरूप और बग्गी में सवार अहिल्याबाई की प्रतिरूप बालिका ने होलकरकालीन वैभव को जीवंत कर दिया। 111 वर्षों से पुण्यतिथि समारोह आयोजित कर रही देवी अहिल्या उत्सव समिति की पालकी यात्रा में 30 से अधिक समाजों की सहभागिता रही। मार्ग में 29 मंचों से हुए स्वागत और अलग-अलग समाजों की प्रस्तुतियों ने गांधी हाल से गोपाल मंदिर तक के पूरे मार्ग को लोकमाता की स्मृति के उत्सव में बदल दिया।

महिला को टीवी सीरियल में काम दिलाने के नाम पर ठगा

इंदौर। जागरूकता अभियानों के बावजूद साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब ठगों ने टीवी सीरियल और फिल्मों में काम दिलाने के नाम पर युवाओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। एक महिला से आरोपियों ने करीब 50 हजार रुपये ठग लिए। क्राइम ब्रांच के मुताबिक महिला ने फेसबुक पर एक्टिंग से जुड़ा एक विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में टीवी सीरियल और फिल्मों में काम दिलाने का दावा किया गया था। महिला ने विज्ञापन में दिए संपर्क के जरिए आरोपियों से बातचीत शुरू की। इसके बाद आरोपियों ने उसे एक्टिंग में काम दिलाने के नाम पर अलग-अलग प्रक्रियाओं और खर्चों का हवाला देते हुए रकम जमा करने के लिए कहा। महिला आरोपियों के झांसे में आ गई और कई बार में उनके बताए बैंक खातों में करीब 50 हजार रुपये जमा कर दिए। रकम जमा करने के बाद भी जब उसे न तो काम मिला और न ही आरोपियों से संपर्क हो सका, तब उसे ठगी का अहसास हुआ।

इस बार 12 दिनों का रहेगा गणेशोत्सव

उज्जैन। इस बार गणेशोत्सव 10 की बजाय 12 दिन तक मनाया जाएगा। 14 सितम्बर को गणेशजी की स्थापना शहरभर में धूमधाम से होगी, जिसकी तैयारी जोर-शोर से जारी है। मिट्टी की छोटी प्रतिमाओं से लेकर बड़े आकार की प्रतिमाओं का भी साज-श्रृंगार किया जा रहा है, वहीं गणेश विसर्जन यानी अनंत चतुर्दशी 25 सितम्बर को है। यानी स्थापना और विसर्जन के दिनों को मिलाकर कुल 12 दिनों तक यह उत्सव चलेगा। तिथियों की घट-बढ़ के बाद कई वर्षों बाद इस तरह का संयोग आया है। शहर के चिंतामण, बड़े गणेश और अन्य मंदिर में भी उत्सव की तैयारियां जोर-शोर से जारी है, वहीं शहरभर में छोटे-बड़े कई पंडाल बनेंगे, जहां विविध धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन होंगे। उज्जैन में 100 साल से भी अधिक पुरानी झांकियों को निकालने की भी परम्परा रही है, जिसके चलते वर्षों पूर्व बंद हो चुकी मिलों की झांकियाँ भी बंद हो चुकी हैं। नगर निगम और प्राधिकरण, कृषि उपज मंडी, दुग्ध संघ सहित कुछ संगठन झांकी निर्माण करते हैं। अनंत चतुर्दशी की रात शहर में झांकियों का कारवां गुजरता है, जिसको लेकर नगर निगम ने भी गड्ढे भरने, खतरनाक मकानों को हटाने और उन पर नोटिस बोर्ड लगाने के साथ-साथ अब सफाई-बिजली व्यवस्था की तैयारी शुरू कर दी है, तो पुलिस प्रशासन भी इस साल के सबसे बड़े जलसे की तैयारियों में जुट गया है।

नैनो न्यूज

- **देवास:** औद्योगिक निवेश से रोजगार बढ़ने की उम्मीद देवास क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ने से स्थानीय कारोबार, परिवहन और रोजगार के अवसरों में विस्तार की संभावना बनी है।
- **आगर-मालवा:** आलू प्रोसेसिंग प्लांट से किसानों को लाभ आगर-मालवा में प्रस्तावित बड़े आलू प्रोसेसिंग निवेश से किसानों को कॉन्ट्रैक्ट खेती, भंडारण और प्रसंस्करण बाजार का लाभ मिल सकता है।
- **शाजापुर:** प्रोसेसिंग उद्योग से मंडी कारोबार बदलेगा शाजापुर में आलू आधारित उद्योगों की संभावित गतिविधियों से बीज, कोल्ड स्टोरेज, पैकेजिंग और परिवहन क्षेत्र में नए अवसर बनेंगे।
- **सुसनेर:** कृषि उपज आधारित कारोबार पर नजर सुसनेर क्षेत्र में किसानों और व्यापारियों की नजर आलू सहित कृषि उपज के बेहतर दाम, भंडारण सुविधाओं और नए खरीदारों पर बनी हुई है।
- **रतलाम:** कृषि आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होने की उम्मीद रतलाम क्षेत्र के किसानों, कोल्ड स्टोरेज संचालकों और परिवहन कारोबारियों को मालवा में बढ़ते खाद्य प्रसंस्करण निवेश से लाभ मिलने की संभावना है।
- **मंदसौर:** आलू भंडारण और पैकेजिंग कारोबार बढ़ेगा मंदसौर में खाद्य प्रसंस्करण की संभावित मांग से कोल्ड स्टोरेज, पैकेजिंग, परिवहन और कृषि आधारित छोटे उद्योगों को गति मिल सकती है।

लोक निर्माण विभाग ने रिवाइज्ड एस्टीमेट तैयार किया, पार्किंग और लैंडस्केपिंग से बदलेगा परिसर का स्वरूप

सिद्धपीठ मां गढ़कालिका का मंदिर अब 18.63 करोड़ में संवरेगा

तैयारी: 2215 वर्गमीटर का क्राउड कंट्रोल हॉल, भव्य प्रवेश द्वार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

महाकवि कालिदास की आराध्य सिद्धपीठ माता गढ़कालिका मंदिर के कायाकल्प की योजना को बड़ा विस्तार दिया गया है। करीब 13.14 करोड़ रुपये का पुराना टेंडर अब निरस्त कर दिया गया है। 4 जून को बिड प्रक्रिया पूरी होने के बाद श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग ने 18 करोड़ 63 लाख रुपये का रिवाइज्ड एस्टीमेट तैयार किया है।

यानी पुराने प्लान की तुलना में करीब 5.50 करोड़ रुपये ज्यादा खर्च होंगे। सबसे बड़ा बदलाव भीड़ प्रबंधन को लेकर किया गया है। मंदिर परिसर में 2,215 वर्गमीटर का क्राउड कंट्रोल हॉल बनाया जाएगा। इसके निर्माण पर करीब 3.58 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अभी परिसर में श्रद्धालुओं के आवागमन और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्थित स्थान नहीं है। सिंहस्थ में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए इस हॉल को योजना का प्रमुख हिस्सा बनाया गया है।

नई योजना केवल मंदिर भवन के जीर्णोद्धार तक सीमित नहीं है। 4515 वर्गमीटर में पार्किंग विकसित की जाएगी, जिस पर 1.56 करोड़ रुपये खर्च होंगे। परिसर में पेवर ब्लॉक, स्टॉर्म वाटर ड्रेन और फायर फाइटिंग सिस्टम भी होगा। मंदिर तक पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए मुख्य मार्ग पर दो बड़े प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। इन पर 61.84 लाख रुपये खर्च होंगे। परिसर के भीतर तीन विशेष प्रवेश द्वार, कैनोपी प्रवेश द्वार, दो फव्वारे और लैंडस्केपिंग भी प्रस्तावित है। दुकानों, आधुनिक टॉयलेट ब्लॉक, प्रशासनिक भवन, यज्ञशाला प्रवेश शेड, शू-रैक और प्रसाद वितरण केंद्र जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

14.90 करोड़ की मूल लागत, जीएसटी और सुपरविजन से 18.63 करोड़

रिवाइज्ड प्राक्कलन में सिविल कार्य की लागत 13.51 करोड़ रुपये और इलेक्ट्रिकल कार्य की 1.38 करोड़ रुपये है। दोनों मिलाकर मूल निर्माण लागत करीब 14.90 करोड़ रुपये है। इसके ऊपर 6 प्रतिशत सुपरविजन चार्ज के रूप में 89.40 लाख रुपये और 18 प्रतिशत जीएसटी के रूप में करीब 2.84 करोड़ रुपये जोड़े गए हैं। इस तरह कुल स्वीकृत लागत 18.63 करोड़ रुपये पहुंचती है। निर्माण में एमपीपीडब्ल्यूडी के एसओआर-2024 मानकों का पालन किया जाएगा। मंदिर की ऐतिहासिकता और धार्मिक स्वरूप को बनाए रखते हुए आधुनिक श्रद्धालु सुविधाएं विकसित करने पर जोर है।

कालिदास की आराध्य, तंत्र साधना की सिद्धपीठ

गढ़कालिका मंदिर उज्जैन की प्राचीन सिद्धपीठों में प्रमुख माना जाता है। मान्यता है कि महाकवि कालिदास ने माता गढ़कालिका की आराधना की थी और देवी कृपा से उन्हें विद्या एवं काव्य प्रतिभा प्राप्त हुई। मंदिर तंत्र-साधना की परंपरा से भी जुड़ा है। सिंहस्थ में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, इसलिए परिसर का विस्तार और भीड़ प्रबंधन महत्वपूर्ण है।

लापरवाही: आधी-अधूरी इमारत के कमरों में ही मशीनों के बक्सों को रख दिया

43 करोड़ के लीनियर एक्सेलेरेटर पर टपक रहा पानी

ऐसे में मशीनों के खराब होने का खतरा भी बढ़ गया है, मशीन को रखा जाना है, उसका प्लेटफार्म भी तैयार नहीं हुआ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शासकीय कैंसर अस्पताल में लंबे इंतजार के बाद आधुनिक लीनियर एक्सेलेरेटर और रेडियोथेरेपी डेडिकेटेड सीटी मशीन तो आ गई, लेकिन मरीज इसका उपयोग कब करेंगे, यह अभी तक तय नहीं है। 43 करोड़ की ये मशीन जिस रेडियोथेरेपी डिपार्टमेंट में इंस्टाल की जानी है, वहां अब तक सिविल वर्क ही पूरा नहीं हुआ है। आधी-अधूरी इमारत के कमरों में ही मशीनों के बक्सों को रख दिया गया है। हाल ही में हुई बारिश के कारण मशीन के ये बक्से भी भीग गए हैं। ऐसे में मशीनों के खराब होने का खतरा भी बढ़ गया है। नई इमारत के भूतल पर जिस जगह मशीन इंस्टाल होना है, वहां का काम रुका हुआ है। जहां मशीन को रखा जाना है, उसका प्लेटफार्म भी तैयार नहीं हुआ है। ऐसे में मशीन का इंस्टालेशन होने में ज्यादा समय लगेगा। इस तरह मशीन आने के बाद भी उसका उपयोग मरीजों के लिए कब तक शुरू होगा, यह अभी तय नहीं है।

रेडियोथेरेपी डिपार्टमेंट के टीपीएस रूम में पानी

बिल्डिंग निर्माण का कार्य पीडब्ल्यूडी की पीआईयू यूनिट द्वारा किया जा रहा है। रेडियोथेरेपी डिपार्टमेंट ग्राउंड फ्लोर पर बनाया जाना है, लेकिन वहां का सिविल वर्क ही पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में बारिश के चलते टीपीएस रूम में पानी आ गया है। यहीं पर मशीन संचालन से जुड़े कंप्यूटर लगने हैं।

इतना ही नहीं, जहां लीनियर एक्सेलेरेटर मशीन लगना है, उस बंकर में भी सिविल वर्क अधूरा है और दीवारों और छत का प्लास्टर न होने से छत से पानी टपकने लगा है। मशीन इंस्टाल कर रही वेरियन मेडिकल सिस्टम्स के कर्मचारियों का कार्य भी सिविल वर्क पूरा न होने से प्रभावित हो रहा है।

लीनियर एक्सेलेरेटर मशीन के बाक्स भी भीगे

बड़ी जद्दोजहद के बाद अस्पताल को लीनियर एक्सेलेरेटर मशीन मिल तो गई है, लेकिन अब इसे संभालना ही भारी नजर आ रहा है। जिस जगह पर मशीन के बाक्स रखे हुए हैं, वहां भी छत से पानी चू रहा है, लेकिन जिम्मेदारों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। पहले उम्मीद की जा रही थी कि कैंसर मरीजों को मशीन की सुविधा का लाभ साल के अंत तक मिल जाएगा, लेकिन अब मार्च 2027 तक ही आम लोगों को इसका लाभ मिल सकेगा।

फंड की कमी से काम की रफ्तार हुई धीमी

लीनियर एक्सेलेरेटर मशीन के इंस्टालेशन के लिए जारी कार्य की रफ्तार फंड की वजह से भी धीमी हो गई है। निर्माण कार्य कर रही पीआइयू को विभाग से मिलने वाले 17 करोड़ के बकाया का इंतजार है। लीनियर एक्सेलेरेटर मशीन संचालन के लिए ट्रांसफार्मर भी लगना है, जिसके लिए एमपीईबी को 36 लाख रुपये देना है, लेकिन पीआईयू द्वारा फंड न होने से ये काम भी अब तक अटका हुआ है।

युवाओं में बढ़ रहे साइलेंट अटैक के मामले, नहीं दिखते पहले से कोई लक्षण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मानसून अब समाप्त होने वाला है। जल्द ही सर्दी शुरू होगी और मौसम बदलने के साथ कई बीमारियां दस्तक देना शुरू कर देती हैं। मौसमी बीमारियों से बचने के लिए विशेष सावधानी रखना जरूरी है। उज्जैन में हाल ही के वर्षों में कम उम्र के युवाओं से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक में साइलेंट हार्ट अटैक से मौत के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें कुछ प्रमुख घटनाएँ निम्नलिखित हैं। महाकाल मंदिर के पुरोहित समिति के अध्यक्ष 63 वर्षीय अशोक शर्मा को महाकाल मंदिर जाते समय साइलेंट अटैक आया था। वे रास्ते में एक दुकान के बाहर बैठे और गश खाकर गिर पड़े, जिसके बाद अस्पताल ले जाने पर उनकी मृत्यु हो गई। इसी प्रकार उज्जैन के युवा कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव अमित शर्मा का 39 वर्ष की उम्र में साइलेंट हार्ट अटैक से निधन हो गया था। घर पर अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, वहीं महाकाल मंदिर में भस्म आरती के दौरान गेट नंबर 1 पर अचानक एक श्रद्धालु सौरभराज सोनी को दिल का दौरा पड़ा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह सभी मामले साइलेंट अटैक से जुड़े हुए हैं। अचानक दिल का दौरा आने से युवा वर्ग भी मौत का शिकार बन रहा है।

रीगल से गांधी हॉल के बीच बनेंगे तीन-तीन लेन के दो रेलवे ओवरब्रिज

इंदौर के शास्त्री ब्रिज के समानांतर पहले बनेगा नया ब्रिज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

रीगल से गांधी हॉल के बीच मौजूदा शास्त्री बिज के स्थान पर तीन-तीन लेन के दो अलग-अलग रेलवे ओवर ब्रिज बनाए जाएंगे। पूर्व में जहां शास्त्री ब्रिज को हटाकर उसके स्थान पर एक ही ब्रिज बनाकर उस पर से वाहनों की आने-जाने की व्यवस्था करने की बात कही जा रही थी। अब रेलवे द्वारा मौजूदा शास्त्री ब्रिज के समानांतर ही दूसरा ब्रिज बनाने की योजना बनाई जा रही है।

यह ब्रिज शास्त्री ब्रिज के समानांतर बनेगा। रीगल की ओर जज बंगलों के पास से होकर यह गांधी हॉल परिसर में उतरेगा। इन दोनों ब्रिजों के निर्माण का जिम्मा इंदौर विकास प्राधिकरण को दिया जाएगा। फिलहाल रेलवे के अफसरों द्वारा आईडीए को इसके लिए प्रस्ताव दिया गया है। गुरुवार को इस संबंध में सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में आईडीए व रेलवे के अफसरों की बैठक हुई। बैठक में तय हुआ कि सिंहस्थ तक मौजूदा शास्त्री ब्रिज के समानांतर रेलवे ओवर ब्रिज बनाया जाएगा। इसके बनने के बाद शास्त्री ब्रिज को तोड़कर नया ब्रिज बनाया जाएगा। दोनों ब्रिज की ऊंचाई मौजूदा शास्त्री ब्रिज से अधिक रहेगी।

रेलवे द्वारा अभी तक शास्त्री ब्रिज को तोड़कर नया ब्रिज बनाने पर 120 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना थी। अब शास्त्री ब्रिज के सामानांतर नया ब्रिज बनाने पर 50 से 55 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस तरह दोनों ब्रिज का निर्माण 175 करोड़ में हो सकेगा।

तीन-तीन लेन के होंगे दोनो ब्रिज

नई योजना के तहत शास्त्री ब्रिज के स्थान पर बनाए जाने वाला ब्रिज तीन लेन का होगा और उसके समानांतर बनने वाला ब्रिज भी तीन लेन का होगा। पूर्व में बनने वाले ब्रिज पर जगह कम होने के कारण पैदल चलने वालों के लिए अलग से फुटओवर ब्रिज बनाने की योजना थी। अब वो फुटओवर ब्रिज नहीं बनेगा और दोनों ब्रिज पर फुटपाथ का निर्माण किया जा सकेगा। शास्त्री ब्रिज के स्थान पर बनने वाले ब्रिज की चौड़ाई 10.3 मीटर होगी। वही इसके समानांतर बनने वाले ब्रिज की चौड़ाई 9 से 9.30 मीटर होगी। जब दोनों ब्रिज तैयार हो जाएंगे तो आने व जाने के लिए अलग-अलग ब्रिज का उपयोग होगा।

दो से तीन माह में रेलवे बोर्ड से मिलेगी स्वीकृति- पूर्व में रेलवे ही शास्त्री ब्रिज को तोड़कर नया ब्रिज बनाने वाला था। इसके लिए बजट तय होने के साथ रेलवे बोर्ड से मंजूरी भी मिल गई थी। अब दूसरा समानांतर ब्रिज बनाने का निर्णय लिया गया और निर्माण का जिम्मा भी आईडीए को दिया जा रहा है। दोनों ब्रिज में रेलवे वाले हिस्से के कार्य का सुपरविजन रेलवे विभाग द्वारा किया जाएगा।

आईडीए दोनों ब्रिज का निर्माण करेगा- रेलवे दोनो ब्रिज के निर्माण की राशि आईडीए को देगा और आईडीए दोनों ब्रिज का निर्माण करेगा। ऐसे में नया ब्रिज बनाने के लिए अभी रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिलने में दो से तीन माह का समय लगेगा।

अब इंदौर में बैठकर ही अन्य जिलों की कर सकेंगे रजिस्ट्री

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्यप्रदेश में संपत्ति रजिस्ट्री की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। शासन ने पंजीयन अधिकारियों की क्षेत्रीय सीमा समाप्त कर दी है। इसके बाद अब प्रदेश के किसी भी जिले में स्थित अचल संपत्ति की रजिस्ट्री दूसरे जिले के उप पंजीयक कार्यालय से कराई जा सकेगी।

नई व्यवस्था 17 सितंबर से प्रदेश के सभी 55 जिलों में लागू होगी।यानी इंदौर में रहने वाले किसी व्यक्ति को यदि मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, नीमच या प्रदेश के किसी अन्य जिले में संपत्ति खरीदनी है, तो रजिस्ट्री के लिए संबंधित शहर जाने की जरूरत नहीं होगी। वह इंदौर के ही उप पंजीयक कार्यालय में जाकर रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कर सकेगा। नई व्यवस्था के तहत सम्पदा-2.0 पोर्टल पर स्लॉट बुक कर दूसरे जिले की संपत्ति की रजिस्ट्री कराई जा सकेगी। स्लॉट बुक होने के बाद संबंधित उप पंजीयक को दस्तावेजों की जांच और संपत्ति से जुड़ी जानकारी की पड़ताल के लिए छह दिन का समय मिलेगा। सब कुछ सही पाए जाने पर सातवें दिन रजिस्ट्री पूरी की जा सकेगी। इंदौर के वरिष्ठ पंजीयक अमरेश नायडू ने व्यवस्था की पुष्टि करते हुए बताया कि पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के अधिकारियों की क्षेत्रीय अधिकारिता अब प्रदेश के सभी उप जिलों तक बढ़ा दी गई है। इसके लिए शासन की ओर से गजट नोटिफिकेशन भी जारी किया जा चुका है।

कंठाल चौराहा से गोपाल मंदिर तक 15 मीटर मार्ग चौड़ा करने को लेकर हाईकोर्ट की इंदौर बेंच से याचिकाएं खारिज होने के बाद

उज्जैन में शाही मस्जिद का बाधक हिस्सा हटाए जाने की तैयारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

कंठाल चौराहा से गोपाल मंदिर तक 15 मीटर मार्ग चौड़ा करने को लेकर हाईकोर्ट की इंदौर बेंच से याचिकाएं खारिज होने के बाद नगर निगम- प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। न्यायालय से सड़क निर्माण का कानूनी रास्ता साफ होते ही निगम ने छत्री चौक स्थित शाही मस्जिद के बाधक हिस्से को हटाने की प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी हैं।

निगम अधिकारियों के अनुसार, मस्जिद कमेटी एवं प्रबंधकों को वैधानिक प्रक्रिया के तहत पूर्व में ही तीन चरणबद्ध नोटिस थमाए जा चुके हैं। एक सितंबर 2026 को जारी अंतिम आदेश की तय मियाद पूरी हो चुकी है। अब निगम प्रशासन ने मस्जिद प्रबंधकों को स्वतः बाधक निर्माण हटाने के लिए अंतिम अवसर दिया है। यदि तय समय में चिह्नित हिस्सा नहीं हटाया जाता है, तो निगम का अमला पुलिस और प्रशासनिक बल के सहयोग से उसे विधि अनुसार हटाने की कार्रवाई करेगा।

मास्टर प्लान की जद में आने वाला हिस्सा ही हटेगा

नगर निगम के लीगल और रिमूवल अमले ने स्पष्ट किया है कि कार्रवाई केवल उसी हिस्से पर केंद्रित होगी, जो मास्टर प्लान 2035 के तहत तय 15 मीटर रोड लाइन में बाधा उत्पन्न कर रहा है। स्पष्ट किया गया है कि मस्जिद का मुख्य ढांचा सुरक्षित रहेगा, केवल सड़क सीमा में आ रहा लगभग 10 प्रतिशत से भी कम बाधक हिस्सा हटाया जाएगा। संपत्ति क्षति के एवज में निगम की टीडीआर (ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स) या एफएआर नीति के तहत क्षतिपूर्ति/मुआवजा लेने का विकल्प वक्फ कमेटी के पास उपलब्ध रहेगा।

प्रशासनिक दृष्टिकोण : सिंहस्थ 2028 और राजसी सवारी की सुरक्षा सर्वोपरि

यह मार्ग गोपाल मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर और शिप्रा तट को जोड़ने वाला अत्यंत संवेदनशील महाकाल की राजसी सवारी और पेशवाई का मुख्य मार्ग है। वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ और त्योहारों के दौरान यहाँ रोजाना लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं की आवाजाही होती है। संकरे मार्ग के कारण बनने वाली भगदड़ और यातायात जाम की स्थिति को स्थायी रूप से खत्म करने के लिए इस मार्ग का 15 मीटर चौड़ा होना बेहद अनिवार्य है।

वैधानिक प्रक्रिया का पालन

नगर निगम ने धारा 305 के तहत नियमानुसार 3 चरणबद्ध नोटिस देकर प्राकृतिक न्याय का पूरा पालन किया है।

न्यूनतम क्षति व मुआवजा : निर्माण का 10 प्रतिशत से कम हिस्सा प्रभावित हो रहा है, जिसके बदले टीडीआर/एफएआर नीति के तहत मुआवजे का प्रावधान है।

प्रमुख पड़ाव

- **चरणबद्ध वैधानिक नोटिस :** निगम ने मप्र नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 की धारा 305 के तहत 14 अगस्त, 25 अगस्त और 27 अगस्त को नोटिस दिए थे।
- **1 सितंबर को अंतिम आदेश :** आपत्तियों के निस्तारण के बाद 1 सितंबर 2026 को अंतिम आदेश तामील कराया गया, जिसकी समय-सीमा अब पूरी हो चुकी है।
- **हाईकोर्ट का रुख :** जस्टिस संदीप एन. भट्ट की पीठ ने स्पष्ट कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा के आगे निजी या धार्मिक दावे सीमित हैं।
- **निष्पक्ष कार्रवाई का रिकॉर्ड :** शहर में चौड़ीकरण के तहत 80 धार्मिक ढांचों पर निष्पक्ष कार्रवाई हुई है।
- **अब अगली कार्रवाई :** नोटिस की मियाद पूरी होने के बाद अब निगम प्रशासन पुलिस बल के साथ चिन्हित हिस्से को हटाने का काम शुरू करेगा।
- **जनहित सर्वोपरि :** करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सिंहस्थ 2028 के सुगम यातायात प्रबंधन के आगे व्यक्तिगत या संस्थागत दावे सीमित हैं।
- **अनुच्छेद 25 का दायरा :** धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार किसी विशेष स्थान या भूमि के अधिग्रहण को रोकने का आधार नहीं बनता।
- **निष्पक्ष कार्रवाई :** शहर में 80 से अधिक और इसी मार्ग पर 10 मंदिरों समेत 11 धार्मिक ढांचों पर निष्पक्ष कार्रवाई हुई है, अतः कोई भेदभाव नहीं हुआ।

न्यूज कालम

पूरा सावन बीता, नदियों-तालाबों में नहीं आया पर्याप्त पानी

टांडा(धार)। वषार्काल के दो माह बीतने के बाद भी टांडा क्षेत्र की नदियों और तालाबों में पर्याप्त पानी नहीं आया है। पूरा सावन माह भी बीत चुका है, लेकिन इस बार क्षेत्र में अब तक अच्छी और लगातार बारिश नहीं होने से जलस्रोत खाली नजर आ रहे हैं। बीच-बीच में हुई रिमझिम बारिश से फसलों को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन नदियों में अब तक इतना पानी नहीं आया कि वे उफान पर आ सकें। सावन के बाद क्षेत्र की कई नदियां और नाले उफान पर आ जाते हैं तथा तालाब भी लबालब भरने लगते हैं। इस बार आधा भादव बिट चुका है और स्थिति इसके उलट है। अल्प वर्षा के कारण नदियों में केवल बहाव भर का पानी ही दिखाई दे रहा है। वहीं तालाबों में भी पर्याप्त जलभराव नहीं हो पाया है। पिछले करीब 15 दिनों से बारिश की खेंच ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कल हल्की बूंदाबांदी जरूर हुई। वही वर्तमान में अधिकांश किसानों की फसलें अच्छी स्थिति में बताई जा रही हैं, लेकिन लगातार बारिश नहीं होने से फसलों पर संकट मंडराने लगा है। खेतों में नमी कम होने के कारण फसलें मुरझाने लगती हैं। बीच में थोड़ी बारिश होने पर किसानों को राहत मिलती है, लेकिन बारिश की अनिश्चितता के चलते उनकी चिंता पूरी तरह दूर नहीं हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों के उत्पादन पर पड़ सकता है। क्षेत्र में इस समय सोयाबीन, मक्का ,कपास सहित अन्य खरीफ फसलें खेतों में खड़ी हैं और इन्हें समय पर बारिश की जरूरत है।

लाड़वी में सामुदायिक भवन का भूमिपूजन जनजाति बस्ती के परिवारों को मिलेगी सुविधा

मंडलेश्वर। विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत लाड़वी के दशहरा मैदान स्थित अनुसूचित जनजाति बस्ती के परिवारजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाएगा। सामुदायिक भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश्वर विधानसभा के सनातनी विधायक राजकुमार मेव ने विधिवत भूमिपूजन किया । इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणजनों ने विकास कार्य को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की।भूमिपूजन कार्यक्रम में महेश्वर भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल, उपाध्यक्ष महादेव पाटीदार, ग्राम पंचायत लाडवी सरपंच रतन सिंह रंधावा, दिनेश यादव, गबरू यादव, संजय यादव सहित समस्त जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान विधायक राजकुमार मेव ने कहा कि सामुदायिक भवन बनने से अनुसूचित जनजाति बस्ती के परिवारों को विभिन्न सामाजिक एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। इससे ग्रामीणों को कार्यक्रम आयोजित करने में सहूलियत मिलेगी और क्षेत्र में सामुदायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।भाजपा की डबल इंजन सरकार जनजाति भाई-बहनों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संकल्पित है। गांव-गांव में सड़क, पानी, बिजली, आवास सहित मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही सामुदायिक विकास को भी प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की सुविधाएं पहुंचाना है।सामुदायिक भवन के भूमिपूजन से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा। ग्रामीणों ने विकास कार्य के लिए भाजपा विधायक राजकुमार मेव प्रति आभार व्यक्त किया।

धर्म वही, जो आत्मा को दुर्गति से बचाकर सद्गति की ओर ले जाए

सनावद। श्वेतांबर जैन समाज के पर्युषण पर्व के चौथे दिन धर्मसभा में धर्म के वास्तविक स्वरूप और वस्तु के स्वभाव पर विस्तार से चिंतन हुआ। स्वाध्यायी सुरेंद्र तांतेड़ ने कहा कि च्दया धर्म का मूल है, जहां दया नहीं, वहां धर्म नहीं।ज्ज उन्होंने समझाया कि जो मार्ग आत्मा को दुर्गति से बचाकर सद्गति की ओर ले जाए, वही धर्म है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वस्तु का अपना स्वभाव होता है और वही उसका धर्म है। अग्नि की पहचान उसकी उष्णता से और जल की शीतलता से होती है। इसे समझाने के लिए उन्होंने खेत का उदाहरण देते हुए बताया कि एक ही भूमि, समान वर्षा, सूर्यप्रकाश और जलवायु मिलने के बावजूद करेला कड़वा, आम मीठा और आंवला खट्टा होता है। इसका कारण उनके बीजों का अलग-अलग स्वभाव है। वस्तु अपने स्वभाव के अनुरूप ही विकसित होती है। धर्मसभा में स्वाध्यायी सुरेंद्र पितलिया ने अंतकृत दशांग सूत्र (अंतगड़ सूत्र) के पर्युषण पर्व के चौथे दिन के भाग का वाचन किया। इसमें उन 90 भव्य आत्माओं का वर्णन है, जिन्होंने तप, संयम और संथारा के माध्यम से अपने कर्मों तथा संसार में बार-बार होने वाले भ्रमण का अंत कर उसी भव में मोक्ष प्राप्त किया। इन प्रसंगों को आठ वर्गों में विभाजित कर विस्तार से बताया गया। मीडिया प्रभारी भूपेंद्र लाठिया ने बताया कि स्वाध्यायी सुरेंद्र पितलिया द्वारा किए जा रहे तेले (तीन उपवास) सहित अन्य तपस्वियों की तपस्या की श्रीसंघ ने अनुमोदना की।

मध्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम के तहत गठित समिति की हुई बैठक

बड़वानी ।कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में मध्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 17 क (1) के अंतर्गत गठित समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में बड़वानी विधायक श्री राजन मंडलोई, गणमान्यजन श्री महेंद्र कुलकर्णी, ग्राम पंचायत बड़गांव एवं बड़वानी खुर्द के सरपंच एवं मध्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिकारी, बड़वानी सीएमओ श्रीमती सोनाली शर्मा भी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि नगर तथा ग्राम निवेश विकास समिति शहरों के विकास से संबंधित योजना बनाती है। आयोजित बैठक में विकास कार्य के संबंध में जो भी आपत्तियां शहर वासियों के द्वारा दर्ज हुई है, उन सभी आपत्तियों की सुनवाई समिति के समक्ष की गई। सुनवाई के दौरान आपत्तिकर्ता ने स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति के बारे में बताया।

लोक सेवक के रूप में मोदी के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बूथ स्तर पर होंगे कार्यक्रम

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ जावरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसेवक के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जाएगा।

17 सितंबर की शाम को प्रत्येक बूथ पर परिवारों एवं लाभार्थियों के घर दीप प्रज्वलन हो। जनसेवा के 25 वर्षों के प्रति आभार और विकसित भारत 2047 का संकल्प लिया जाए।

सरकारी एवं निजी विद्यालयों में सेवा कार्यों और विकसित भारत विषय पर चित्रकला व भाषण प्रतियोगिताएं हों। चयनित चित्रों की प्रदर्शनी लगाकर बच्चों व अभिभावकों की सहभागिता हो।

?केंद्रीय स्तर से प्राप्त पटकथा एवं सामग्री पर आधारित 25-30 मिनट की नुक्कड़ नाट्य प्रस्तुति हो। स्थानीय नाट्य टोलियों के माध्यम से जनसेवा की गाथा गाँवों व सार्वजनिक स्थलों तक पहुँचे।

25 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच आंगनवाड़ी केंद्रों पर मातृ-संवाद एवं पोषण योजनाओं की जानकारी दी जाए। आंगनवाड़ी व आशा कार्यकताओं तथा सहायिकाओं का सम्मान हो। हर शक्ति केंद्र से योजनाओं के लाभार्थियों की कम-से-कम १० वास्तविक कहानियाँ वीडियो रील में संकलित हों। इन्फ्लुएंसर्स एवं डिजिटल रचनाकारों को चयनित परिवर्तनकारी परियोजनाओं का भ्रमण कराया जाए। गाँव एवं जिला स्तर पर अलग-अलग दिशाओं से पदयात्रा व बाइक समूह निर्धारित स्थान पर एकत्र हों नगर मण्डल की बैठक मे जिला महांमत्री महेश सोनी एवं प्रदेश भाजपा द्वारा निर्देश की समस्त जानकारी नगर मंडल अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कार्यक्रम की जानकारी देते मंडल स्तरीय कार्यक्रमो के लिए प्रभारी नियुक्त किए गए। प्रमोद रावल अनिल धारीवाल घनश्याम सोलंकी अजय सिंह भाटी अजय सकलेचा वीरेंद्र सिंह चौहान मनोहर पांचाल रजत सोनी संदीप राजा आदि को मनोनीत किया गया।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत ग्राम पंचायत नरवाली में शिविर आयोजित किया

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ टांडा

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत बाग के ग्राम पंचायत नरवाली में शुक्रवार को शिविर का आयोजन किया गया। यह अभियान जनवरी 2027 के शुरूआत तक चलेगा। अभियान का उद्देश्य च्संवाद से समाधान, विश्वास से विकासज्ज की भावना के साथ ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करना है। शिविर में जनपद पंचायत बाग के सीईओ विष्णु कुमार गुप्ता, ,बीईओ देवीसिंह बघेल, बीआरसी धर्मेंद्र ठाकुर एवं नरवाली सरपंच फूंदाबाई ठाकुरसिंह डावर, सचिव ठाकुरसिंह अनारे , सहायक सचिव डोंगरसिंह अलावा, जनप्रतिनिधि सुनील डावर सहित संबंधित अधिकारी,कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिविर में ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों को सुना गया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा उनके निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी भी दी गई। जनपद सीईओ विष्णु गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि नरवाली में आयोजित शिविर में कुल 12 पंचायतों के ग्रामीण अपनी समस्याएं एवं आवेदन लेकर पहुंचे। शिविर में पंचायत ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, महिला बाल विकास विभाग,स्वास्थ्य विभाग,आयुष विभाग, राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। इसमे कुल 61 आवेदन आए। जिनमे 42 आवेदन का तत्काल निराकरण किया गया। शेष 19 आवेदन के लिए आश्वाशन दिया गया।

सीईओ गुप्ता ने बताया कि अधिकारियों द्वारा नरवाली उपस्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण भी किया गया। जहाँ जल्द ही डॉक्टर की नई पदस्थापना के लिये उच्च अधिकारियों को संज्ञान दिलाया। आंगनवाड़ी के निरीक्षण के दौरान बच्चो की उपस्थिति कम पाई गई।

निंबोला थाना प्रभारी लाइन अटैच, नावरा चौकी प्रभारी को मिला प्रभार

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ बुरहानपुर

निंबोला थाने में युवकों से मारपीट के आरोप वाले मामले में पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। कार्रवाई के साथ ही निंबोला थाने की कमान भी बदल दी गई है। एसपी आशुतोष बागरी ने बताया कि निंबोला टीआई राहुल कांबले और प्रधान आरक्षक मातादीन कुशवाह को लाइन अटैच कर पुलिस लाइन भेज दिया गया है।

वहीं नावरा चौकी प्रभारी अजय सिंह चौहान को निंबोला थाना प्रभारी का प्रभार सौंपा गया है। पूरे घटनाक्रम में सबसे गंभीर पहलू युवकों का यह आरोप है कि उन्होंने विवाद के बाद मदद के लिए डायल-112 को फोन किया था, लेकिन बाद में उन्हें ही थाने ले जाया गया और वहां मारपीट की गई। हालांकि इन आरोपों का पुलिस की ओर से खंडन भी किया गया था। अब वरिष्ठ अधिकारियों की जांच के बाद टीआई और प्रधान आरक्षक को लाइन अटैच किए जाने से मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। फिलहाल यह कार्रवाई विभागीय प्रशासनिक कार्रवाई है। युवकों द्वारा लगाए गए आरोपों में आगे कोई आपराधिक या अन्य विभागीय कार्रवाई होती है या नहीं, इस पर नजर रहेगी।

विश्व हिंदू परिषद की प्राण शक्ति सत्संग में है- महेंद्र वेदक

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ जावरा

विश्व हिंदू परिषद विभाग का "सत्संग वर्ग" एक रिसॉर्ट्स में संपन्न हुआ। सत्संग वर्ग में सर्वप्रथम भारत माता, राम दरबार चित्र पर माल्यार्पण कर वर्ग प्रारंभ किया गया। केंद्रीय सह सत्संग प्रमुख महेंद्र वेदन ने कार्यकर्ताओं को बताया कि विश्व हिंदू परिषद की प्राण शक्ति सत्संग में है। विश्व हिंदू परिषद की कार्य पद्धति का आधार सत्संग है। विश्व हिंदू परिषद का सत्संग सभी आयामों से जुड़ा हुआ है। विश्व हिंदू परिषद का सत्संग देव भक्ति से देश भक्ति के जागरण का कार्य करता है। इसीलिए यह अन्य सत्संग से अलग है।

प्रान्त संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव ने कार्यकर्ताओं से कहा की 52 सप्ताह चलने वाला सत्संग ऊजार्वान एवं उत्साहवान हो इसके लिए सत्संग वर्ग लगाना अनिवार्य है। एक कार्यकर्ता एक सत्संग, जहां समिति वहां सत्संग, पर जोर देते हुए कुटुंब सत्संग व्यवस्था प्रारंभ करनी होगी।

एक दिवसीय वर्ग में प्रांत सह मंत्री महेश आंजना, प्रांत सह सत्संग प्रमुख सौरभ चतुर्वेदी, प्रांत सेवा प्रमुख आशुतोष शेखावत, विभाग मंत्री पवन बंजारा, विभाग संयोजक राजाराम ओहरी, विभाग सहसंयोजक राधेश्याम अंजना, विभाग सहसंयोजक बंटी शर्मा, विभाग सहसंयोजक राहुल सोनी, विभाग गोरक्षा प्रमुख नटवर राव, विभाग सामाजिक समरसता प्रमुख रवि निन्दाने, विभाग धर्म प्रसाद प्रमुख डॉक्टर जितेंद्र , जावरा जिला अध्यक्ष नंदराम पाटीदार, रतलाम जिला अध्यक्ष जयंतीलाल पाटीदार जिला मंत्री तूफान सिंह यादव, विश्व हिंदू परिषद के जिला, प्रखंड और खंड के कार्यकर्ता वर्ग में उपस्थित रहे।

आज शहर में बंद रहेगी विद्युत सप्लाय

बड़वानी । मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कनिष्ठ यंत्री ने बताया कि विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है 12 सितम्बर शनिवार को समय प्रातः 8 बजे से प्रातः 11 बजे तक 11 के.व्ही. एमजी रोड़ फिडर पर मेंटेनेंस का कार्य किया जावेगा। जिस कारण से रणजीत क्लब, कारंजा चौक, मोटी माता चौक, यूनिटी एक्सरे, सीरवी मोहल्ला, पोस्ट मार्डम रूम, साकेत रेसीडेंसी, पाटीनाका, मिर्ची मोहल्ला, डॉ. पहाड़िया काम्प्लेक्स, चंचल चौराहा, पाला बाजार, नाई मोहल्ला, जैन मंदिर, लक्ष्मी टाकिज के क्षेत्र में विद्युत प्रदाय बाधित रहेगा।

13 मांगों को लेकर 15 सितंबर को सनावद में जुटेंगे किसान, मंडी में गूंजेगा आक्रोश

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ सनावद

किसानों की विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ 15 सितंबर को सनावद में किसान आक्रोश रैली एवं आंदोलन करेगा। सुबह 11 बजे कृषि उपज मंडी में होने वाले इस आंदोलन में तहसील क्षेत्र के किसान बड़ी संख्या में जुटकर अपनी मांगों को प्रशासन एवं सरकार तक पहुंचाएंगे।भारतीय किसान संघ ने बताया कि संगठन पिछले 49 वर्षों से किसानों के जनजागरण और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार काम कर रहा है। किसान संघ की प्रमुख मांगों में 1 अक्टूबर से सीसीआई द्वारा कपास खरीदी शुरू करना, कृषि क्षेत्र की बिजली व्यवस्था दुरुस्त करना, मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना दोबारा शुरू करना, सिंचाई के लिए दिन में लगातार 12 घंटे बिजली देना और क्षतिग्रस्त नहरों की तत्काल मरम्मत एवं सफाई शामिल हैं। इसके अलावा रासायनिक खाद की वितरण व्यवस्था सरल करना,सोयाबीन और तुअर सहित अन्य फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग की गई है। किसान संघ ने यह भी मांग रखी है कि किसान की सहमति के बिना कृषि भूमि पर बिजली के खंभे एवं तार नहीं लगाए जाएं। खंभा लगाए जाने की स्थिति में प्रति खंभा 10 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए।

कक्षा चौथी के विद्यार्थियों ने अभिनय के माध्यम से समझाया संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण का महत्व

बड़वानी । पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बड़वानी में प्राचार्य श्री कुंदन राठौर के मार्गदर्शन में हिंदी माह उत्सव के अंतर्गत निरंतर नई और प्रेरणादायी साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज विद्यालय के प्राथमिक विभाग के कक्षा चौथी के विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से हिंदी व्याकरण, भाषा का आधार, विषय पर एक अत्यंत रोचक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक नाट्य प्रस्तुति दी गई। इस नाट्य मंचन की विशेष बात यह रही कि इसमें कक्षा चौथी के विद्यार्थियों ने अत्यधिक उत्साह के साथ बड़ी संख्या (अधिकतम सहभागिता) में भाग लिया। नन्हे-मुन्नों ने रंगमंचीय विधा के माध्यम से हिंदी व्याकरण के क्लिष्ट नियमों को अत्यंत सरल और सहज बनाकर प्रस्तुत किया। इस रोचक क्रियाकलाप के सूत्रधार भी चौथी के छात्र समर्थ व्यास थे . नाट्य रूपांतरण के दौरान छात्रों ने व्याकरण के प्रमुख अंगों, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग एवं वचन के पात्र बनकर उनके लक्षण (परिभाषाएं) तथा दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरण बड़े ही संगीतमय और नाटकीय अंदाज में प्रस्तुत किए। इस अभिनव प्रयास ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति नीरसता को दूर कर कौतुक, संवेदनशीलता एवं नई जागृति का संचार किया।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत प्रभारी मंत्री ने किया जिला अस्पताल बड़वानी का औचक निरीक्षण

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ बड़वानी

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जिले के दौरे पर आए प्रभारी मंत्री डॉ गौतम टेटवाल ने जिला चिकित्सालय बड़वानी पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी मंत्री सर्वप्रथम ओपीडी में गए एवं वहां पर जाकर उन्होंने मरीज से लिए जाने वाले शुल्क के संबंध में जानकारी प्राप्त की । इस दौरान सिविल सर्जन डॉ मनोज खन्ना ने उन्हें बताया कि आयुष्मान एवं बीपीएल मरीजों की निशुल्क पर्ची बनाई जाती है। अन्य मरीजों से 10 रुपए शुल्क लिया जाता है । वहीं भर्ती होने पर आयुष्मान एवं बीपीएल के मरीज निशुल्क भर्ती होते हैं तथा अन्य मरीजों से 50 रुपए शुल्क लिया जाता है। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने पैथोलॉजी लैब, ब्लड बैंक, डॉक्टर्स चैंबर, आयुष्मान कक्ष एवं वार्डो का भी निरीक्षण किया। बच्चों के वार्ड के निरीक्षण के दौरान सिकल सेल की बीमारी से ग्रसित एक बच्चा भर्ती होना पाया गया। उन्होंने बच्चे की विशेष देखभाल एवं खानपान के संबंध में भी परिजनों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री जब आयुष्मान कक्ष का निरीक्षण कर रहे थे उस दौरान उपस्थित एक मरीज के परिजन से उन्होंने यह जानकारी ली की आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उनका उपचार निशुल्क हुआ या किसी प्रकार का कोई शुल्क लगा ।

महेश्वर में 8 करोड़ की लागत से बनेंगे सौ-सौ सीटर बालक-बालिका छात्रावास

महेश्वर। आदिवासी अंचल के बालक एवं बालिकाओं की आवासीय समस्या को ध्यान में रखते हुए महेश्वर में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सौगात मिलने जा रही है। शासकीय सांदीपनि विद्यालय महेश्वर में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा 100 सीटर बालक छात्रावास एवं 100 सीटर बालिका छात्रावास भवन का निर्माण किया जाएगा। दोनों छात्रावास भवनों की लागत 4-4 करोड़ रुपये, यानी कुल 8 करोड़ रुपये है।इन छात्रावास भवनों के निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन महेश्वर विधानसभा के सनातनी विधायक राजकुमार मेव के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर विधायक राजकुमार मेव ने बालक एवं बालिकाओं को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि छात्रावास भवनों के निर्माण से दूरदराज के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। इससे विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में भी सुविधा मिलेगी।

कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल, महादेव पाटीदार, दयाराम मुवेल, दिनेश यादव, विकासखंड अधिकारी रामलाल चौहान, विकासखंड समन्वयक अधिकारी मनीष डोंगरे, प्राचार्य बिरजू गुप्ता, शासकीय सांदीपनि विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अहिल्याबाई माताश्री की पुण्यतिथि शहर में 7 दिवसीय महोत्सव के रुप में मनाई

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ खरगोन

पुण्य श्लोका देवीश्री अहिल्याबाई माताश्री की 231वीं पुण्यतिथि शहर में 7 दिवसीय महोत्सव के रुप में मनाई गई। महोत्सव के निमित्त गुरुवार को शहर में भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। अहिल्या उत्सव कमेटी ने दोपहर 4 बजे उत्कृष्ट स्कूल परिसर में फूलों से सुसज्जित पालकी में अहिल्याजी की प्रतिमा को विराजित कर पूजन-अर्चन किया।

विधायक बालकृष्ण पाटीदार, नगरपालिका अध्यक्ष छाया जोशी, आयोजन समिति अध्यक्ष अनिल कोंकणे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोपानराव पंवार आदि ने पालकी को अपने कांधे पर उठाकर यात्रा की शुरूआत की। अहिल्या मां अमर रहे, राजमाता अहिल्याबाई की जय के जयकारों के निकली यात्रा में बड़ी संख्या में मातोश्री के अनुयायी, आयोजन समिति के सदस्य, एनसीसी कैडेट्स एवं स्कूली छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

विधायक श्री पाटीदार ने कहा कि लोकमाता अहिल्यादेवी का संपूर्ण जीवन धर्म, सेवा, न्याय और जनकल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने अपने शासनकाल में मंदिरों, घाटों, कुओं, बावडि?ों एवं धर्मशालाओं का निर्माण करवाकर जनसेवा की ऐसी अमिट मिसाल स्थापित की, जो आज भी समाज को सेवा और परोपकार की प्रेरणा देती है।

समिति अध्यक्ष श्री कोकणे ने बताया पालकी यात्रा का उद्देश्य मातोश्री के कार्यों, उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और उनके जनसरोकार, सामाजिक उत्थान के कार्यो के प्रति आदरांजलि अर्पित करना है। में निकली अहिल्याबाई के रास्तेभर श्रद्धालूओं ने दर्शन कर पूजन-अर्चन के बाद मां अहिल्या से आशीर्वाद लिया।

फिर लौटे अनंत चतुर्दशी की रात वो झांकी वाले कारवां

सनावद। कभी अनंत चतुर्दशी की रात सनावद की सड़कों पर निकलने वाली चलित झांकियां शहर की पहचान हुआ करती थीं। रात बढ़ती जाती थी, लेकिन सड़कों पर लोगों की भीड़ कम नहीं होती थी। धार्मिक और सामाजिक प्रसंगों से सजी झांकियों का कारवां देर रात तक शहर में घूमता था। अब इसी पुरानी याद को फिर से जीवंत करने की मांग उठी है। वार्ड क्रमांक 17 की पार्षद दुर्गा सुनील माली ने नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र लिखकर अनंत चतुर्दशी पर नगर पालिका की ओर से भव्य चलित झांकी निकालने की मांग की है। पार्षद ने पत्र में बताया कि सनावद में दस दिवसीय गणेशोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। पूर्व में अनंत चतुर्दशी पर नगर पालिका के साथ अवंति सूत मिल द्वारा भी आकर्षक चलित झांकियां तैयार की जाती थीं। झांकियों का कारवां निकलते ही शहर की सड़कों पर उत्सव का माहौल बन जाता था। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग देर रात तक झांकियां देखने के लिए सड़कों पर मौजूद रहते थे। सिर्फ झांकी नहीं, शहर की सांस्कृतिक पहचान थी। पार्षद ने कहा कि चलित झांकियां महज धार्मिक आयोजन नहीं थीं, बल्कि यह सनावद की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा थीं। इनके माध्यम से लोगों को धार्मिक एवं सामाजिक संदेश भी मिलते थे और पूरे शहर में सामूहिक उत्साह का वातावरण बनता था।

मिट्टी के गणेशजी बैठने के लिए प्रेरित कर रहे है स्कूली विधार्थियो को

खंडवा। रोटरी क्लब जन सरोकार के लिए हमेशा काम आया है. वर्तमान में मिट्टी के गणेशजी की स्थापना हो इसके लिए रोटरी क्लब लगातार स्कूलों में जाकर विधार्थियो को गणेशजी बनाने का प्रशिक्षण दे रहे है. इस कड़ी में शासकीय माध्यमिक शाला बेड़ियांव में रोटरी क्लब खंडवा के माध्यम से मिट्टी के गणेश निर्माण कार्यशाला सम्पन्न हुई. जिसमें रोटरी क्लब के पर्यावरण चेयर पर्सन मनोज जौहरी द्वारा शाला के बच्चों को गणेशजी की मिट्टी से छोटी मूर्ति बनाने का प्रशिक्षण दिया गया. इस दौरान बच्चों ने गणेशजी की मूर्ति बनाने में काफी दिलचस्पी दिखाई. रोटरी क्लब अध्यक्ष मनोज वर्मा मामाजी ने बताया कि पीओपी की मूर्ति पानी में घुलनशील नहीं है जिससे जल प्रदूषित होता है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता हैं मिट्टी के गणेश निर्मित कर घरो में स्थापना करनी चाहिए।

पश्चिम रेलवे
सामग्री प्रबंधन विभाग
विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति
ई-प्रोकयोरमेंट निविदा सूचना संख्या एस/53/2026 दिनांक 07.09.2026

क्र.सं.	निविदा सं.	आइटमों का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
422	30263166	एलिमेंट इंजन एयर फ़िल्टर (एकल-उपयोग बैग प्रकार)	698 नग	8-अक्टूबर-26
423	06261625	सेल्फ प्राइमिंग मोनो ब्लॉक पंप	1098 नग	5-अक्टूबर-26

शुद्धिपत्र
कृपया निविदा सूचना संख्याः एस/51/2026 दिनांकः 02.09.2026 के क्र. सं. 416 के लिए मात्रा '11700057 नग' पढ़ें
विस्तृत सूचना ईएमडी, खरीद प्रतिबंधों और विस्तृत निविदा शर्तो के संबंध में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in पर जाएं। 0572
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly

न्यूज -कॉलम

सुलियाखेड़ी में ऑटो-बाइक की भिड़ंत, 4 घायल

उज्जैन। कालियादेह महल के आगे ग्राम सुलियाखेडी में गरोठ रोड पर शुक्रवार शाम आटो और बाइक के बीच भिड़ंत हो गई। आटो चालक वसीम पिता अहमद नूर 30 साल निवासी हेलावाडी और उसका साथी मोहम्मद रफीक पिता गुलाम कादर 49 साल घायल हुये, दोनों को चरक अस्पताल लाया गया। बाइक पर 2 युवक सवार थे, जो डीबीएल कंपनी में काम करते है। दोनों को गंभीर चोंट होने पर निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। मामले में भैरवगढ़ पुलिस द्वारा चरक अस्पताल से सूचना मिलने पर घायलों के बयान दर्ज करने पहुंची थी, लेकिन बोलने की स्थिति में नहीं थे, निजी अस्पताल में भर्ती दोनों युवक भी बयान देने की स्थिति में नहीं थे। पुलिस ने हालत में सुधार होने पर घटनाक्रम की सही जानकारी सामने आने की बात कहीं है।

निगरानी रखकर दबोचा कच्ची शराब बेचने वालों को

उज्जैन। महिदपुर थाना पुलिस को ग्राम टांडा में 2 लोगों द्वारा हाथ भट्टी से बनी शराब बेचने की सूचना मिल रही थी। पूर्व में दबिश मारी तो उनके पास से शराब बरामद नहीं हुई थी, जिसके बाद से उनकी निगरानी की जा रही थी। मुखबीरों को अर्लट किया गया था, गुरूवार रात पुख्ता खबर मिलने के बाद थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने निरीक्षक अन्नपूर्णा कठेरिया, एसआई एनएस कनेश और टीम के साथ टांडा में दबिश मारी। आरोपी अम्बाराम पिता तोलाराम बागरी 45 साल को 5 लीटर कच्ची शराब के साथ पकडा गया। दूसरे आरोपी रमेश पिता रतनलाल बागरी 55 साल को ग्राम चौरवासा में खेत के पास से पकडा गया। उसके पास से 8 लीटर कच्ची जहरीली शराब बरामद की गई। दोनों के खिलाफ आबाकरी अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट जारी होने पर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। महिदपुर पुलिस द्वारा थाना प्रभारी पाटीदार के मार्गदर्शन में अवैध शराब को लेकर तहसील में चौपाल लगाकर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है और पूर्व में अवैध शराब के साथ पकडे गये आरोपियों को चैक किया जा रहा है।

पानी की निकासी को लेकर 2 परिवारों में विवाद

उज्जैन। उन्हेल थाना क्षेत्र के ग्राम आलोट जागीर में शौचालय के पानी की निकासी को लेकर 2 परिवारों के बीच विवाद हो गया। मामला गाली-गलौच से शुरू होकर मारपीट तक पहुंचा। दोनों ओर से पांच लोग घायल हो गये। उन्हेल पुलिस के अनुसार विवाद निर्भयसिंह आंजना पिता लक्ष्मण और राहुल पिता रामसिंह आंजना के बीच हुआ था। एक पक्ष से निर्भयसिंह और अभिषेक आंजना घायल हुये है। दूसरे पक्ष से राहुल उसका भाई सुरेश और बहन अन्नु पति तोलाराम को चोंट लगी है। मामले में क्रास प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है।

कबूतर चोरी करने से रोका तो मिली हत्या की धमकी

उज्जैन। तराना के ग्राम सुरजपुरा में रहने वाले रवि पिता मोहनलाल भाटी ने कबूतर पाल रखे है। दिनदहाडे गांव में रहने वाले बनेसिंह ने चोरी की नियत से एक कबूतर अपने जेब में छुपा लिया था। कबूतर चुराकर ले जा रहे बनेसिंह को देख रवि ने उसे रोका और कबूतर लौटाने की बात कहीं तो उसने कबूतर की गर्दन मोड दी और जान से मारने (हत्या) की धमकी देकर भाग निकला। रवि भाटी ने मामले की शिकायत तराना थाने पहुंचकर दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में आरोपी बनेसिंह के खिलाफ धारा 305 (क), 325, 351 (3) का प्रकरण दर्ज किया है।

पिकअप में भरे मिले 7 केड़े चालक हिरासत में

उज्जैन। पानबिहार चौकी पुलिस ने वध के लिये बोलेरो पिकअप में क्रमांक एमपी 04 जीबी 7426 में 7 केडे भरकर ले जाने की सूचना पर तुलाहे?ा टोल ट्रैक्स के आगे ग्राम भैरूखेडा गरोठ रोड पर नाकाबंदी की। पिकअप के आते ही उसे घेराबंदी कर पकडा गया। चौकी प्रभारी जयंत डामोर ने बताया कि पिकअप में क्रूरतापूर्वक भरे गये 7 केडो को मुक्त कराया गया और चालक को गिरफ्तार कर पिकअप जप्त की। चालक मुबारिक पिता सलीम खान निवासी ग्राम घौंसला का रहने वाला है। जिसके खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम और गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम का प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से जेल भेजा गया है।

दिन	780-5	289-9
मेन बाजार	238-3	246-2
कल्याण नाइट	458-7	158-4
मिलन डे	238-3	236-1
मिलन नाइट	179-7	257-4
मधुर डे	467-7	290-1
मधुर नाइट	459-8	144-9
शुभांक	5 1	7

पीआईयू इंदौर स्थानांतरित अधीक्षण यंत्री पर गंभीर आरोप, भोपाल से आए अधिकारी को बिना चार्ज लौटना पड़ा...

स्थानांतरण के बाद भी पद नहीं छोड़ा, चार्ज को लेकर विवाद

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

लोक निर्माण विभाग के उज्जैन संभाग में अधीक्षण यंत्री के स्थानांतरण के बाद भी पदभार नहीं छोड़ने को लेकर विवाद गहरा गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार उज्जैन से इंदौर पीआईयू में स्थानांतरित किए गए अधीक्षण यंत्री पटेल द्वारा अब तक कार्यमुक्त होकर नए पद पर ज्वाइन नहीं किए जाने से विभागीय व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थिति यह बनी कि भोपाल से नए अधीक्षण यंत्री के रूप में आए अधिकारी को भी कथित रूप से चार्ज नहीं मिल सका और उन्हें वापस भोपाल लौटना पड़ा।

मामले को लेकर विभाग के भीतर ही नहीं, बल्कि शासन स्तर पर भी सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि स्थानांतरण आदेश के बाद भी पदभार हस्तांतरण में टालमटोल की गई। यदि यह स्थिति सही है तो यह सवाल भी उठता है कि स्थानांतरण के बाद किसी अधिकारी को पदभार बनाए रखने का अधिकार किस स्तर से मिला और क्या इसके लिए शासन अथवा सक्षम अधिकारी से अनुमति ली गई थी।

जांच एजेंसियों की जांच का भी दावा

पटेल के कार्यकाल को लेकर भ्रष्टाचार के आरोप भी सामने आते रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण से जुड़ी विभिन्न जांच एजेंसियों में आधा दर्जन से अधिक प्रकरणों में जांच अथवा पत्राचार चल रहा है। इसके अलावा विभागीय स्तर पर भी कई शिकायतों और जांचों का उल्लेख किया जा रहा है। हालांकि इन सभी मामलों की वर्तमान स्थिति और उनमें लगे आरोपों की पुष्टि संबंधित विभाग एवं जांच एजेंसियों से होना बाकी है।

एसडीओ से अधीक्षण यंत्री तक के सफर पर सवाल- विभागीय हलकों में पटेल के पदोन्नति एवं पदस्थापना के सफर को लेकर भी चर्चाएं हैं। आरोप लगाने वालों का कहना है कि एसडीओ स्तर से कार्यपालन यंत्री और फिर अधीक्षण यंत्री के पद तक पहुंचने के दौरान उनके विरुद्ध लगातार शिकायतें और जांचें सामने आती रहीं, इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

चार्ज को लेकर आमने-सामने की स्थिति-सबसे बड़ा सवाल वर्तमान में चार्ज हस्तांतरण को लेकर खड़ा हुआ है। भोपाल से नए अधिकारी के आने के बावजूद यदि उन्हें पदभार नहीं दिया गया तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? क्या स्थानांतरित अधिकारी को पद पर बने रहने अथवा चार्ज रोकने की अनुमति शासन से प्राप्त थी? इन सवालों के जवाब विभागीय अधिकारियों के साथ शासन से भी मांगे जा सकते हैं।

न्यायालय जाने पर भी उठे सवाल

मामले में यह भी आरोप है कि विभागीय अनुमति अथवा निर्धारित प्रक्रिया के बिना न्यायालय की शरण ली गई। यदि ऐसा हुआ है तो यह भी जांच का विषय है कि न्यायालय में जाने से पहले विभागीय स्तर पर कौन-कौन सी प्रक्रियाएं पूरी की गई थीं और संबंधित अधिकारी को किस स्तर से अनुमति प्राप्त थी।

अब शासन स्तर पर शिकायत की तैयारी

लगातार सामने आ रहे आरोपों और चार्ज हस्तांतरण के विवाद के बीच पूरे मामले की शिकायत अब म.प्र. शासन के मुखिया तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। शिकायत में स्थानांतरण के बाद पदभार नहीं छोड़ने, नए अधिकारी को चार्ज नहीं दिए जाने, कथित विभागीय एवं भ्रष्टाचार संबंधी जांचों तथा न्यायालयीन प्रक्रिया से जुड़े बिंदुओं की निष्पक्ष जांच की मांग किए जाने की बात कही जा रही है। बहरहाल, मामले में लगाए जा रहे आरोपों की अंतिम पुष्टि संबंधित दस्तावेजों, विभागीय रिकॉर्ड और जांच एजेंसियों की रिपोर्ट से ही हो सकेगी। अब देखना यह है कि शासन इस पूरे प्रकरण में क्या रुख अपनाता है और स्थानांतरण के बावजूद चार्ज को लेकर बनी स्थिति का समाधान किस स्तर पर होता है।

अभियोजन स्वीकृति के पत्राचार का दावा

सूत्रों के अनुसार भ्रष्टाचार निवारण से जुड़ी जांच एजेंसियों द्वारा अभियोजन स्वीकृति को लेकर विभाग एवं शासन को लगातार पत्राचार किए जाने की बात सामने आ रही है। यदि जांच एजेंसियों ने वास्तव में अभियोजन स्वीकृति के लिए शासन को पत्र भेजे हैं तो इसकी स्थिति सार्वजनिक किए जाने की मांग भी उठ सकती है।

पत्नी करती रही कॉल, नींद से नहीं जागा पति

साइलेंट अटैक से मौत, पास में सोई थी 2 साल की बेटी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नाईट ड्युटी पर गई पत्नी ने पति को कॉल किया, पति नींद से नहीं जागा। सुबह पत्नी घर लौटी तो पति पलंग पर मृत मिला, पास में 2 साल की बेटी सो रही थी। आशंका जताई गई कि सायलेंट अटैक से मौत हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के खंडेलवाल नगर में रहने वाली मुस्कान पंवार निजी अस्पताल में काम करती है। गुरूवार को उसकी नाईट ड्युटी थी, रात 8 बजे वह अस्पताल चली गई थी। कुछ घंटे बाद उसने पति शुभम पंवार 32 साल को कॉल किया, पति ने मोबाइल नहीं उठाया, कई बार कॉल किये लेकिन पति नींद से नहीं जागा। सुबह मुस्कान ने पडोस में रहने वाले भूपेन्द्र को घर जाकर देखने के लिये कहा। पलंग पर शुभम मृत अवस्था में पडा था और 2 साल की बेटी अनिका सोई हुई थी। भूपेन्द्र तत्काल मुस्कान को बुलाया, पत्नी घर पहुंची तो पति का शरीर पूरी तरह से ठंडा हो चुका था, मामले की जानकारी पुलिस को मिली तो खंडेलवाल नगर पहुंची। आशंका जताई गई कि रात में साइलेंट अटैक आया था। मामला संदेहास्पद होने पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजा और मर्ग कायम किया। परिजनों ने बताया कि शुभम फायनेंस कंपनी में काम करता था, पिता जुगलकिशोर पंवार पूरे परिवार के साथ पैतृक गांव गोपाल सुनवानी विजयागंज मंडी में रहते है। शुभम कुछ साल पहले पत्नी और बेटी के साथ खंडेलवाल नगर में रहने आ गया था। चिमनगंज थाना एएसआई माधौसिंह लोधी के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने मौत का सही कारण सामने आ जायेगा।

किराये के मकान में मृत मिला होटलकर्मी

शुक्रवार शाम को किराये के मकान में रहने वाला होटलकर्मी भी मृत अवस्था में मिला। खाराकुआ एएसआई अजय माथुर ने बताया कि मृतक का नाम सुरेन्द्र पिता जगदीश बघेल 48 साल निवासी भिंड है। शाम को उसके अंकल के पुत्र रामवरण और होटल सतयुग के संचालक की सूचना पर पुलिस मृतक के मोदी की गली स्थित किराये के मकान पहुंची थी।

अंकल के पुत्र ने बताया कि वह अंवतिका गैस एजेंसी में काम करता है। सुरेन्द्र होटल सतयुग में उस्ताद था। सुबह 11 बजे से उसे कॉल कर रहा था। लेकिन मोबाइल रिसिव नहीं हो रहा था। आकर देखने पर बिस्तर पर मृत पडा मिला। पत्नी-बच्चे भिंड में रहते थे सुरेन्द्र चार साल से उज्जैन में रह रहा था। एएसआई माथुर के अनुसार घटनास्थल पूरी तरह से सामन्य था संभावना है कि हार्ट अटैक से उसकी मौत हुई है। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जायेगा। फिलहाल शव पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया है।

मृतक के पास मिली नेपाल की सिम और करंसी

ट्रेन से गिरने की शंका, परिजनों की तलाश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मक्सीरोड रेलवे ट्रेक पर पटरियों के पास शुक्रवार सुबह एक युवक की लाश मिली। लोगों की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंची थी। मृतक के पास पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला, टूटे मोबाइल में नेपाल की सीम और कवर में एक नोट मिला। युवक के ट्रेन से गिरने की शंका जताई गई है।

पंवासा थाना एएसआई सीताराम भूरिया ने बताया कि सुबह 10 बजे के लगभग मारूति परिसर केसरबाग कालोनी के पास से गुजर रही रेलवे पटरियों पर एक युवक की लाश पड़ी होने की सूचना लोगों द्वारा मिलने पर प्रधान आरक्षक अब्दुल रहीम के साथ घटनास्थल पहुंचे थे। मृतक पेंट-शर्ट पहना था और 25 से 28 वर्ष का प्रतीत हो रहा था। प्रारंभिक जांच में उसकी ट्रेन से गिरने पर मौत होने की जानकारी सामने आई। उसके पास पहचान का कोई दस्तावेज नहीं था, एक टूटा मोबाइल मिला, जिसमें नेपाल की करंसी का एक नोट कवर में लगा था। मोबाइल से सिम निकालने पर दूसरे मोबाइल में लगाई गई थी वह भी नेपाल की थी, चालू नहीं हो पाई। शव को पोस्टमार्टम कक्ष भेजा गया और मामले में मर्ग कायम किया गया है।

नेपाल के मजदूरों से किया संपर्क

एएसआई भूरिया ने बताया कि नेपाल की सिम और करंसी मिलने पर क्षेत्र की होटल-ढाबों में काम करने वाले मजदूरों से संपर्क किया, उनका कहना था कि यह मोबाइल सिम नेपाल में चलती है। उन्हे मृतक का फोटो दिखाया गया, लेकिन वह पहचान नहीं पाये। नेपाल के मजदूरों ने उनके ग्रुप में उक्त मृतक का फोटो शेयर किया है।

दुष्कर्म करने वाले ने अभिरक्षा से भागने का किया प्रयास

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शौच के लिये गई नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया और तस्दीक के लिये घटनास्थल लेकर पहुंची, आरोपी ने पुलिस अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया लेकिन उसे दबोच लिया गया।

जीवाजीगंज थाना प्रभारी प्रतीक शर्मा ने बताया कि 9 सितंबर को क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग ने परिजनों के साथ थाने आकर शिकायत दर्ज कराई थी कि वह बस्ती के सुभल कॉम्पलेक्स में शौच करने गई थी, जहां अकबर उर्फ भय्या पिता असलम हेला निवासी जांसापुरा तलाई ने उसका मुंह दबाकर गलत काम किया। थाना प्रभारी के अनुसार मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 64(2), 65(2), 351(3) भारतीय न्याय संहिता तथा 5(एल)/6 पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया और 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को उसे तस्दीक के लिये घटनास्थल तिलकेश्वर कालोनी ले जाया गया था, आरोपी ने पुलिस अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया लेकिन टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। दोपहर बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया है।

दिल्ली महिला से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

भैरवगढ़ थाना पुलिस को दिल्ली की महिला ने 8 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि वह ट्रेन से यात्रा के दौरान वह गलती से उज्जैन पहुंच गई थी और अम्बोदिया क्षेत्र तक आ गई। इस दौरान रास्ता भटकने पर शाम के समय उसे एक व्यक्ति मिला और आगे छोडने की बात कहीं, लेकिन वह सूनसान रास्ते पर ले गया और झाडियों में उसके साथ गलत काम किया। मामला संगीन होने पर थाना प्रभारी शैलेन्द्र प्रताप सिंह राजावत ने प्रकरण दर्ज किया और अज्ञात व्यक्ति की तलाश शुरू की। एसआई सुरेश कलेश ने क्षेत्र में जानकारी जुटाई और दुष्कर्म करने वाले आरोपी की पहचान महेश पिता मांगीलाल मालवीय 28 वर्ष, निवासी ग्राम आम्बोदिया के रूप में करते हुये उसे गिरफ्तार कर लिया।

बालिका के गर्भवती होने पर पकड़ाया आरोपी

भैरवगढ़ क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग के पेट में दर्द होने पर परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे तो उसके 5 माह के गर्भवती होने का पता चला। पूछताछ करने पर नाबालिग ने बताया कि उसके साथ कुछ माह से उस्मान पिता हनीफ छीपा निवासी बड़े घोडे के पास द्वारा डरा-धमका कर गलत काम किया जा रहा था। पुलिस ने मामले में 9 सितंबर को प्रकरण दर्ज किया और शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

आगर नाका से बिकी सिम का साइबर फ्रॉड में उपयोग

उज्जैन। साइबर फ्रॉड में उपयोग होने वाले मोबाइल नम्बरों को लेकर ऑपरेशन फास्ट 2.0 चलाया जा रहा है। राज्य साइबर सेल की टीम को उज्जैन से जारी हुई चार मोबाइल सीम की जानकारी मिलने पर चिमनगंज थाना पुलिस ने मामले में सिम बेचने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार दूरसंचार विभाग और गृह मंत्रालय द्वारा राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड में उपयोग हो रहे मोबाइल नम्बरों का पता लगाया जा रहा है, ताकि फ्रॉड करने वालों का पता लगाया जा सका। इस अभियान में राज्य साइबर सेल की टीम को उज्जैन के आगर नाका से जारी की गई चार सिम की जानकारी मिलने पर ऑनलाइन शिकायत चिमनगंज थाना पुलिस को भेजी गई। चिमनगंज थाना पुलिस ने मामले में इमरान नागौरी के खिलाफ धोखाधडी और आईटी एक्ट का मामला दर्ज कर जांच में लिया है। बताया जा रहा है कि आगर नाका चौराहा से इमरान नागौरी द्वारा सिम बेचने का काम किया जाता था। वह सिम खरीदने वालों के साथ धोखाधड़ी करता था और थम मशीन पर दो बार अंगूठा लगवा लेता था। जिसके आधार पर फर्जी तरीके से सिम चालू करवाता था और ऐसे व्यक्तियों को बेचा था जो साइबर फ्रॉड में उक्त नम्बरों का उपयोग कर रहे थे। पुलिस ने इमरान को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी सामने आई कि आरोपी पूर्व में महाकाल थाना पुलिस की गिरफ्त में भी आ चुका था। कुछ दिन पहले माधवनगर थाना पुलिस ने भी समाधान मोबाइल दुकान संचालित करने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था।

इस्कॉन में 13 सितंबर से होगा श्रील प्रभुपाद मेमोरियल फेस्टिवल

उज्जैन। इस्कॉन की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में इस्कॉन उज्जैन में 13 से 19 सितंबर 2026 तक वार्षिक 'श्रील प्रभुपाद मेमोरियल फेस्टिवल' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही 13 सितंबर को युवाओं के लिए आई लव भारत कार्यक्रम भी आयोजित होगा। श्रील प्रभुपाद मेमोरियल फेस्टिवल इस्कॉन भक्तों का एक आंतरिक अनुष्ठान रहेगा, जिसमें 10 से अधिक देशों के 2,000 से ज्यादा श्रद्धालु शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस महोत्सव में 20 से अधिक वरिष्ठ संन्यासी और श्रील प्रभुपाद के प्रत्यक्ष शिष्य शामिल होंगे। इस्कॉन उज्जैन के जीबीसी परम पूज्य गुरु प्रसाद स्वामी महाराज एवं परम पूज्य चंद्रमौली स्वामी महाराज का विशेष सानिध्य प्राप्त होगा।

पश्चिम रेलवे - रतलाम मंडल

पार्सल स्पेस की लीज के लिए ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक -रतलाम मंडल -पश्चिम रेलवे ने पार्सल स्पेस की लीज के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की है। केटलॉग को **IREPS** वेबसाईट (ई-ऑक्शन) पर प्रकाशित किया गया है, विवरण निम्न प्रकार से है। **केटलॉग संख्या :** Leasing-RTM-4. **अनुबंध का प्रकार :** Leasing of SLR Compartment. **लॉट नं :** Train 20957-SLR-R1-INDB-HSR, Train 14115-SLR-F1-DADN-PRYJ, Train 19817-SLR-F1-RTM-AF, Train 20416-SLR-F1-INDB-BSB, Train 22944-SLR-F1-INDB-DD, Train 20932-SLR-R1-INDB-TVCN, Train 11125-SLR-R1-RTM-GWL, Train 20957-SLR-F1-INDB-HSR, Train 20416-SLR-R1-INDB-BSB, Train 22984-SLR-F1-INDB-KOTA, Train 19339-SLR-F1-DHD-BPL, Train 19305- SLR-F1-DADN-KYQ, Train 21125-SLR-F1-RTM-BIX, Train 14802-SLR-R1-INDB-JU, Train 19339-SLR-R1-DHD-BPL, Train 19817-SLR-F2-RTM-AF, Train 19817-SLR-R1-RTM-AF, Train 11125-SLR-F1-RTM-GWL, Train 14802-SLR-F1-INDB-JU, Train 19305-SLR-R1-DADN-KYQ, Train 14115-SLR-R1-DADN-PRYJ, Train 21125-SLR-R1-RTM-BIX. **अनुबंध की अवधि** - 3 वर्ष, ई-नीलामी की तिथि और समय सभी लॉट के लिए ई-नीलामी दिनांक 24/09/2026 को 10:00 बजे प्रारंभ होगी। प्रारंभिक कुलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। अनुक्रमिक लॉट को बंद करने का अंतराल 10 मिनट है। **IREPS** के ई-ऑक्शन मॉडयूल पर लॉटवाइज समापन समय देखा जा सकता है।

SNP-250

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - रतलाम मंडल

नॉन फेयर रेवेन्यू (NFR) के माध्यम से ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक -रतलाम मंडल -पश्चिम रेलवे ने नॉन फेयर रेवेन्यू (NFR) के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित की है। केटलॉग को www.ireps.gov.in के (ई-ऑक्शन लीजिंग) पर प्रकाशित किया गया है, विवरण निम्न प्रकार से है। **क्र. सं. : (1) ऑक्शन केटलॉग सं.** : MSS-RTM-26-29 **अनुबंध का प्रकार** : Misc. Static Services **लॉट नं.** : MSS-RTM-INDB-PrKiosk-76-26-1 (Misc-Static-Services - Promotional Kiosk). **क्र. सं. : (2) ऑक्शन केटलॉग सं.** : MSS-PoojaKios-2 **अनुबंध का प्रकार** : Misc. Static Services **लॉट नं.** : MSS-RTM-COR-PSKsk-67-25-1 (Misc-Static-Services - Pooja Samagri Kiosk). **क्र. सं. : (3) ऑक्शन केटलॉग सं.** : ADVT-RTM-OOH-31 **अनुबंध का प्रकार** : Advertising **लॉट नं.** : ADVT-RTM-RTM-OH-116-26-1 (Advertising - Out of Home). **अनुबंध की अवधि : क्र. सं.** : 1, 2 और 3 के लिए - 05 Years **ई- नीलामी की तिथि : क्र. सं.** : 1 के लिए - 25/09/2026, **क्र. सं.** : 2 के लिए - 28/09/2026, **क्र. सं.** : 3 के लिए - 29/09/2026, **समय : क्र. सं.** : 1, 2 और 3 के लिए - 11:00 बजे। • प्रारंभिक कुलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। अनुक्रमिक लॉट को बंद करने का अंतराल 10 मिनट है। **IREPS** के ई -ऑक्शन मॉडयूल पर लॉटवाइज समापन समय देखा जा सकता है।

SNP-252

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - रतलाम मंडल

पार्सल स्पेस की लीज के लिए ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक -रतलाम मंडल -पश्चिम रेलवे ने पार्सल स्पेस की लीज के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की है। केटलॉग को **IREPS** वेबसाईट (ई-ऑक्शन) पर प्रकाशित किया गया है, विवरण निम्न प्रकार से है। **केटलॉग संख्या :** Leasing-RTM-5. **अनुबंध का प्रकार :** Leasing of SLR Compartment. **लॉट नं :** Train 20917-SLR-F1-INDB-PURI, Train 19325-SLR-F1-INDB-ASR, Train 12465-SLR-R1-INDB-BGKT, Train 12962-SLR-R1-INDB-MMCT, Train 12962-SLR-F1-INDB-MMCT, Train 20917-SLR-R1-INDB-PURI, Train 19325-SLR-R1-INDB-ASR, Train 12465-SLR-F1-INDB-BGKT. **अनुबंध की अवधि** - 3 वर्ष, ई-नीलामी की तिथि और समय सभी लॉट के लिये ई-नीलामी दिनांक 25/09/2026 को 10:00 बजे प्रारंभ होगी। प्रारंभिक कुलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। अनुक्रमिक लॉट को बंद करने का अंतराल 10 मिनट है। **IREPS** के ई-ऑक्शन मॉडयूल पर लॉटवाइज समापन समय देखा जा सकता है।

SNP-251

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

मानसून की रवानगी में अब मात्र 18 दिन शेष,उमस बढी हुई लेकिन बारिश नहीं....

जिले में पिछले वर्ष के औसत से 8 इंच कम वर्षा

जिले की एक भी ऐसी तहसील नहीं जहां पिछले वर्ष के बराबर वर्षा दर्ज की गई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

अलनीनों का असर उज्जैन को भी घेरे हुए है और नतीजतन हालात यहां भी मानसून में कुछ खास नहीं रहे हैं। जिले में हाल यह हैं कि पिछले वर्ष के मुकाबले औसत 8 इंच बारिश कम हुई है। तहसीलों के मान से देखा जाए तो जिला मुख्यालय की उज्जैन तहसील में ही 10 इंच से कम बारिश दर्ज हुई है। इसका असर आगामी फसल के साथ सामान्य जनजीवन पर भी देखने को मिलेगा।

मानसून के अब मात्र 18 दिन शेष बचे हैं। यूं तो सितंबर अंत में ही मानसून की रवानगी मान ली जाती है ऐसे में अक्टूबर से भी इसे मान लिया जाए तो शेष 18 दिनों में भी बारिश के आसार कुछ खास दिखाई नहीं दे रहे हैं। बादलों की बनावट तो यह दुसरे दिन देखी जा रही है लेकिन वह थोथी ही साबित हो रही है। बूंदा-बांदी से ज्यादा कुछ नहीं हो रहा है। भू अभिलेख से जारी आंकडों के अनुसार जिले की औसत वार्षिक वर्षा 906.2 मिली मीटर है। इस वर्ष जिले में मानसून के दौरान औसत 563.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है जो पिछले वर्ष 759.2 मिली मीटर से करीब 195.8 मिली मीटर यानिकी करीब 8 इंच कम है। जिले के 9 राजस्व तहसीलों में पिछले वर्ष के मुकाबले वर्षा का आंकडा कमजोर ही है।

देशभर में 13 प्रतिशत कम बरसात, तपाने लगी गर्मी- देश के पर्यावरणीय विश्लेषक इसे अलनीनों के शिकंजे के रूप में देख रहे हैं। ऐसा नहीं हैं कि यह सिर्फ भारत में ही मौसम का मिजाज ऐसा है, दुनिया में इस साल मौसम का मिजाज काफी बदला हुआ है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने चेतावनी दी है कि अल नीनो पूरी तरह मजबूत हो चुका है। आने वाले महीनों में यह और खतरनाक रूप ले लेगा, जिससे दुनियाभर में बाढ़, सूखे और भयंकर गर्मी का खतरा बढ़ जाएगा। डब्ल्यूएमओ के अनुसार, फरवरी 2027 तक इसके बने रहने की लगभग 100 प्रतिशत संभावना है। वैश्विक स्तर पर एक्टिव हुआ यह सुपर अल नीनो से साल का पूरा मॉनसून सीजन इसी के साये में दम तोड़ता नजर आ रहा है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के आंकड़े गवाह हैं कि 1 जून से लेकर सितंबर की शुरूआत तक देश भर में औसत से 13त्न कम बारिश दर्ज की जा चुकी है। सितंबर महीने में भी सामान्य से कम बारिश ।

जिले में कहां कितनी वर्षा-

तहसील	इस वर्ष	पिछले वर्ष
उज्जैन	520.2	783.0
घट्टिया	498.0	534.5
खाचरौद	623.0	905.0
नागदा	637.0	864.2
बडनगर	537.0	858.0
महिदपुर	612.0	732.0
झार्डा	679.0	779.4
तराना	620.3	849.9
माकडौन	344.0	527.0

स्त्रोत-जिला भू-अभिलेख। नोट आंकडे मिलीमीटर में हैं।

स्मरण, प्रेम और भक्ति

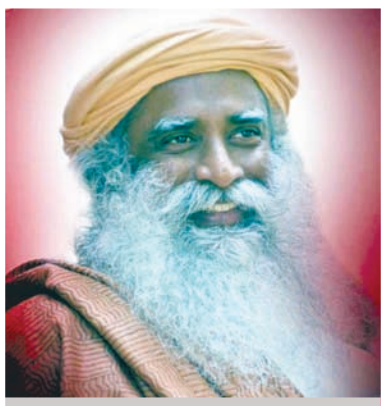

आत्मा का ही दर्शन करो। वही देखने योग्य है। उसका साक्षात्कार करो। उसकी अपरोक्षानुभूति करो। जो ज्ञान की अनुभूति का सर्वश्रे?ठ स्वरूप है, वही है देखने योग्य, उसे देखो। सिनेमा देखकर, क्रिकेट देखकर जीवन किसी का बड़ा नहीं हुआ है और न कभी होगा। सफल वैज्ञानिक प्रयोगशाला में जितना समय लगाते हैं, उतना समय वे सिनेमा देखने में नहीं लगाते। सिनेमा, क्रिकेट में थोड़ी देर के लिए आनंद मिलता है, ताली बजा दिए और बस हो गया। संसार जिनसे अपेक्षा करता है और जिनसे गौरवान्वित होता है, वे तो प्रयोगशाला में रहकर साधना करते हैं, एकांत या जंगल में रहकर साधना करते हैं, विकास के क्रम में लगकर साधना करते हैं।

आत्मा का एक अर्थ जीवात्मा भी होता है। हमें अपने को देखना चाहिए, किंतु लोग व्यवहार में दूसरों को ही देख रहे हैं। अपना भी तो देखो। मन कैसा है, क्रिया कैसी है, तुम्हारी इच्छाएं कैसी हैं, तुम्हारे संकल्प कैसे हैं, उसे भी देखो। लोग दूसरे को देख रहे हैं कि यह पतित है, पर तुम क्या हो? आत्मा-परमात्मा, दोनों को देखें, जिसमें परमात्मा मुख्य हुआ, उसी को हमें देखना है। उसी को हमें सुनना है। ऐसा नहीं है कि हम रास्ता किसी से पूछ रहे हैं और वह बतलाए, तो हम नहीं सुनें। ऐसा नहीं है कि जो हमारी जिम्मेदारियां हैं, उनको हम नहीं सुनें, उनको सुनना ही होगा, किंतु संसार के जो लौकिक व्यवहार और जिम्मेदारियां हैं, उनको भी उसका साधन बनाना है, इसका मुख्य लक्ष्य वहीं पहुंचने का है। प्रह्लाद जी ने कहा है- श्रवणं कीर्तनम विष्णोः।

हमें सुनना भी उसी को है, जो वेदों ने कहा है - आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः। ईश्वर को देखना है, तो आप कैसे देखेंगे, उसके प्रतिपादक शास्त्रों को सुनिए। ज्ञान का सबसे बड़ा साधन तो श्रवण है। श्रवण माने शब्दों को कानों से ग्रहण करना और उनके अर्थों के माध्यम से पूरे वाक्य के अर्थ का ज्ञान करना, इसे शब्द बोध कहते हैं। पहले हम शब्दों को सुनते हैं, यह प्रत्यक्ष हुआ, पद ज्ञान हुआ, शब्द ज्ञान हुआ, फिर उन शब्दों के अर्थ जो होते हैं, उनका ज्ञान हुआ कि इस शब्द का अर्थ क्या है। फिर उन सभी शब्दों के अर्थ जुड़ जाते हैं रेल के डिब्बों की तरह और उनका एक बोध तैयार होता है, उसे ही बोलते हैं शब्दबोध। वाक्यार्थबोध।

ईश्वर को सुनना चाहिए। नहीं सुनने के कारण ही आज पतन हो रहा है। जब विद्यार्थी नहीं सुनेगा अध्यापक के वचनों को, तो न परीक्षा में अच्छी श्रेणी से उत्तीर्ण होगा और न वह विद्वान हो पाएगा। वेदों, पुराणों, इतिहासों के माध्यम से सुनना है। ईश्?वर प्रतिपादन की यह विधा हमें अनादि काल से प्रा?त हुई। भक्ति और ज्ञान का स्वरूप स्मरण है। तेल की धारा टूटती नहीं है, वैसे ही स्मरण है, जो टूटे ना। ऐसे स्मरण से उत्पन्न प्रेम ही भक्ति है।

सम्पादकीय

ट्रंप का चुनावी वादा

दुनिया के सबसे पुराने और विकसित लोकतांत्रिक देश अमेरिका में भी लोगों को सीधे नकदी या मुफ्त उपहार देने की राजनीति चल निकली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों में उनकी रिपब्लिकन पार्टी जीत हासिल करती है, तो वह हर वयस्क अमेरिकी नागरिक को 5,000 डॉलर का भुगतान करेंगे। यह एक बहुत महंगी योजना है, जिसमें एक ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक खर्च आएगा। दरअसल, रिपब्लिकन पार्टी को हार की आशंका सता रही है। देश के अंदर और बाहर भी अमेरिका समस्याओं से घिरा हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता घटती जा रही है। अब उनके समर्थन में बमुश्किल 36 प्रतिशत अमेरिकी बचे हैं, जबकि 60 प्रतिशत से ज्यादा उनकी नीतियों से इत्तफाक नहीं रखते हैं। ऐसे में, लोगों का दिल जीतने के लिए ट्रंप ने नकदी उपहार का वादा किया है। भारत जैसे विकासशील देशों में तो नकदी उपहार की रणनीति को चुनावों में कामयाब होते देखा गया है, लेकिन क्या अमेरिका जैसे संपन्न देश में नकदी उपहार की राजनीति कामयाब हो पाएगी?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में माना जाता है कि उन्होंने विश्व भर की राजनीति को प्रभावित किया है, लेकिन क्या वह इस बार भारत से प्रभावित हुए हैं? हालांकि, अमेरिकी विपक्षी नेताओं, खासकर डेमोक्रेट्स ने इसे खोखला वादा करार दिया है। यह भी बताया जा रहा है कि यह वादा या योजना कानूनी रूप से मुश्किल में पड़ जाएगी। अमेरिकी सर्वोच्च अदालत में इसकी वैधता व व्यावहारिकता पर सवाल उठेंगे। बहरहाल, अगर ट्रंप यह वादा पूरा करते हैं, तो लोकतंत्र के इतिहास में यह सबसे बड़ी व महंगी मुफ्त चुनावी घोषणा होगी। अमेरिका के लगभग 27 करोड़ वयस्कों में हर किसी को पांच-पांच हजार डॉलर अर्थात भारतीय मुद्रा में 4 लाख, 77 हजार से ज्यादा रुपये हासिल होंगे। ट्रंप ने यहां अमीर-गरीब में भेद नहीं किया है। इसमें एक शर्त जुड़ सकती है कि जो डॉलर मिलेंगे, उन्हें अमेरिका में ही खर्च करने की बाध्यता होगी। संभव है, इस महंगी योजना से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को भी कुछ लाभ होगा। वहां मांग बढ़ेगी। एक तथ्य यह भी है कि अमेरिका में महंगाई बढ़ रही है। खासकर ईरान पर फरवरी से शुरू हुए हमले के बाद से स्थिति अच्छी नहीं है।

लालच की भेंट चढ़ते युवा सपने

किराये की चारदीवारी में कैद सपने छात्र-आवास में सुरक्षा का सवाल

दिल्ली के सत्य निकेतन में सात सितंबर को छात्र-आवासीय इमारत का ढहना केवल एक भवन दुर्घटना नहीं है। यह उस शहरी व्यवस्था का

अजयकुमार बियाणी
(दैनिक अवन्तिका)

आईना है, जिसमें देशभर से पढ़ने और रोजगार की तलाश में महानगरों का रुख करने वाले हजारों युवा शिक्षा के साथ असुरक्षित आवास का जोखिम भी उठाते हैं।

दुर्घटना के बाद जांच, कार्रवाई और गिरफ्तारियां होंगी। लेकिन इससे बड़ा सवाल है—क्या अगली इमारत को गिरने से पहले बचाया जाएगा? यही इस त्रासदी का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है।

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, कोटा जैसे शिक्षा केंद्रों में निजी छात्र-आवास और पेइंग गेस्ट व्यवस्था तेजी से बढ़ी है। सरकारी और विश्वविद्यालयीय छात्रावास सीमित होने के कारण विद्यार्थियों के पास निजी कमरों के अलावा विकल्प कम हैं। समस्या निजी आवास में नहीं, बल्कि तब पैदा होती है जब अधिक किराये की लालसा सुरक्षा पर भारी पड़ने लगे।

एक मकान में अधिक कमरे, अधिक बिस्तर और अधिक किरायेदार—यही कमाई का गणित धीरे-धीरे कई भवनों की वास्तविक क्षमता से आगे निकल जाता है। सामान्य आवासीय भवनों को बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के रहने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जबकि उनकी संरचना, विद्युत व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन निकास उसी अनुपात में नहीं बदले जाते।

विद्यार्थी के लिए कमरा चुनना आसान है, सुरक्षित भवन चुनना नहीं। वह किराया, महाविद्यालय से दूरी, भोजन और सुविधाएं देखता है। उसे यह जानकारी प्रायः नहीं मिलती कि भवन की स्वीकृत क्षमता कितनी है, संरचनात्मक जांच कब हुई, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था चालू है या नहीं और आपात स्थिति में बाहर निकलने का सुरक्षित रास्ता कहां है। यहीं व्यवस्था की सबसे बड़ी कमी सामने आती है।

कई छात्र-बहुल इलाकों में संकरी गलियां, सटे हुए भवन, नीचे व्यावसायिक गतिविधियां और ऊपर क्षमता से अधिक आवास सामान्य दृश्य हैं। आग या भवन दुर्घटना की स्थिति में राहत दलों की पहुंच भी चुनौती बन सकती है। ऐसे क्षेत्रों में सुरक्षा केवल भवन के भीतर की व्यवस्था नहीं, पूरे आसपास के क्षेत्र की क्षमता से जुड़ा प्रश्न है।

विद्युत भार भी कम गंभीर समस्या नहीं है। सीमित क्षमता वाले भवनों में बड़ी संख्या में शीतलन यंत्र, पानी गर्म करने वाले उपकरण, भोजन पकाने के साधन और अन्य विद्युत उपकरण लगाए जाते हैं। पुरानी तार व्यवस्था और बढ़े हुए भार का मेल दुर्घटना का कारण बन सकता है।

लेकिन जिम्मेदारी केवल भवन स्वामी की नहीं है।

नगर निकाय ने भवन के उपयोग और उसकी वास्तविक क्षमता की निगरानी की या नहीं? निर्माण नियमों का पालन हुआ या नहीं? अग्नि सुरक्षा की जांच कब हुई? संरचनात्मक मजबूती का परीक्षण कितने समय पहले किया गया? यदि किसी भवन में लंबे समय से नियमों का उल्लंघन हो रहा था, तो कार्रवाई दुर्घटना से पहले क्यों नहीं हुई? दुर्घटना के बाद दोषी ढूंढना जरूरी है, लेकिन दुर्घटना से पहले खतरा पहचानना उससे कहीं अधिक जरूरी है। इसलिए अब व्यवस्था में कुछ ठोस बदलाव आवश्यक हैं।

सबसे पहले प्रत्येक छात्र-आवास और पेइंग गेस्ट भवन का अनिवार्य पंजीकरण होना चाहिए। पंजीकृत भवन की जानकारी सार्वजनिक हो और विद्यार्थी या अभिभावक अपने दूरभाष से भवन की स्वीकृत मंजिलों, अधिकतम क्षमता, अग्नि सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा और अंतिम संरचनात्मक जांच की जानकारी प्राप्त कर सकें।

भवन के बाहर उसकी सुरक्षा स्थिति स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होनी चाहिए। इससे कमरे की सजावट और सुविधाओं से पहले विद्यार्थी को यह पता होगा कि वह जिस छत के नीचे रहने जा रहा है, वह नियमों और सुरक्षा मानकों पर खरी उतरती है या नहीं। दूसरा, पुराने और क्षमता से अधिक उपयोग किए जा रहे भवनों का नियमित निरीक्षण अनिवार्य किया जाना चाहिए। निरीक्षण केवल कागजी प्रक्रिया न हो। जहां गंभीर खतरा मिले, वहां समय रहते भवन खाली कराया जाए। दुर्घटना के बाद इमारत सील करने से बेहतर है कि खतरे की पहचान पहले हो।

तीसरा, सरकारी और विश्वविद्यालयीय छात्रावासों का विस्तार जरूरी है। सुरक्षित और किफायती विकल्प उपलब्ध नहीं होंगे तो निजी आवास पर निर्भरता बनी रहेगी। शिक्षा संस्थानों और स्थानीय प्रशासन को छात्र आवास को शैक्षणिक व्यवस्था का हिस्सा मानना होगा, न कि विद्यार्थी की निजी समस्या।

चौथा, पंजीकृत छात्र-आवास में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए दुर्घटना बीमा की व्यवस्था की जा सकती है। किसी हादसे की स्थिति में परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता मिलना चाहिए। मुआवजे के लिए वर्षों तक सरकारी कार्यालयों और न्यायालयों के चक्कर लगाना किसी त्रासदी का दूसरा अन्याय नहीं बनना चाहिए।

पांचवां, किराया समझौते में भवन सुरक्षा की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। किरायेदार होने का अर्थ यह नहीं कि सुरक्षित आवास पाने का अधिकार समाप्त हो जाता है। किराया लेना भवन स्वामी का अधिकार हो सकता है, लेकिन सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी भी है।

शिक्षण संस्थानों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। वे विद्यार्थियों को केवल प्रवेश देकर जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। कम-से-कम सुरक्षित और प्रमाणित छात्र-आवासों की जानकारी उपलब्ध कराना उनकी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा होना चाहिए। किसी माता-पिता के लिए छात्र-आवास महज किराये का कमरा नहीं होता। उस कमरे में रखी किताबों के साथ परिवार की उम्मीदें रहती हैं। दूर शहर में पढ़ रहा बच्चा घर से भले सैकड़ों किलोमीटर दूर हो, उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी घर की चौखट पर समाप्त नहीं होती।

सत्य निकेतन की घटना हमें यही याद दिलाती है कि भवन तब अचानक खतरनाक नहीं बनता, जब वह गिरता है। खतरा उससे पहले पैदा होता है—जब निर्माण नियमों की अनदेखी होती है, क्षमता से अधिक लोग रखे जाते हैं, सुरक्षा प्रमाणपत्र कागज बन जाते हैं और निरीक्षण केवल औपचारिकता रह जाता है। इसलिए अब प्राथमिकता स्पष्ट होनी चाहिए—कार्रवाई बाद में नहीं, निगरानी पहले। महानगरों में रहने वाले विद्यार्थियों को केवल सस्ता कमरा नहीं, सुरक्षित छत चाहिए। उन्हें किरायेदार समझकर उनकी सुरक्षा को निजी मामला नहीं माना जा सकता। क्योंकि किराये की चारदीवारी में रहने वाला विद्यार्थी भले ही किरायेदार हो, उसका जीवन किसी की निजी संपत्ति नहीं है।

बेसहारा हथेली

नारियल विकास बोर्ड के संभागीय कार्यालय के बाहर नीम के चबूतरे पर पचहत्तर साल के मणिकंदन बाबा हर बुधवार सुबह ठीक दस बजे अपनी लाठी टेकते हुए आकर बैठ जाते थे। उनके कांपते हाथों में सूखे नारियल की जटाओं का एक भूरा लच्छा और रस्सी बटने वाली लकड़ी की एक पुरानी घिसी हुई चरखी हमेशा रहती थी जिसे वे अपनी मैली धोती के पल्ले से बार-बार पोंछते रहते थे। आज दो सितंबर को विश्व नारियल दिवस के भव्य महोत्सव के मौके पर जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें गेट पर देखा तो अपनी चाय का कुल्हड़ मेज पर रखते हुए ठहाका लगाकर बोला कि बाबा जब आज पूरे प्रदेश में कल्पवृक्ष उत्सव का डंका बज रहा है और बड़े-बड़े वैज्ञानिक नारियल से बने आधुनिक उत्पादों की प्रदर्शनी लगा रहे हैं तो इस सूखे छिलके और जटा को रोज अपनी छाती से लगाकर यहाँ बड़े अफसरों के आगे क्या तमाशा खड़ा करते हो। मणिकंदन बाबा अपनी पुरानी धुंधली ऐनक को ठीक करते और बहुत धीमी आवाज में मुस्कुराकर कहते कि बेटा यह सूखा रेशा केवल पेड़ की छाल नहीं है बल्कि इस पूरे कृषि महकमे की वो कागजी समृद्धि है जिसने मेरी पुश्तैनी बगिया को कागजों की स्याही में उजाड़ कर रख दिया है। आसपास खड़े तमाम मुंशी और दलाल उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बुढ़ापे में बाबा की मति मारी गई है जो नारियल दिवस के पावन उत्सव को अपनी हठ की भेंट चढ़ाने चले आए हैं। मणिकंदन बाबा किसी की बात का तनिक भी मलाल किए बिना उस रेशे को अपनी कांपती उंगलियों से सहलाते और चुपचाप वीआईपी गाड़ियों के काफिले का इंतजार करते रहते थे। बोर्ड के सभी बाबू और तकनीकी सलाहकार मणिकंदन बाबा की इस साप्ताहिक मूक उपस्थिति से पूरी तरह परिचित हो चुके थे और उन्हें एक सनकी बुजुर्ग मानकर पूरी तरह अनदेखा कर देते थे।

दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 12 सितंबर 2026 शनिवार
सूर्योदय - 06:16 सूर्यास्त 18:30
भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 09:00 से 10:30 तक
तिथि - एकम 07:47 उपरांत दुतिया
नक्षत्र - उत्तराफाल्गुनी 12:55 उपरांत हस्त
योग - शुभ 15:09 उपरांत शुक्ल
करण - बव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण कन्या में रहेगा।
मुस्लिम मास - रवि उलावल मास 29 तारिख

मेष- कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलेगा। नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। व्यापारिक विस्तार की योजना सफल होगी।

वृषभ- किसी नए सौदे से लाभ संभव है। जीवनसाथी के साथ आपसी समझ बेहतर होगी और संबंध मजबूत होंगे।

मिथुन- आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। शरीर में ऊर्जा बनी रहेगी।

कर्क- सहकर्मियों के साथ तालमेल बिठाकर चलें। विवादों से दूर रहना ही बेहतर है।

सिंह- पुराने निवेश या सौदों से लाभ मिलने के संकेत हैं। त्वचा या मौसम से जुड़ी सामान्य समस्या हो सकती है।

कन्या- पारिवारिक सहयोग से प्रेम संबंधों में आ रही रुकावटें दूर होंगी। अचानक धन लाभ का योग बन रहा है।

तुला- बड़े जोखिम से पहले सोच-विचार करें। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा और निवेश से अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

वृश्चिक- चंद्रमा आपकी ही राशि में गोचर कर रहा है, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु- दफ्तर में अपनी योजनाओं को सही समय पर क्रियान्वित करें। खानपान का ध्यान रखें।

मकर- नए निवेश के लिए किसी विशेषज्ञ से परामर्श लेना फायदेमंद रहेगा।

कुंभ- पार्टनरशिप में पारदर्शिता बनाए रखें, काम पर ध्यान दें। वाणी में सौम्यता रखें, विवादों से बचें।

मीन- पैसों के लेनदेन में विशेष सावधानी बरतें। पर्याप्त नींद लें, सिरदर्द या थकान की समस्या हो सकती है।

समसामयिक

मौत का जाम...!

संजय तराणेकर
(दैनिक अवन्तिका)

सागर की धरती रो पड़ी, आँखों में है नमी,
किसने घोला जहर, बाँटी हैं मौत की गमी?
जाम समझ बढ़े, ‘जिंदगी’ हाथ से छूट गई,
घर की चौखट सूनी, लाखों उम्मीदें टूट गईं।
वो किसके लाल ग्यारह, बहुतों के थे सहारे,
हर माँ की आँखें पूछ रहीं, कहाँ मेरे दुलारे?
शराब नहीं, ये जहर था, घर-घर शोक दिया,
लालच की आँधी ने घर संसार झोंक दिया।
सात दुकानों पे ताले, सवाल अभी बाकी है,
कानून की चौखट पे जवाबदेही की बारी है।
कितना बिकता रहेगा जहर, यूं घर उजड़ेंगे?
चंद सिक्कों की खातिर इंसानियत से लड़ेंगे?
ऐसा समाज बनाएंगे, जीवन सबसे प्यारा हो,
यूं नशे के अंधियारे में मानवता उजियारा हो।
ग्यारह दीप बुझ गए, सिर्फ ये संदेश छोड़ गए,
जिंदगी अनमोल है, इसे जाम में ना खोने दो।

पूज्य - पितृ वंदना

1) ओ पित्तर जी तमारे मनावा आज
भूलचूक माफ करो मने आर्शिवाद दिजो
हो पित्तर जी, तमारे मनावा आज
2) भोला भाला कछू नही जाना.
बालकियाँ हॉ थारा हो
पित्तर जी, तमारे मनावा आज
3) म्हारा मन री बातॉ
देवा, म्हारा मन ..री बातॉ
देवा, थॉसे कहूँ ना
छूपी हो पित्तर जी, तमारे मनावा आज
4) पुरी कर दिजो मनरी इच्छा पुरी
कर दिजो मनरी इच्छा ने पीड़ मे आड़ा आजो,
ओ पित्तर जी तमारे मनावा आज
भूलचूक माफ करो मने आर्शिवाद दिजो
हो पित्तर जी, तमारे मनावा आज

कु. वर्षा जोशी
(दैनिक अवन्तिका)

खो गई है बेटियां

नन्ही हथेली में
पकड़ना चाहती है चाँद को।
जिद्दी करके
पाना चाहती है चाँद को।
छुप जाता है जब
माँ को पुकारती पाने चाँद को।
थाली में पानी भरकर
परछाई से बुलाती माँ चाँद को।
छपाक से पानी में
हाथ डाल पकड़ना चाहती चाँद को।
छुपा-छाई खेलते हुए
बिटियाँ पा जाती है चाँद को ।
चाँद तो अब भी है आकाश में
बिटियाए कम हो गई पाने चाँद को।
खो गई है बेटियां
माँ ए केसे कहे ये बात चाँद को।

संजय वर्मा
दैनिक अवन्तिका

धर्म-आस्था

कैसे निभाएँ अपनी मित्रता- सीखें श्रीकृष्ण से?

भगवान श्रीकृष्ण को महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य ने मधुराधिपति कहा है। महाप्रभु रचित मधुराष्टक अपने

डॉ. शारदा मेहता
(दैनिक अवन्तिका)

माधुर्य के लिए कृष्ण साहित्य में प्रसिद्ध है। श्रीकृष्णजी की प्रत्येक भावभंगिमा मधुर है, प्रत्येक वस्तु जो उनके व्यवहार में आती है वह भी मधुर है। उनका नृत्य मधुर है तो उनका सखा भाव में मधुरता परिलक्षित होती है। उनकी क्रिया कलाप माधुर्य से ओतप्रोत रहे हैं। बाल्यावस्था में जहाँ जहाँ वे रहे वहाँ वहाँ सखाओं के समूह उनके साथ रहे। महाप्रभु वल्लभाचार्यजी मधुराष्टक में लिखते हैं- 'नृत्यं मधुरं सख्यं मधुरं मधुराधिपते रखिलंमधुरं।ह्य सभी सखाओं ने गोकुल वृन्दावन की गलियों में माखनचोरी की, यमुना किनारे कन्दुक क्रीड़ा की, गायों को चराने ले गए, उनकी सुरक्षा का ध्यान रखा, गोवर्धन पर्वत को चीटी ऊँगली पर उठाया, अपने गोधन तथा बालसखाओं को वर्षा के वेग से बचाया। बाल्यावस्था में उनके अनेक मित्र थे यथा- सुदामा, श्रीदामा, भद्र, सुभद्र, मधुमंगल, द्रौपदी, सुबल, सुबाहु, मणिभद्र, वरुथप, भोज, तोककृष्ण आदि। अर्जुन, द्रौपदी, सुदामा, अक्रूर, सात्यकि को विद्वानों ने श्रीकृष्णजी के प्रमुख सखाओं में गणना की है। इस लेख में हम श्रीकृष्णजी के इन्हीं सखाओं का वर्णन करेंगे।

अर्जुन- अर्जुन भारतीय संस्कृति के प्रसिद्ध महाकाव्य महाभारत के नायक हैं। पाण्डु-पुत्र पाँच पाण्डवों में अर्जुन का स्थान तृतीय है। अर्जुन पांडव पक्ष के प्रमुख योद्धा थे। कुरुक्षेत्र में महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्णजी अर्जुन के रथ के सारथी थे। इस युद्ध में अर्जुन ने कई महत्वपूर्ण योद्धाओं का वध कर दिया था। अर्जुन ताकतवर होने के साथ ही बुद्धिमान भी थे। गुरु द्रोणाचार्य के प्रिय शिष्य थे। इनके तीर का लक्ष्य कभी चूकता नहीं था। तेल की कढ़ाई मे मछली की आँख का प्रतिबिम्ब देखकर इन्होंने लक्ष्य भेद किया था। इस प्रतियोगिता में सफल होने पर द्रौपदी का उन्होंने वरण किया था। अर्जुन पराक्रमी होने के साथ ही धैर्यवान भी थे। इन्हें इन्द्रदेव का अंश माना जाता है। ये भगवान श्रीकृष्ण के परम मित्र थे। अर्जुन को कई नामों से बुलाते हैं। यथा- परन्तप, गुड़ाकेश, महाबाहो, धनंजय आदि। इनकी चार पत्नियाँ थीं- उडूपी, चित्रांगदा, सुभद्रा तथा द्रौपदी। प्रत्येक पत्नी से एक-एक पुत्र थे। श्रुतकर्मा, इरावन, बभ्रुवाहन और अभिमन्यु। वनवास के समय इन्हें अनेक दिव्यास्त्र प्राप्त हुए थे।

अर्जुन नृत्य और संगीत में भी पारंगत थे। जब भगवान श्रीकृष्ण ने दोनों सेनाओं के मध्य रथ खड़ा कर दिया तो सेना को देखकर अर्जुन ने युद्ध करने से इंकार कर दिया। उनके हाथ पैर काँपने लगे। इन्होंने श्रीकृष्णजी से कहा कि यहाँ तो मेरे कुटुम्ब के वयोवृद्ध व्यक्ति उपस्थित हैं, अतः मैं युद्ध नहीं करूँगा। अर्जुन कहते हैं-

वेपथुश्च शरीरे में रोमहर्षश्च जायते।
गाण्डीव स्त्रंसते हस्तात्त्वकचेत परिदह्यते।।
(श्रीमद् भगवद् गीता- अध्याय १/२९)

भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें जीवन की वास्तकता समझाई। श्रीकृष्ण ने अपना विराट् स्वरूप अर्जुन को दिव्य-चक्षु प्रदान कर दिखलाया। विराट् स्वरूप देखकर अर्जुन ने कहा-

सखेति मत्वा प्रसमं यदुक्तं
हे कृष्ण हे यादव हे सखेति।
अजानता महिमानं तवेदं
मया प्रमादात प्रण्येन वापि।
(श्रीमद् भगवद् गीता अध्याय ११/४१)

भाव यह है कि अर्जुन को यह ज्ञात नहीं था कि उसने हे मित्र! हे कृष्ण! हे यादव सम्बोधन कर श्रीकृष्ण का अपमान किया है। दोनों का सखा भाव दृष्टव्य है।

सुदामा- सुदामा विद्वान ब्राह्मण थे। उन्होंने वेदों का गहन अध्ययन किया था। बाल्यावस्था से ही वे श्रीकृष्ण के सखा रहे थे। उज्जैन (म.प्र.) के गुरु सांदीपनि आश्रम में दोनों मित्रों ने साथ-साथ शिक्षा ग्रहण की थी। इस कथन के साक्ष्य आज भी आश्रम परिसर में स्थित हैं और पर्यटकों का ध्यान आकर्षित कर उनकी सच्ची मित्रता का उदाहरण प्रस्तुत करती है। एक बार श्रीकृष्ण और सुदामा आश्रम के लिए लकड़ी लेने के लिए समीप के ग्राम नारायणा में गए। सुदामा को भूख लगी। गुरु माता ने उन्हें चने की एक पोटली दी थी। सुदामा ने वे चने रख लिए। चने की पोटली के बारे में एक बहुश्रुत कथा प्रचलित है। आश्रम में एक गरीब ब्राह्मणी रहती थी। रात के समय चोर उस झोपड़ी में आए। उन्होंने चने की पोटली चुराई। चोर-चोर का शोर होने पर वे भाग गए। चने की पोटली आश्रम में ही गिर गई। प्रातः गुरु माता ने वह पोटली देखी तो उठाकर सुदामा को दे दी। गरीब ब्राह्मणी ने श्राप दिया कि जो व्यक्ति मेरी पोटली के चने खाएगा वह दरिद्र हो जाएगा। सुदामा ने वह चने अपने मित्र श्रीकृष्णजी को नहीं दिये और स्वयं खा लिए।

शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात दोनों सखा अपने अपने क्षेत्र में व्यस्त हो गए। श्रीकृष्ण भगवान ने राजकाज संभाल लिया और सुदामा अपने गृहस्थ जीवन में और बच्चों के पालन पोषण में व्यस्त हो गए। उनकी आर्थिक स्थिति दयनीय होती गई। उनकी पत्नी उन्हें बारम्बार समझाती थी कि वे अपने सखा श्रीकृष्ण से जाकर भेंट करें, वे दयालु हैं। सुदामा बात को अनसुनी कर देते थे। पत्नी ने आखिरकार उन्हें श्रीकृष्ण के यहाँ भेजा और उसने उन्हें चावल की एक पोटली भी दी। वे श्रीकृष्णजी के राज्य में पहुँचे। ऊँचे-ऊँचे महल अट्टालिकाएँ उन्हें दिखलाई दीं। श्रीकृष्णजी के महल के सामने पहरेदार ने उनसे परिचय पूछा तो उन्होंने अपना नाम सुदामा बतलाया। पहरेदार ने महल में अन्दर जाकर श्रीकृष्ण से कहा-

सीस पगा न झगा तन में अरु पाव उपानह को नहीं सामा।
पूछत दीनदयाल को धाम बतावत आपनो नाम सुदामा।।
(सुदामा चरित नरोत्तमदास)

श्रीकृष्णजी जैसे ही सुदामा नाम सुनते हैं वे दौड़े-दौड़े महल के बाहर आकर सुदामा के गले मिलते हैं और उन्हें महल में ले जाकर रनिवास में बैठाते हैं। सुदामा के चरण धोने के लिए दास दासियों से पानी की परात बुलवाते हैं। परात के पानी के अतिरिक्त श्रीकृष्ण की अश्रुधारा से ही सुदामा के पैर धुल जाते हैं। प्रसिद्ध कवि नरोत्तमदासजी 'सुदामा चरितह्य में लिखते हैं-

'पानी परात को हाथ छुयो नहिं नैनन के जल से पग धोये।
देखी सुदामा की दीन दशा करुणा करिकै करुणानिधि रोये।ह्य

श्रीकृष्णजी ने (भाभीजी- सुदामा की पत्नी) द्वारा दिए गए चावल बड़े स्नेह से खाये। कुछ दिन वहाँ रहने के पश्चात सुदामा उदास हो गए। मन ही मन उन्हें लगा कि श्रीकृष्णजी ने उनकी किसी प्रकार से सहायता नहीं की। वे श्रीकृष्णजी से आज्ञा लेकर वहाँ से रवाना हुए। जब वे खिन्न भाव से गृहनगर आये तो अपनी झोपड़ी के स्थान पर उन्हें भव्य महल दिखलाई दिया और उनकी पत्नी और बच्चे भी उन्हें सुन्दर परिधान में दिखे। धन्य है कृष्ण सुदामा की मित्रता जो सभी के लिए मार्गदर्शक है। कवि रहीम कहते हैं-

कहि रहीम संपति सगे बनत बहुत बहु रीति।
विपति कसौटी से कसे केई सांचे मीत।।

द्रौपदी- द्रौपदी राजा द्रुपद की पुत्री थी। इनका एक जुड़वा भाई था जिसका नाम धृष्टद्युम्न था। एक बार राजा द्रुपद ने यज्ञ का आयोजन किया। यज्ञकुंड से द्रौपदी प्रकट हुई, इसलिए इसका नाम यज्ञसेनी भी है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार द्रौपदी महाकाली का अवतार। द्रौपदी के अन्य नाम भी थे यथा- कृष्णेयी, अग्रिसुता, सैरन्ध्री तथा महाभारती। द्रौपदी की गणना पंच कन्याओं में की जाती है-

अहल्या द्रौपदी सीता तारा मन्दोदरी तथा।
पंचकन्या स्मरेन्नित्यं महापातक नाशिन्या।।

अहल्या (गौतम ऋषि की पत्नी), द्रौपदी (पाँच पाँडवों की पत्नी), तारा (वानरराज बाली की पत्नी), कुन्ती (पाँडु पत्नी), मन्दोदरी (रावण की पत्नी)। इन पाँचों का प्रतिदिन स्मरण करने से सारे पाप धुल जाते हैं। द्रौपदी श्रीकृष्ण की महिला मित्र थी। वह उनकी बाल सखी थी। वह सुन्दर बुद्धिमत्ता और साहस की प्रतिमूर्ति थी। उसका अर्जुन पर विशेष प्रेम था। मछली की आँख पर लक्ष्य भेद करके अर्जुन ने द्रौपदी का वरण किया था। जब श्रीकृष्ण ने शिशुपाल का वध किया उनकी ऊँगली सुदर्शन चक्र से कट गई तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी फाड़कर श्रीकृष्ण की ऊँगली में रक्त रोकने के लिए बाँध दी। तब श्रीकृष्ण ने सोचा था कि मैं इस एहसान का बदला अवश्य चुकाऊँगा।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6600 से 6700 विशाल 6400 से 6525 डंकी चना 5800 से 6200 मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 8200 से 8400 महाराष्ट्र लाल 8500 से 8800 कर्नाटक 8700 से 8900 निमाड़ी तुअर 6500 से 7900 मूंग बेस्ट गर्मी 7500 से 7700 मूंग बेस्ट बोल्ड 7800 से 7900 मोगर 5500 से 6700 उड़द बोल्ड 9200 से 9500 उड़द गर्मी 8800 से 9200 ग्रेविटी क्लीन 9500 से 9900 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7500 से 8800 काबुली रशियन 6400 से 6600 बिटकी 6000 से 6200 सरसों निमाड़ी 8000 से 8200 रायडा 7000 से 7200 सोयाबीन 5700 टोली 5600 से 5800 गेहूं मिल क्वालिटी 2750 से 2800 लोकवन 3100 से 3150 पूर्णा 2950 से 3000 मालवराज 2850 से 2900 मक्का 2500 से 2525 चना दाल 7800 से 7900 मीडियम 8000 से 8300 बेस्ट 8500 से 8800 तुअर दाल 7900 से 8000 मीडियम 7900 से 8000 बेस्ट 10300 से 10600 एक्स्ट्रा बेस्ट 11400 से 11600 ब्रांडेड 13000 मूंग दाल 9100 से 9200 बेस्ट 9300 से 9400 मूंग मोगर 11100 से 11200 बेस्ट 11300 से 11400 उड़द दाल 10900 से 11000 बेस्ट 11100 से 11200 उड़द मोगर 11400 से 11800 बेस्ट 12000 से 12200 मसूर दाल 7750 से 7850 बेस्ट 7950 से 8050 रुपए प्रति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 15000 से 18000 देशी 13000 से 14000 एवरेज 12000 से 15000. बारीक 9000 से 10000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2071-3150, चना देशी-5901 काबली- 3350-7951, बटला-3201, रायड़ा- 6850, मूंग- 7600, सोयाबीन- 2700-6085, मैथीदाना-5240, सरसो- 7050-7601, तुवर-4300, तिल्ली- 10491-11001, मावा-300 प्रतिकिलो। मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,49,300 रवा- 1,49,000 चांदी- टंच- 2,31,500 पाट- 2,30,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

गोदाम में चद्दर रिपेयरिंग करने गए मजदूर की मौत

देवास। देवास शहर में चद्दर रिपेयरिंग का काम करने गए 40 वर्षीय मजदूर की गोदाम के अंदर मौत हो गई। वह गुरुवार दोपहर काम के लिए गया था, लेकिन रात तक घर नहीं लौटा। परिजन तलाश करते हुए गोदाम पहुंचे तो उसकी बाइक बाहर खड़ी मिली। मोबाइल पर फोन करने पर अंदर से घंटी सुनाई दी। पुलिस की मदद से उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पाल नगर निवासी माखन पिता बाबूलाल फुलेरिया (40) गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे मॉडल स्कूल के सामने स्थित गोदाम में चद्दर रिपेयरिंग का काम करने गया था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर उसके पिता बाबूलाल उसे ढूंढते हुए गोदाम पहुंचे। बाबूलाल ने देखा कि माखन की बाइक गोदाम के बाहर खड़ी थी। उन्होंने उसके मोबाइल पर फोन किया तो गोदाम के अंदर से मोबाइल की घंटी सुनाई दी। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित

शाजापुर। छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर ब्लॉक स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। मोहन बड़ोदिया केब कुमारिया खास स्थित श्री मनकामनेश्वर महादेव मंदिर के गुरुवार दोपहर आयोजित बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष और ब्लॉक ने कार्यकताओं को मार्गदर्शन दिया। पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों से बात करके उनकी परेशानियों, सुझावों और जरूरतों को जानना है। इससे उनकी आवाज को मंच मिल पाएगा। बैठक में युवाओं और विद्यार्थियों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टोंकखुर्द में अवैध शराब के अड्डों पर आबकारी का छापा

देवास। टोंकखुर्द क्षेत्र में अवैध शराब बनाने और बेचने वालों के खिलाफ आबकारी विभाग ने कार्रवाई की। टीम ने 1050 किलो महुआ लाहन और 30 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त की। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की अलग-अलग धाराओं के तहत पांच केस दर्ज किए गए हैं। जब्त सामान की कीमत करीब 1 लाख 11 हजार रुपए बताई गई है। विभाग ने मामलों में जांच शुरू कर दी है। आबकारी विभाग की टीम ने टोंकखुर्द वृत्त के ग्राम दोंता जागीर के सांसी मोहल्ले और ग्राम चिड़ावद के कंजर डेरे में छापा मारा। यहां अवैध रूप से शराब बनाने के लिए तैयार किया गया महुआ लाहन और हाथ भट्टी शराब मिली। टीम ने मौके से सामग्री जब्त कर पांच प्रकरण दर्ज किए।

सांदीपनि के छात्रों का महासंकल्प, पीओपी को ना, इस बार घर-घर विराजेंगे सिर्फ माटी के गणेश

दैनिक अवन्तिका ▶▶ शाजापुर

भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं, तो उनकी आराधना से हमारी प्रकृति पर कोई विघ्न कैसे आ सकता है? इसी गहरे और महत्वपूर्ण संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल सांदीपनि विद्यालय से पर्यावरण संरक्षण का एक बड़ा अभियान छेड़ा गया।

मौका था आगामी गणेश चतुर्थी को लेकर आयोजित कार्यक्रम का, जिसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने आस्था और पर्यावरण के अद्भुत तालमेल की मिसाल पेश करते हुए इस वर्ष केवल मिट्टी से बनी मूर्तियां ही स्थापित करने की शपथ ली। विद्यालय प्राचार्य सविता सोनी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विष्णु प्रसाद नागर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विद्यार्थियों में जोश भरते हुए उन्होंने कहा, हमारे त्योहारों की पवित्रता और आस्था तभी सार्थक है, जब हम अपनी प्रकृति की रक्षा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीओपी और रासायनिक रंगों से बनी मूर्तियां हमारे पवित्र जल स्त्रोतों के लिए धीमा जहर हैं, इसलिए इस वर्ष हमें केवल प्रकृति के अनुकूल माटी के गणेश जी की ही आराधना करनी चाहिए।

जलचरों की रक्षा है जरूरी

आयोजन में जन अभियान परिषद के विकास खंड कोआर्डिनेटर बसंत रावत और नवांकुर संस्थान के अध्यक्ष भूपेंद्र सहगल ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। वक्ताओं ने वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रासायनिक रंगों और पीओपी से निर्मित मूर्तियां पानी में गलती नहीं हैं। इससे न केवल भयंकर जल प्रदूषण होता है, बल्कि पानी में रहने वाले मूक जीवों जलचरों के जीवन को भी भारी नुकसान पहुंचता है। इसके उलट, मिट्टी के गणेश जी विसर्जन के बाद वापस उसी प्रकृति में समाहित हो जाते हैं।

गूंजा सामूहिक संकल्प

कार्यक्रम के अंत में पूरा विद्यालय परिसर पर्यावरण संरक्षण के उत्साह से गूंज उठा। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक जागेश सोनी और अम्बाराम राजोरिया सहित समस्त स्टाफ एवं भारी संख्या में मौजूद छात्र-छात्राओं ने हाथ उठाकर सामूहिक संकल्प लिया। उन्होंने प्रण लिया कि वे न केवल खुद पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली मूर्तियों का बहिष्कार करेंगे, बल्कि समाज के हर घर तक माटी के बप्पा लाने का यह पुनीत संदेश पहुंचाएंगे।

अकोदिया से शुरू हुई युवा शंखनाद यात्रा

समय की चाल मोड़ने वाला ही युवा कहलाता है- भाजयुमो अध्यक्ष टेलर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ अकोदिया

अकोदिया में गुरुवार शाम भाजयुमो की युवा शंखनाद यात्रा शुरू हुई। शाम 4 बजे महाराणा प्रताप और डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद यात्रा निकाली गई। महाराणा प्रताप बस स्टैंड से शुरू हुई यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सेंट्रल बैंक के पास पहुंची, जहां सभा हुई।

यात्रा में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर, भाजपा जिला अध्यक्ष हर्ष मंडलोई समेत भाजपा और युवा मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। जगह-जगह यात्रा का स्वागत किया गया। कुछ स्थानों पर जेसीबी और क्रेन से पुष्पवर्षा भी की गई।

यात्रा महाराणा प्रताप बस स्टैंड से परशुराम चौराहा, एसबीआई चौराहा, बोलाई रोड, सिद्धिविनायक चौराहा, झंडा चौराहा और टप्पा चौराहा होते हुए सेंट्रल बैंक के पास पहुंची। यहां कार्यकताओं और युवाओं की सभा हुई। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और भाजपा के समर्थन में नारे लगाए गए। अलग-अलग स्थानों पर कार्यकताओं ने नेताओं का स्वागत किया। युवाओं को राष्ट्रवादी विचारधारा से जोड़ने की बात

सभा में श्याम टेलर ने कहा कि समय के साथ चलना एक बात है, लेकिन समय की चाल को मोड़ देने वाला ही युवा कहलाता है। उन्होंने कहा कि युवा शंखनाद यात्रा का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रवादी विचारधारा से जोड़ना और संगठन को मजबूत करना है।

टेलर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रवाद की विचारधारा और सेवा के संकल्प के साथ काम करते हैं। उन्होंने युवाओं से देश निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष अरविंद परमार, योगेंद्र बंटी बना, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया समेत भाजपा और भाजयुमो के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

त्रि-स्तरीय पंचायत उप-चुनाव को लेकर दो नामांकन जमा, 29 को मतदान

दैनिक अवन्तिका ▶▶ शाजापुर

जिले में खाली हुए पंचायत पदों पर नए जनप्रतिनिधि चुनने के लिए त्रि-स्तरीय पंचायत उप-चुनाव 2026 का बिगुल बज चुका है। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की घोषणा के साथ ही चुनावी प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है, विशेषकर उन ग्राम पंचायतों में जहां दुखद रूप से सरपंच के पद रिक्त हो गए थे।

चुनाव प्रक्रिया के तहत 10 सितंबर गुरूवार को ग्राम पंचायत पनवाड़ी में मंजूलता पाटीदार पति ओमप्रकाश पाटीदार ने नामांकन दाखिल किया। वहीं, ग्राम पंचायत पतोली में महेंद्रसिंह चावड़ा पिता भंवरसिंह राणा ने आवेदन दिया। नामांकन पत्र जमा करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर है। इन पत्रों की समीक्षा 16 सितंबर को की जाएगी। मतदान 29 सितंबर को होगा। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के निर्देश पर 8 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत शाजापुर 77 पंच, 2 सरपंच, मो. बड़ोदिया 79 पंच, शुजालपुर 8 पंच और कालापीपल 1 सरपंच, 1 पंच के खाली पदों के लिए चुनाव की सूचना जारी की गई है। पदों के आरक्षण और मतदान केंद्रों की सूची भी संबंधित कार्यालयों के सूचना पटल पर लगा दी गई है। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से पूरा कराने के लिए कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी ऋजु बाफना ने अधिकारियों को तैनात किया है। जनपद पंचायत शाजापुर में नायब तहसीलदार जितेंद्र चौरसिया को सेक्टर मजिस्ट्रेट और जोनल अधिकारी बनाया गया है। जनपद पंचायत कालापीपल की जिम्मेदारी नायब तहसीलदार अरन्याकलां शिल्पा सिंह को सौंपी गई है।

भाजपा मक्सी मंडल की बैठक सम्पन्न

मक्सी। 9 सितम्बर को पाटीदार धर्मशाला में सम्पन्न हुई भारतीय जनता पार्टी मक्सी मंडल की मासीक कामकाजी बैठक में आगामी कार्यक्रम सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर 18 अक्टूबर तक चलने वाले कार्यक्रमों, शक्ति केन्द्र बैठक मन ५ की बात कार्यक्रम आदि विषयों पर बैठक मे जिला मंत्री एंव मंडल के प्रभारी उमेश टेलर एंव मंडल सह प्रभारी महेश भावसार ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया स्वागत भाषण मंडल के महामंत्री मोड़ सिंह लोधी ने दिया। अंत में आभार मंडल के महामंत्री सुनील पडया ने माना। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गोविंद पटेल ने कि राजेश गुप्ता मक्सी मंडल मीडिया प्रभारी मनोज पटेल प्रवक्ता ओम चौधरी पार्षद दिलीप लोधी पार्षद मुकीम खान पार्सल मोहसिन खान पार्षद विष्णु पाटीदार पार्षद भगवान सिंह पार्षद कृष्ण लाल भावसार एल्डरमैन कैलाश मंडलोई एल्डरमैन राधेश्याम परमार एल्डरमैन राकेश चौधरी मुकेश मंडलोई मनोहर केलोडिया प्रमोद मेहता मधुसूदन करनावदीया मनोहर लशकन अमित सोनी मनोज पटेल मनीष वर्मा पवन परिहार श्रीमती पुष्पा भावसार श्रीमती संगीता जैन कैलाश चंद पाटीदार विष्णु मंडलोई अनिल पटेल आदि उपस्थित हुवे बैठक मे मुख्य रूप से जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, महिला मोर्चा मंडल के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

इंस्टाग्राम पर धार्मिक विवाद, दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस केस दर्ज

शाजापुर। सोशल मीडिया पर शुरू हुई बहस अब पुलिस थाने तक पहुंच गई है। इंस्टाग्राम पर धार्मिक भावनाएं आहत करने वाली पोस्ट को लेकर शाजापुर कोतवाली में मुस्लिम और हिंदू समाज की ओर से दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। जानकारी के अनुसार विवाद की शुरूआत इंस्टाग्राम पर एक धार्मिक आयोजन की पोस्ट पर हुई टिप्पणियों से हुई। घटनाक्रम में सबसे पहले मुस्लिम समाज ने धार्मिक भावनाएं आहत होने की शिकायत की, जिस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कर ली। इस कार्रवाई के विरोध में बुधवार रात सकल हिंदू समाज के लोग थाने पहुंचे। हिंदू पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने बिना उचित जांच के मामला दर्ज किया है। उनकी शिकायत के अनुसार, तिलवंधेश्वर महादेव के नाम से की गई एक सामान्य पोस्ट पर एक्स मलिक और अरमान किंग नाम की आईडी से हिंदू धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई, जिसका युवक ने केवल जवाब दिया था जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। हिंदू समाज की ओर से आईटी एक्ट और बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत सख्त कार्रवाई की मांग के बाद, पुलिस ने इस पक्ष की शिकायत पर भी मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस दोनों मामलों में संबंधित इंस्टाग्राम आईडी की साइबर जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान कर उनके ठिकानों का पता लगाने में जुटी है। 02

गणेशोत्सव की तैयारियों ने पकड़ा जोर, मूर्तियों से सजे बाजार, आकार लेने लगे भव्य पंडाल

शाजापुर। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के आगमन में अब बस कुछ ही दिन शेष हैं। इसे लेकर शाजापुर शहर में उत्साह का माहौल है और पर्व की तैयारियों ने अब पूरी तरह से जोर पकड़ लिया है। एक ओर जहां बाजारों में गजानन की आकर्षक मूर्तियां बिक्री के लिए पहुंच गई हैं, वहीं दूसरी ओर शहर के प्रमुख चौराहों और मोहल्लों में सार्वजनिक उत्सव समितियों के भव्य पंडाल भी अब आकार लेने लगे हैं। मूर्तिकारों ने शहर के प्रमुख स्थानों पर अपनी दुकानें सजा ली हैं। बाजार में भगवान गणेश के विभिन्न स्वरूपों की छोटी-बड़ी और मनमोहक मूर्तियां दर्शनार्थियों का मन मोह रही हैं। हालांकि, बप्पा की स्थापना गणेश चतुर्थी के दिन शुभ मुहूर्त में होगी, लेकिन श्रद्धालु अभी से बाजारों में पहुंचकर अपनी पसंद की मूर्तियां देख रहे हैं और उनकी बुकिंग करा रहे हैं। मूर्तिकारों का कहना है कि इस वर्ष भी पर्यावरण के प्रति जागरूकता दिखाते हुए मिट्टी से बनी इको-फ्रेंडली मूर्तियों की खासी मांग देखी जा रही है। इधर, शहर की विभिन्न सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों के सदस्य भी तैयारियों में दिन-रात जुटे हुए हैं। कॉलोनियों, मोहल्लों और चौराहों पर बांस-बल्लियों के ढांचे खड़े कर आकर्षक पंडाल बनाए जा रहे हैं। कई समितियां इस बार विशेष थीम और झांकियों के साथ गजानन को विराजमान करने की योजना बना रही हैं।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार द्वारा भूमि स्वामी 1. तेजसिंह डोडिया पिता श्री विक्रमसिंह जी डोडिया, 2. जीवनसिंह डोडिया पिता श्री विक्रमसिंह जी डोडिया, निवासी- ग्राम पालखन्दा, तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) से उनके अपने अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य कि सर्वे नम्बर 322/557 रकबा 0.410 हेक्टर मे से रकबा 0.270 हेक्टर, सर्वे नम्बर 321/7/2 रकबा 0.110 हेक्टर, सर्वे नम्बर 321/7/1 रकबा 0.240 हेक्टर, कुल किता 03 कुल रकबा 0.620 हेक्टर भूमि, ग्राम-पालखन्दा तहसील व जिला उज्जैन में स्थित है, उक्त कृषि भूमि को क्रय करने का सौदा किया होकर विक्रय प्रतिफल की राशि मे से टोकन राशि का भुगतान भी उनको कर दिया है। अब केवल अनुबंध पत्र व विक्रय-पत्र का संपादन करवाना शेष है।

उक्त सम्पत्ति के क्रय-विक्रय के संबंध में किसी भी संस्था, व्यक्ति को कोई आपत्ति हो या किसी शासकीय या अर्द्धशासकीय कार्यालय, बैंक, सोसायटी आदि का कोई ऋण भार आदि हो या कोई व्यक्ति, सोसायटी, संस्था आदि उक्त सम्पत्ति पर अपना हक, हित, स्वत्व, आदि रखती हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 7 (सात) दिन के अन्दर मय प्रमाण के लिखित रूप में आपत्ति मेरे कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें, ताकि उसका निराकरण किया जा सके। उक्त अवधि के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि के विक्रय-पत्र का सम्पादन अपने हित में करवा लिया जावेगा। उक्त अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई उज्र व आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी तथा ऐसी कोई उज्र व आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नहीं होगी तथा प्रभावशुन्य रहेगी। सो सूचित हो। इतिः दिनांक-11/09/2026

पीयूष पण्ड्या, एडवोकेट ऑफिस-D-12 भरतपुरी कॉम्पलेक्स, उज्जैन, मोबाईल नम्बर- 94248 78460

बैंक कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल, तीन दिन बंद रहेंगे बैंक

दैनिक अवन्तिका ▶▶ शाजापुर

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बुलावे पर शुक्रवार को बैंक कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर एक दिन की देशव्यापी हड़ताल पर रहे। शाजापुर में भी इसका असर दिखा। सुबह करीब 11 बजे शहरी हाईवे पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सामने बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारी जमा हुए। उन्होंने अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारे लगाए और प्रदर्शन किया।

बैंक कर्मचारियों की मुख्य मांगों में हफ्ते में पांच दिन काम (5-डे वर्किंग) और पीएलआई स्कीम शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि पांच दिन काम करने की मांग पिछले करीब दो साल से अटकी हुई है। इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। उनका कहना है कि मांगों को लेकर लगातार कोशिशों के बाद भी कोई हल नहीं निकला, इसलिए कर्मचारियों को आंदोलन करना पड़ा। शुक्रवार को बैंकिंग लेनदेन पर असर पड़ने से आम लोगों और व्यापारियों को नकदी के लेन-देन समेत कई जरूरी कामों में दिक्कत हुई। शुक्रवार के बाद महीने का दूसरा शनिवार और रविवार होने की वजह से बैंक शाखाएं लगातार तीन दिन बंद रहेंगी। कर्मचारियों ने बताया कि यह आंदोलन अलग-अलग चरणों में होगा। अगर उनकी मांगों पर जल्दी फैसला नहीं लिया गया, तो 26 अक्टूबर 2026 से देशभर के बैंकों में बेमियादी हड़ताल शुरू की जाएगी।

हड़ताल में शामिल बैंक

इस हड़ताल के कारण देशभर के सरकारी और कुछ निजी बैंकों की सेवाएं बंद रहीं। इनमें एसबीआई, पीएनबी, यूनियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया जैसे बैंक शामिल हैं।

आगर में महिलाओं ने गोबर-मिट्टी से बनाई गणेश प्रतिमाएं

आगर मालवा। जिले में गणेशोत्सव के लिए स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने पर्यावरण बचाने की खास पहल की है। इन महिलाओं ने गाय के गोबर और मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं तैयार की हैं। ये प्रतिमाएं गणेशोत्सव के बाद पानी में आसानी से घुल जाएंगी और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाएंगी। गणेशोत्सव के लिए बाजार सजने लगे हैं और इन प्राकृतिक प्रतिमाओं की बिक्री भी शुरू हो गई है। महिलाओं का कहना है कि गोबर और मिट्टी से बनी ये प्रतिमाएं पूरी तरह घुलने वाली हैं। इनके विसर्जन के बाद पानी में प्रदूषण का खतरा नहीं रहता। इस पहल से महिलाओं ने धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण बचाने का संदेश दिया है।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने ग्राम इंगोरिया तहसील बड़नगर जिला उज्जैन स्थित भूमि सर्वे नंबर 695/1/1 रकबा 0.650, 696 रकबा 1.430, हे. कुल किता 2 कुल रकबा 2.080 हे. लगानी रेटवारी स्थित ग्राम इंगोरिया तहसील बड़नगर को कय करने का सोदा भूमि स्वामी श्रीमति ऋतु पति राजेश, शुभम, अर्पित पिता राजेशजी जाति ब्राम्हण वर्तमान निवासी उज्जैन कृषक ग्राम इंगोरिया से तय कर एक सोदा चिटठी मेरे पक्षकार के पक्ष मे निष्पादित कर बयाना राशि मेरे पक्षकार द्वारा भूमि स्वामी श्रीमति ऋतु पति राजेश, शुभम, अर्पित पिता राजेशजी जाति ब्राम्हण वर्तमान निवासी - उज्जैन कृषक ग्राम इंगोरिया तहसील बड़नगर जिला उज्जैन को प्रदान कर दी है तथा शिघ्र ही मेरे पक्षकार उक्त भूमि का विक्रय पत्र निष्पादित कराने वाले है यदि उक्त भूमि के संबध मे किसी व्यक्ति, संस्था निकाय, या किसी व्यक्ति के पक्ष मे भूमि विक्रय के संबध मे कोई अनुबंध पत्र या ऋण भार हो तो वह उक्त जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस मे मेरे कार्यालय मे मय प्रमाण के प्रस्तुत करे अन्यथा विक्रय पत्र निष्पादन के पश्चात किसी प्रकार की उज्र या आपत्ती मान्य नही होकर मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी ।सूचित हो । दिनांक-11-09-2026

निखील तलाज एडवोकेट
न्यायालय परिसर बड़नगर जि० उज्जैन
मोबाईल नंबर-7089653927

कार्यालय-प्राथमिक सहकारी संस्था मर्यादित, निपानिया गोयल उज्जैन

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा घट्टिया उज्जैन (म.प्र.)

पंजीयन क्रमांक 258/दिनांक 31-10-1966

क्रमांक/आमसभा/2026-27/ **दिनांक 05-09-2026**

वार्षिक साधारण सभा की सूचना

सम्मानीय सदस्य महानुभाव

संस्था के समस्त सदस्य महानुभावों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 21 सितम्बर 2026 सोमवार को दिन के 11.00 बजे स्थान संस्था कार्यालय निपानिया गोयल पर आयोजित की गई है। अतः नियत दिनांक, स्थान व समय पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

नोट- कोरम के अभाव में बैठक आधा घण्टा (30 मिनिट) पश्चात स्थगित कर, उसी दिनांक को उसी स्थान पर पुनः प्रारंभ की जावेगी जिसमें गणपूर्ती पर विचार नहीं किया जावेगा।

वार्षिक साधारण सभा की विषय सूची

1) वर्ष 2025-26 के लेन-देन पत्रक व लाभ-हानि पत्रक स्वीकृति स्वीकार करना।
2) आगामी वर्ष के कार्यक्रम या कार्य योजना की स्वीकृति।
3) वर्ष 2026-27 का अनुमानित बजट पारित करना।
4) गत वर्ष में बजट से आधिक / कम हुए व्यय / आय की स्वीकृति।
5) अंकेक्षण टीप वर्ष 2025 का पालन प्रतिवेदन।
6) हानि/लाभ पर विचार।
7) गतवर्ष की कार्यवाही की पुष्टि करना।
8) वार्षिक पत्रक का अनुमोदन।
9) अन्य विषय प्रशासक महोदय की अनुमति से रखे जाकर निर्णय लिये जावेगें।

प्रशासक/समिति प्रबंधक
प्राथ-सह. संस्था मर्या. निपानिया गोयल

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मकान नंबर 18, विनोबा गली वार्ड नं 19 जो कि नगर पालिका खाचरौद स्थित मकान जिसकी चौडाई पूर्व से पश्चिम 10 फीट तथा लंबाई उत्तर से दक्षिण 50 फीट होकर उक्त मकान जिसकी चतुर्सीमा पूर्व में सुमन पति शिवचरण का मकान / हॉस्पिटल, पश्चिम में अर्जुन जोशी जी का मंकान, उत्तर में आम रोड, दक्षिण में गंदी गली स्थित है, जो कि भवन के मूल स्वामी स्व. हजारीलालजी की स्वअर्जित संपत्ति रही है। स्वर्गीय हजारीलाल के 6 पुत्र क्रमशः स्व. गौरीशंकरजी, स्व. रामचन्द्रजी, स्व. मदनलालजी, स्व. किशोरीलालजी, स्व. शैतानमलजी एवं स्व. श्यामलालजी जो कि आपके पति थे, वर्तमान में इन सभी छह भाईयों की मृत्यु हो चुकी है और उनके कानूनी वारिस आज भी जीवित है। उक्त मकान पर सभी छह भाईयों के परिवार का बराबर-बराबर 1/6 हिस्सा वैधानिक रूप से बनता है। मेरे पक्षकार स्व. किशोरीलाल के पुत्र राजेन्द्रकुमार पिता स्व. किशोरीलाल जोशी निवासी-नागदा जिला उज्जैन म.प्र. होकर उक्त मकान में मेरे पक्षकार एवं स्व. किशोरीलाल जोशी के अन्य भाईयो के वारिस इस संपत्ति में बराबर के सह स्वामी है तथा हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत वारिस के रूप में आते है। उक्त संपत्ति का अभी तक कोई कानूनी या न्यायिक बंटवारा नही हुआ है, आज भी उक्त मकान संयुक्त संपत्ति के रूप में है। मेरे पक्षकार को विश्वसनीय सूत्रो एवं मध्यस्थो से ज्ञात हुआ है कि, श्रीमती सुमन पत्नि श्री स्व. श्यामलालजी, निवासी मकान नंबर 18, वार्ड नं 19, विनोबा गली, खाचरौद जिला उज्जैन म.प्र. उक्त पूरे संयुक्त मकान को अकेले ही बेचने/सौदा करने का प्रयास कर रहे है जबकि विधि के अनुसार अन्य वारिसों की लिखित सहमति या न्यायालय द्वारा विभाजन के बिना उक्त पूरे मकान को बेचने का कोई अधिकार किसी भी व्यक्ति को प्राप्त नहीं है। इस जाहिर सूचना के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मकान के संबंध में कोई भी व्यक्ति, संस्था उपरोक्त मकान को क्रय, अंतरण, बंधक आदि प्रकार का संव्यवहार नहीं करें। अन्यथा ऐसा संव्यवहार मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा व संबंधित के विरुद्ध भी कानूनी कार्यवाही की जावेगी।

सूचित हो। इति दिनांक- 11/09/2026

जयेश पुष्पेन्द्र जोशी एडवोकेट
कार्यालय-100 ई.डब्लयू.एस. हाउसिंग बोर्ड कालोनी नागदा
जिला उज्जैन मो नं-8839930658

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मकान पुराना क्रमांक 5097. नया मकान क्रमांक 12, खत्रीवाडा उज्जैन राजेन्द्रकुमार पिता श्री बाबुराव के मालिकी का था श्री राजेन्द्रकुमार की मृत्यु दिनांक 11/05/1993 को हो गई उनकी मृत्यु उपरांत उपरोक्त मकान पर उनकी पत्नि श्रीमती सुमनबाई पत्नि श्री राजेन्द्रकुमारजी जाधव ने अपने आपको उपरोक्त मकान का एकमेव स्वामी होना बताकर अपना नाम नगर पालिक निगम उज्जैन में दिनांक 09/09/1998 को अंकित करा लिया था तथा उक्त मकान को श्रीमती सुमनबाई पत्नि श्री राजेन्द्रकुमारजी जाधव के द्वारा अपने पुत्र 1. वैभव पिता स्व. श्री राजेन्द्रकुमारजी तथा 2. नेहा पुत्री स्व. श्री राजेन्द्रकुमारजी की सहमति से मोहम्मद रियाज पिता श्री अब्दुल हाफीज मुसलमान को दिनांक 17/11/2009 को विक्रय कर दिया है। स्वर्गीय श्री राजेन्द्रकुमारजी पिता श्री बाबुरावजी के सुमनबाई, वैभव तथा नेहा के अलावा अन्य कोई उत्तराधिकारी हो जो उक्त मकान क्रमांक 12, खत्रीवाडा उज्जैन में हित रखता हो तो वह इस जाहीर सूचना के प्रकाशन से 7 दिन की अवधि के अंदर मुझे लिखित में सप्रमाण आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा एल. आई. सी. हाउसींग फाईनेंस लिमिटेड, उज्जैन के द्वारा उक्त मकान क्रमांक 12, खत्रीवाडा उज्जैन क्षेत्रफल 95.60 वर्गमीटर को बंधक कर मोहम्मद रियाज पिता श्री अब्दुल हाफीज मुसलमान को ऋण प्रदान कर दिया जावेगा व बाद में किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। कृपया सूचित हो। इति दिनांक- 11/09/2026 ई., स्थान झ उज्जैन

(मदनलाल दुग्गड़) अभिभाषक
1. युवराज लाईब्रेरी की गली, छत्रीचौक, उज्जैन
फोन - 2554829, 94253-80339

बोलेरो के कुचलने से 3 श्रद्धालुओं की मौत

जोधपुर। जोधपुर जिले में पैदल रामदेवरा (जैसलमेर) जा रहे चाचा-भतीजे सहित तीन श्रद्धालुओं को बोलेरो कैंपर ने कुचल दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा शेरगढ़ थाना इलाके में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे शेरगढ़ से फलोदी मेगा हाईवे पर भूंगरा में हुआ। थानाधिकारी खेताराम सियोल ने बताया- रात 10 बजे तेना-नाथासर गांव से पांच श्रद्धालु पैदल रवाना हुए थे। घर से 10 किलोमीटर दूर मेगा हाईवे पर पहुंचे थे। वहां बेकाबू बोलेरो ने तेना-नाथासर निवासी नरेश (25) पुत्र चंद्राराम, अंबाराम (29) पुत्र कुंभाराम और भानाराम (25) पुत्र अनोपाराम को टक्कर मार दी। पुलिस ने ड्राइवर को डिटेन कर बोलेरो जब्त कर ली है। तीनों शव शेरगढ़ हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाए। परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया है। परिजन और ग्रामीण मुआवजे की मांग को लेकर शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे शेरगढ़ थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। नरेश, अंबाराम का भतीजा था और भानाराम पड़ोसी था। शेरगढ़ थाना अधिकारी खेताराम सियोल ने बताया- हादसे की सूचना पर रूगाराम और अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचा। स्थानीय निवासी बिशन सिंह ने तीनों को शेरगढ़ हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंदौर में सांची पॉइंट पर स्टीमर ब्लास्ट

इंदौर। इंदौर के मांगलिया स्थित सांची पॉइंट पर हादसा हो गया, जिसमें एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हुआ है। बताया जा रहा है कि ज्यादा गर्म होने से स्टीमर में ब्लास्ट हुआ था। इसमें पेड़े बनाने की कड़ाही का गर्म मावा कर्मचारियों पर उछल गया। एसीपी पराग सैनी के मुताबिक, मांगलिया इलाके में सांची दुग्ध संघ में शुक्रवार शाम पेड़े बनाने की यूनिट में हादसा हुआ। इसमें दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में विनोद कुमार चडार निवासी सागर की मौत हो गई, जबकि तेज सिंह पुत्र सज्जन सिंह निवासी सिंगापुर टाउनशिप गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस ने विनोद के शव को बॉम्बे अस्पताल भेजा है। वहीं, तेज सिंह का अस्पताल में उपचार चल रहा है। सांची संघ के सीईओ विशाल मिश्रा ने बताया कि यह एक हादसा है, जहां भाप ज्यादा होने से कढ़ाई अचानक पलट गई। इसमें दो कर्मचारी घायल हुए थे। हालांकि, हादसे में एक कर्मचारी की मौत हो चुकी है, वहीं दूसरे का उपचार बाम्बे अस्पताल में चल रहा है। हादसे के समय अन्य कर्मचारी भी वहां मौजूद थे, लेकिन किसी को चोट नहीं आई। सीईओ ने सांची दूध संघ में लापरवाही की बात से इनकार किया है। उनका कहना है कि हर माह मशीनों का मेंटेनेंस किया जाता है। पूर्व में किसी कर्मचारी द्वारा किसी तरह की लापरवाही या मशीन पुरानी होने की शिकायत नहीं की गई थी।

एसपी ने किया चांचौड़ा थाने का निरीक्षण, कर्मचारियों से संवाद कर जानी समस्याएं

दैनिक अवन्तिका » गुना

पुलिस अधीक्षक ने गत दिवस जिले के चांचौड़ा थाने का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना स्तर पर पुलिसिंग व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण, शासकीय संसाधनों की स्थिति एवं पुलिस अधिकारियों- कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल द्वारा थाना भवन, हवालात, शस्त्रागार, मालखाना, थाना रिकॉर्ड एवं शासकीय वाहनों सहित थाना परिसर में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने अभिलेखों एवं शासकीय संपत्ति के व्यवस्थित रख-रखाव तथा थाना स्तर पर व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

एसपी द्वारा थाना स्टाफ को अपराधों के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि थाने पर प्राप्त होने वाली आमजन की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से लेते हुए उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक शिकायतकर्ता की बात धैर्यपूर्वक सुनी जाए तथा शिकायत की प्रकृति के अनुरूप नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही की जाए। उन्होंने लंबित अपराधों एवं शिकायतों की नियमित समीक्षा करते हुए उनके निराकरण में अनावश्यक विलंब नहीं करने तथा फरियादियों को समयबद्ध एवं बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। साथ ही थाना स्टाफ से संवाद कर उनके कार्य एवं ड्यूटी से संबंधित जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को जाना। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण एवं बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान थाना स्टाफ के हथियार संचालन संबंधी अनुभव एवं दक्षता को भी परखा गया। उन्होंने पुलिसकर्मियों से शासकीय हथियारों के संचालन एवं उपयोग संबंधी जानकारी ली तथा हथियारों के सुरक्षित एवं प्रभावी संचालन में दक्ष रहने के निर्देश दिए। थाना स्टाफ को निर्देशित किया कि वे अपने कर्तव्यों का पूर्ण जिम्मेदारी, सजगता, संवेदनशीलता एवं अनुशासन के साथ निर्वहन करें। अपराध नियंत्रण एवं अपराधों के त्वरित निराकरण के साथ-साथ आमजन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए पुलिस के प्रति विश्वास को और मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाए।

सामाजिक जन उत्थान एवं सम्मान समिति की छठा समारोह संपन्न

गुना। सामाजिक जन उत्थान एवं सम्मान समारोह समिति राघोगढ़ का छठा विकासखंड स्तरीय सेवानिवृत्ति शिक्षक, प्रतिभावान छात्र/छात्रा एवं वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान समारोह विगत दिनों स्थानीय मंगल भवन में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सतीश चतुर्वेदी शाकुंतल, राजेश गोयल प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बजरंगगढ़ विशिष्ट अतिथि रहे तथा जिला शिक्षा अधिकारी समर सिंह राठौर एवं एसके शिवहरे जिला शिक्षा केंद्र गुना, विकास खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश चंद आर्य व बीआरसीसी राजेंद्र सिंह चौहान द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती का पूजन अर्चन किया गया एवं सभी मंचासीन अतिथियों का स्वागत सत्कार समिति के सदस्यों द्वारा किया गया। तत्पश्चात समिति के अध्यक्ष राम मूर्ति सेन द्वारा अध्यक्षीय भाषण दिया गया। कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा समिति के सचिव चन्द्रलेश श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत की गई। समिति सचिव चन्द्रलेश श्रीवास्तव द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया कि उक्त सम्मान समारोह विगत 2021 से निरंतर चल रहा है और इस वर्ष समिति ने अपना छठा सम्मान समारोह भव्यतापूर्ण संपन्न किया है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एस के शिवहरे द्वारा कार्यक्रम की सराहना करते हुए कार्यक्रम को निरंतर बनाए रखने की अपील की है। डाइट प्राचार्य श्री गोयल द्वारा समिति द्वारा सामाजिक हित में किए जा रहे कार्य की सराहना करते हुए उन्नत और प्रगति करने हेतु अपने आशीष वचन दिए। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं जिला शिक्षा अधिकारी श्री राठौड़ द्वारा प्रथम बार कार्यक्रम में उपस्थिति पर कार्यक्रम की सराहना की एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए जाने वाले नवाचारों एवं शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षा में प्रगति करनी हेतू सभी शिक्षकों से निवेदन किया। मुख्य अतिथि सतीश चतुर्वेदी सर द्वारा वर्तमान की शिक्षा पद्धति पर व्याख्यान दिया एवं बताया गया कि वर्तमान शिक्षा पद्धति नीतिगत ना होते हुए व्यवसायिक हो चुकी है। उन्होंने शिक्षकों को पाठ पुस्तक से अध्यापन कराने हेतु निवेदन किया। साथ ही वर्तमान की शिक्षा पद्धति में परिवर्तन करने हेतु सरकार से अपील की। इस अवसर पर विगत दिनों शिक्षा के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक नरेन्द्र भारद्वाज को राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त होने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन सुधीर शर्मा प्राचार्य डोंगर मोतीपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार समिति के संरक्षक सदस्य प्रमोद श्रीवास्तव द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विकासखंड के सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी श्री वेदांग आंजना पिता श्री आंजना, निवासी-ग्राम जोगीखेडी तहसील घट्टिया जिला उज्जैन (म.प्र.) से उनके एकल स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रमांक-380/3/2 रकबा 0.2100 हेक्टर भूमि जो कि, ग्राम धुलेटिया तहसील घट्टिया जिला उज्जैन (म.प्र.) में स्थित हैं। उपरोक्त वर्णित भूमि को क्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार ने किया हैं तथा विक्रय प्रतिफल की बयाना राशि अदा कर दी गई हैं। यदि उक्त भूमि को विक्रय या अंतरित किए जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तथा उक्त संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था का या स्थानीय शासन का कोई ऋण भार, बोझ, हित, अधिकार, आधिपत्य, दानग्रस्त व प्रतिभूति ग्रस्त, अनुबंधग्रस्त, सौदा चिट्ठी, बंधकग्रस्त, डिक्री या वारिसान आदि का कोई हक, हित या भार हो या इस विक्रय संव्यवहार में कोई आपत्ति हो या मूल दस्तावेज कहीं बंधकग्रस्त हो तो वह मय प्रमाण के मुझसे इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस में मय प्रमाण मुझे लिखित में आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद अवधि गुजर जाने के पश्चात् उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र का पंजीकृत करवा लिया जावेगा। तत्पश्चात् कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नहीं होगी।

सो सूचित हो । दिनांक-11-09-2026

राहुल बारवाल हाई कोर्ट एडवोकेट
22/2, शांति नगर, नीलगंगा रोड, उज्जैन
मो-79994-62735

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी श्री जितेन्द्र पिता श्री लालजी, निवासी-ग्राम धुलेटिया तहसील घट्टिया जिला उज्जैन (म.प्र.) से उनके एकल स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रमांक-381/2 रकबा 0.7900 हेक्टर भूमि जो कि, ग्राम धुलेटिया तहसील घट्टिया जिला उज्जैन (म.प्र.) में स्थित हैं। उपरोक्त वर्णित भूमि को क्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार ने किया हैं तथा विक्रय प्रतिफल की बयाना राशि अदाकर दी गई हैं। यदि उक्त भूमि को विक्रय या अंतरित किए जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तथा उक्त संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था का या स्थानीय शासन का कोई ऋ ण भार, बोझ, हित, अधिकार, आधिपत्य, दानग्रस्त व प्रतिभूति ग्रस्त, अनुबंधग्रस्त, सौदा चिट्ठी, बंध किग्रस्त, डिक्री या वारिसान आदि का कोई हक, हित या भार हो या इस विक्रय संव्यवहार में कोई आपत्ति हो या मूल दस्तावेज कहीं बंधकग्रस्त हो तो वह मय प्रमाण के मुझसे इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस में मय प्रमाण मुझे लिखित में आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद अवधि गुजर जाने के पश्चात् उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र का पंजीकृत करवा लिया जावेगा। तत्पश्चात् कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नहीं होगी। सो सूचित हो । दिनांक-11-09-2026

राहुल बारवाल हाईकोर्ट एडव्होकेट
22/2, शांति नगर, नीलगंगा रोड, उज्जैन
मो-79994-62735

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार द्वारा भूमि स्वामी 1. तेजसिंह डोडिया पिता श्री विक्रमसिंह जी डोडिया, 2. जीवनसिंह डोडिया पिता श्री विक्रमसिंह जी डोडिया, निवासी ग्राम पालखन्दा, तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) से उनके अपने अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य कि सर्वे नम्बर 322/557 रकबा 0.410 हेक्टर मे से रकबा 0.270 हेक्टर, सर्वे नम्बर 321/7/2 रकबा 0.110 हेक्टर, सर्वे नम्बर 321/7/1 रकबा 0.240 हेक्टर, कुल किता 03 कुल रकबा 0.620 हेक्टर भूमि, ग्राम-पालखन्दा तहसील व जिला उज्जैन में स्थित है, उक्त कृषि भूमि को क्रय करने का सौदा किया होकर विक्रय प्रतिफल की राशि मे से टोकन राशि का भुगतान भी उनको कर दिया है। अब केवल अनुबंध पत्र व विक्रय-पत्र का संपादन करवाना शेष है। उक्त सम्पत्ति के क्रय-विक्रय के संबंध में किसी भी संस्था, व्यक्ति को कोई आपत्ति हो या किसी शासकीय या अर्द्धशासकीय कार्यालय, बैंक, सोसायटी आदि का कोई ऋण भार आदि हो या कोई व्यक्ति, सोसायटी, संस्था आदि उक्त सम्पत्ति पर अपना हक, हित, स्वत्व, आदि रखती हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 7 (सात) दिन के अन्दर मय प्रमाण के लिखित रूप में आपत्ति मेरे कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें, ताकि उसका निराकरण किया जा सके। उक्त अवधि के पश्चात् मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि के विक्रय-पत्र का सम्पादन अपने हित में करवा लिया जावेगा। उक्त अवधि के पश्चात् किसी भी प्रकार की कोई उज्ज व आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी तथा ऐसी कोई उज्र व आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नहीं होगी तथा प्रभावशुन्य रहेगी। सो सूचित हो।

इति: दिनांक-11/09/2026

पीयूष पण्ड्या, एडवोकेट
ऑफिस-डी-12 भरतपुरी कॉम्पलेक्स, उज्जैन,
मो. 94248 78460

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा नाज परवीन पति इरफान लाला उर्फ भूरूलाला, उम्र 48 वर्ष, निवासी यादव कालोनी, उज्जैन म.प्र. के स्वत्व स्वामित्व एवं आधिपत्य का मकान यादव कालोनी आगर नाका अबु बकर जमातखाने के पास गली नं. 5 उज्जैन में स्थित है। उक्त मकान को उनके पति इरफान लाला उर्फ भूरूलाल एवं उनके परिवार के द्वारा विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि उक्त मकान को किसी भी व्यक्ति या संस्था के द्वारा क्रय किया जाता है या उक्त मकान को किराये पर लिया जाता है या गिरवी रखा जाता है या किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार किया जाता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उक्त व्यक्ति एवं संस्था की होगी। इसमें मेरी पक्षकार का कोई दायित्व नही होगा। सूचित हो। दिनांक 11/09/2026

शकील शेख एडवोकेट
कार्यालय- हाल नं. 3, न्यू कोर्ट परिसर उज्जैन
मो.नं. 9926910700

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार मनोज गोविंदानी पिता ज्ञानचंद जी निवासी 26, पटेल कॉलोनी, अंकपात मार्ग, उज्जैन ने एक मकान जो कि ईडब्ल्यूएस114. इंदिरा नगर, आगर रोड, उज्जैन को क्रय करने का सौदा सीमा बाई पति गोपाल सिंह आंजना निवासी ग्राम गुंदपुरा, तहसील बडोद जिला आगर मालवा से किया था। मेरे पक्षकार को जानकारी प्राप्त हुई कि सीमा बाई द्वारा उक्त मकान का सौदा किसी अज्ञात से करने का प्रयास किया जा रहा है, जो कि अनूचित है। अत: इस जाहिर सूचना के माध्यम से प्रकाशित किया जाता है कि उक्त मकान का सौदा मेरे पक्षकार से किया गया है, अत: कोई भी संस्था, व्यक्ति इत्यादि सीमा बाई से मकान के संबंध में कोई अनुबंध पत्र इत्यादि न करे, अन्यथा सम्पूर्ण जवाबदारी आप स्वयं की होगी। अत: सूचित हो। दिनांक 10.09.2026

उमेश नामदेव, एड्वोकेट
पता पटेल कॉलोनी, उज्जैन मो. 8770294161

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी श्री विशाल आंजना पिता श्री कमल सिंह आंजना एवं श्री पवन आंजना पिता अंतरसिंह आंजना, निवासी उज्जैन (म.प्र.) से उनके संयुक्त स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रमांक-381/1 रकबा 0.7900 हेक्टर भूमि जो कि, ग्राम धुलेटिया तहसील घट्टिया जिला उज्जैन (म.प्र.) में स्थित हैं। उपरोक्त वर्णित भूमि को क्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार ने किया हैं तथा विक्रय प्रतिफल की बयाना राशि अदा कर दी गई हैं। यदि उक्त भूमि को विक्रय या अंतरित किए जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तथा उक्त संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था का या स्थानीय शासन का कोई ऋण भार, बोझ, हित, अधिकार, आधिपत्य, दानग्रस्त व प्रतिभूति ग्रस्त, अनुबंध ाग्रस्त, सौदा चिट्ठी, बंधकग्रस्त, डिक्री या वारिसान आदि का कोई हक, हित या भार हो या इस विक्रय संव्यवहार में कोई आपत्ति हो या मूल दस्तावेज कहीं बंधकग्रस्त हो तो वह मय प्रमाण के मुझसे इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस में मय प्रमाण मुझे लिखित में आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद अवधि गुजर जाने के पश्चात् उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र का पंजीकृत करवा लिया जावेगा। तत्पश्चात् कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नहीं होगी। सो सूचित हो ।

दिनांक11-09-2026

राहुल बारवाल हाईकोर्ट एडव्होकेट
22/2, शांति नगर, नीलगंगा रोड, उज्जैन
मो. 79994-62735

जाहिर सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा रजिया बी पति स्व. अनवर हुसैन, आयु-55 वर्ष निवासी चित्राबाखल अण्डागली, उज्जैन म.प्र. के आधिपत्य का उज्जैन स्थित भवन नगर पालिका निगम नं. 162 का भाग स्थित चन्द्रशेखर आजाद मार्ग स्थित जिसकी चतुर्सीमा पूर्व में- एहमद खा पिता करीमजी, पश्चिम में- बाबू र्फ अलाबखस पिता करीमजी, उत्तर में कॉमन पैसेज, दक्षिण में रोड चन्द्रशेखर आजाद मार्ग, उजैन म.प्र. में स्थित है। उक्त संपत्ति की 1/2 भाग की मेरी पक्षकारा रजिया बी पति स्व. अनवर हुसैन स्वामी व अधिपतिधारी है तथा 1/2 भाग पर रमजूभाई पिता भूरेखां रंगरेज भाभरा जिला अलीराजपुर का नाम बतौर शामलाती खातेदार दर्ज है। इस प्रकार उक्त संपत्ति मेरे पक्षकार की निजी एवं स्वत्व व स्वामित्व का मकान है, जिसके संबंध में मेरी पक्षकारा की बिना जानकारी व सहमति के अन्य कोई व्यक्ति विक्रय, रहन, गिरवी आदि के संबंध में कोई भी संव्यवहार करता है तो वह शून्य व मेरी पक्षकारा पर बंधनकारी नहीं रहेगा। कोई भी व्यक्ति यदि उक्त मकान को क्रय-विक्रय करता है या किराये पर लेता है या किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार करता है तो संपूर्ण जिम्मेदारी उक्त व्यक्ति की होगी जिसमें मेरी पक्षकारा का कोई दायित्व नहीं होगा और मेरी पक्षकारा उसके विरूद्ध सक्षम न्यायालय में वैधानिक कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगी। इति दिनांक 11.09.2026

शकील शेख एडवोकेट
कार्यालय- हॉल नं.3 न्यू कोर्ट परिसर
जिला न्यायालय, उज्जैन मो. 9926910700

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी श्रीमती निर्मला जांगडे पति श्री शंकरराव जांगडे, निवासी- ईडब्ल्यूएस 163 नानाखेड़ा योजना क्रमांक-2 उज्जैन (म. प्र.) के एकल मालिकी स्वामित्व में भवन क्रमांक-163 श्रेणी ईडब्ल्यूएस उज्जैन विकास प्राधिकरण की नानाखेड़ा योजना क्रमांक-2 उज्जैन (म. प्र.) में स्थित है। भवन दो मंजिला (जी+1) आर. सी. सी. की छत का निर्मित होकर भवन की पैमाईश में भूखण्ड / भवन सामने से 4.00 मीटर, पीछे से 4.00 मीटर, एक बाजू 9.42 मीटर तथा दूसरी बाजू 9.42 मीटर के माप का होकर भवन के भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल-37.68 वर्गमीटर है। भवन की चर्तु:सीमा में- पूर्व दिशा में-भवन क्रमांक-164, पश्चिम दिशा में-भवन क्रमांक-162, उत्तर दिशा में कॉलोनी की सडक एवं दक्षिण दिशा में-भवन क्रमांक-178 स्थित है। उक्त पैंमाईश व चर्तु:सीमा के मध्य स्थित भवन को क्रय करने का सौंदा मेरे पक्षकार ने उपरोक्त भवन स्वामी से कर आंशिक राशि अदा कर दी है शेष राशि का भुगतान कर, विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना बाकी है। उक्त भवन पर अन्य किसी व्यक्ति, सोसायटी, संस्था, समूह, वित्तीय निकाय, बैंक, पेढ़ी, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, आदि का किसी भी प्रकार का कोई स्वत्व हित व अधिकार अथवा भार, बोझ, दान, विक्रय, बक्षीस, बकाया आदि हो अथवा किसी भी प्रकार का कोई सुखाधिकार हो अथवा इस विक्रय व्यवहार में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो इस ज़ाहिर सूचना के प्रकाशन के 07 (सात) दिन में अपनी आपत्ति मय लिखित प्रमाण के मेरे समक्ष प्रस्तुत करे ताकि उसका निराकरण किया जा सके अन्यथा मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन करा लेंगे व उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी। सूचित हो। इति दिनांक-11.09.2026

राजकुमार प्रजापत एडवोकेट
कार्यालय- ए -1 भरतपुरी काम्पलेक्स, देवास रोड
उज्जैन मो. 94259-46659

NAME CHANGE

I Shrmila Gupta W/o Navneet Gupta

I Have Change My Name Shrmila Gupta To Sharmila Gupta W/o Navneet Gupta For All Future Purpose As Prescribed In My Government Certified Document

Address:-17 Arihant Parisar Hira Mill Road Koyla Fatak Ujjain

Pin code 456001

एनएफआरद्वारा दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

मालीगांव- आगामी त्यौहारों के मौसम में यात्रियों की सुविधा और भीड़ को देखते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के विस्तारित परिचालन का निर्णय है। इनमें ट्रेन संख्या 04008/04007 (आनंद विहार टर्मिनल - जोगबनी - आनंद विहार टर्मिनल) फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 08047/08048 (सांतरागाछी जंक्शन-नाहरलगुन-सांतरागाछी जंक्शन) स्पेशल शामिल हैं। ये स्पेशल ट्रेनें बेहतर कनेक्टिविटी और यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी, जिससे यात्रियों को त्यौहारों के मौसम में अपनीसुलभ यात्रा की योजना बनाने में मदद मिलेगी। ये ट्रेनें अपने मौजूदा अनुसूची, समय-सारणी, कोच की संख्या और ठहरावों के साथ चलेंगी। ट्रेन संख्या 04008 (आनंद विहार टर्मिनल - जोगबनी) फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस की सेवाएँ 10 अक्टूबर से 7 नवंबर, 2026 तक 05 फेरों के लिए चलेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 04007 (जोगबनी - आनंद विहार टर्मिनल) फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस की सेवाएँ 11 अक्टूबर से 8 नवंबर, 2026 तक 05 फेरों के लिए चलेगी। यह ट्रेन गाज़ियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, गोंडा, गोरखपुर जंक्शन, छपरा, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगडिया, नवगछिया, कटिहार, पूर्णिया जंक्शन और फारबिसगंज आदि स्टेशनों से होकर गुज़रेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इस ट्रेन में 20 कोच होंगे।

पश्चिम रेलवे

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-एम.एच.-अ.-07092026-276043
CG-MH-E-07092026-276043
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II-खण्ड 3- उप - खण्ड (i)
PART II-Section 3 - Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 714] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 5, 2026 / भाद्र 14, 1948
No. 714] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 5, 2026/BHADRA 14, 1948

रेल मंत्रालय
[पश्चिम रेलवे (निर्माण संगठन)]
अधिसूचना
मुंबई, 4 सितम्बर, 2026

सा.का.नि. 782(अ).— केंद्रीय सरकार, रेल अधिनियम, 1989 (रेल संशोधित अधिनियम 2008) की की धारा 20 (क) की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ये समाधान हो जाने के पश्चात् कि लोक प्रयोजन के लिए यह भूमि जिसका संक्षिप्त विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, मध्य प्रदेश राज्य के उज्जैन जिले में विशेष रेल परियोजना नईखेड़ी से चिंतामण गणेश को जोड़ने वाली नई बीजी (BG) उज्जैन बायपास लाइन योजना निर्माण के निष्पादन, अनुरक्षण प्रबंधन एवं संचालन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि के अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर, उक्त अधिनियम की धारा 20 घ की उप-धारा (1) के अधीन उपर्युक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन और उपयोग के संबंध में आक्षेप कर सकेगा।

प्रत्येक ऐसा आक्षेप सक्षम अधिकारी अर्थात्, सक्षम प्राधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी, (राजस्व), अनुविभाग- उज्जैन (ग्रामीण) जिला उज्जैन म.प्र. को लिखित रुप में किया जाएगा और उसमें उसके आधार उपवर्णित करेगा और सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रुप में या विधि व्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और सभी ऐसे आक्षेपों की सुनवाई और जांच यदि कोई हो, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे तो, आदेश द्वारा या तो आक्षेपों के लिए अनुमति देगा या अनुमति प्रदान नहीं करेगा।

उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उप-धारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिया गया आदेश अंतिम होगा। इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि का रेखांकन और भूमि के अन्य ब्योरे उपलब्ध है और हितबद्ध व्यक्ति द्वारा सक्षम अधिकारी के उपर्युक्त कार्यालय एवं अनुविभागीय अधिकारी, (राजस्व), अनुविभाग के कार्यालय में उनका निरीक्षण किया जा सकेगा।

अनुसूची

मध्य प्रदेश राज्य के उज्जैन जिले में नईखेड़ी से चिंतामण गणेश को जोड़ने वाली नई बीजी (BG) उज्जैन बायपास लाइन निर्माण परियोजना के लिए अधिग्रहण की जाने वाली संरचना सहित या संरचना रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण---

ग्राम :- चिंतामण जवासिया				तहसील:-उज्जैन		जिला :-उज्जैन
क्र.	सर्वे नंबर	भूमि का कुल रकबा	अर्जित भूमि का रकबा	भूमि का प्रकार निजी/ शासकीय	भूमि की प्रकृति कृषि/ पडत/व्यपवर्तित	भूमि सिंचित/ असिंचित
1	260/3/1	1.6400	1.3582	निजी	व्यवसायिक	सिंचित
2	249/2	1.000	0.0097	निजी	कृषि	सिंचित
ग्राम :- मोहनपुरा				तहसील:-उज्जैन		जिला :-उज्जैन
क्र.	सर्वे नंबर	भूमि का कुल रकबा	अर्जित भूमि का रकबा	भूमि का प्रकार निजी/ शासकीय	भूमि की प्रकृति कृषि/ पडत/व्यपवर्तित	भूमि सिंचित/ असिंचित
1	592	0.5330	0.1047	शासकीय	चारागाह	सिंचित
2	611	1.4320	0.0715	शासकीय	रास्ता	असिंचित
3	672	0.2090	0.0918	शासकीय	कृषि	सिंचित
4	674	6.5850	2.5523	शासकीय	कृषि	सिंचित
5	675	0.1150	0.1061	शासकीय	कृषि	सिंचित
6	676	4.6510	0.0508	शासकीय	कृषि	सिंचित
ग्राम :- मंगरोला				तहसील:-उज्जैन		जिला :-उज्जैन
क्र.	सर्वे नंबर	भूमि का कुल रकबा	अर्जित भूमि का रकबा	भूमि का प्रकार निजी/ शासकीय	भूमि की प्रकृति कृषि/ पडत/व्यपवर्तित	भूमि सिंचित/ असिंचित
1	952	0.5600	0.0764	शासकीय	कृषि	सिंचित
2	998	1.2500	0.1850	शासकीय	कृषि	सिंचित
3	805	1.1800	0.2329	शासकीय	कृषि	सिंचित
4	822	0.3000	0.1381	शासकीय	कृषि	सिंचित
5	829	0.4200	0.0627	शासकीय	कृषि	सिंचित
6	917	0.5800	0.1135	शासकीय	कृषि	सिंचित
7	951	0.1900	0.1191	शासकीय	कृषि	सिंचित
8	850	0.6600	0.0628	शासकीय	कृषि	सिंचित
9	855	0.4000	0.0075	शासकीय	कृषि	सिंचित

[फा. सं. ई -504970-04]

0577 धीरज कुमार, मुख्य अभियन्ता निर्माण - IV

न्यूज-कॉलम

अबेकस की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हितांशी ने हासिल की मेरिट

मंदसौर। शहर की बालिका हितांशी सौरभ सोमानी ने मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय अबेकस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है। माइंड पावर अबेकस सिस्टम (एमपीएएस) द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय परीक्षा में हितांशी ने अपनी तीव्र मानसिक गणना और एकाग्रता का परिचय दिया। उनकी इस उपलब्धि पर संस्थान की संचालिका सविता जायसवाल ने स्मृति-चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कृषि मंडी मे चार दिन का अवकाश रहेगा

नीमच। कृषि उपज मण्डी समिति नीमच के सचिव उमेश बसेड़िया (शर्मा) ने बताया कि कल शनिवार को बैंक अवकाश, 13 सितम्बर को रविवार, 14 सितम्बर को गणेश चतुर्थी (शासकीय अवकाश) एवं 15 सितम्बर को व्यापारी संघ द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर पर्यूषण पर्व को लेकर नीमच मण्डी में अवकाश घोषित किया गया है। इस तरह कुल केव से अवकाश घोषित किया गया है मंडी समिति ने किसानों से अवकाश के दिनों में उपज विक्रय के लिए नहीं आने और सुविधा से बचने की अपील की है द्य

सेवा संकल्प अभियान के तहत होंगे विभिन्न कार्यक्रम

मन्दसौर। आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारी के संबंध में जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक आयोजित हुई । बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, गरोठ विधायक चंदर सिंह सिसोदिया, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन आदि मौजूद थे । सेवा संकल्प अभियान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। सेवा संकल्प अभियान में ड्राइंग प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, आंगन का उत्सव, आंगनबाड़ी सम्मान संवाद कार्यक्रम, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, जल जन और सेवा संकल्प यात्रा, सेवा मेरा योगदान, स्वच्छता तथा विकास का सौंदर्य करण, सरकार आपके द्वार आदि कार्यक्रम आयोजित होंगे।

पेंशनर महासंघ की त्रैमासिक बैठक18 को

मंदसौर। सेवानिवृत एवं पेंशनर नागरिक महासंघ मंदसौर की त्रैमासिक बैठक 18 सितम्बर को दोपहर 1 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय वृद्धजन सेवा केंद्र पर आयोजित की जाएगी। संगठन के कार्यकारी जिला अध्यक्ष श्रवणकुमार त्रिपाठी एवं जिला सचिव चंद्रकांत शर्मा ने बताया कि बैठक में जिले में चलाए गए सदस्यता अभियान की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा स्थापना दिवस समारोह में वरिष्ठ सदस्यों के सम्मान तथा वर्ष 2027 में होने वाले जिला कार्यकारिणी के त्रैवार्षिक निर्वाचन से पूर्व सभी क्षेत्रीय व नगर मोहल्ला इकाइयों के पुनर्गठन पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

बैकों की हड़ताल सफल रही, कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नीमच

युनाईटेड फोरम आफ बैक यूनियन्स के आव्हान पर देशव्यापी हड़ताल के कारण नीमच जिले की बैकों में भी पूर्ण हड़ताल रही बैंकों के ताले भी नहीं खुले। इस हड़ताल में राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ निजी क्षेत्र, सहकारी एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अधिकारी कर्मचारी भी पूरे दिन की हड़ताल पर रहे।

हड़ताल में सम्मिलित सभी अधिकारी कर्मचारी पंजाब नेशनल बैंक की टैगोर मार्ग शाखा के समक्ष सुबह १०.३० बजे एकत्रित हुए और अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

युनाईटेड फोरम आफ बैक यूनियन्स के जिला अध्यक्ष किशोर जेवरिया ने कहा कि मार्च 2024 के आई.बी.ए और बैंक प्रबन्धकों की कर्मचारी यूनियनों से पांच दिवसीय बैंक कार्य दिवस करने का समझोता हुआ था जो सरकार के वित्त मंत्रालय में मंजूरी के लिये पड़ा है। इसी तरह भेदभावपूर्ण पीएलआई योजना एवं द्विपक्षीय वार्ता के सहमत मुद्धों पर लगातार उपेक्षापूर्ण रवेये के कारण यह हड़ताल की गई। बैंकों के विलय के कारण बैंकों और कर्मचारियों की संख्या लगातार घट रही है जिसके कारण ग्राहक सेवा लगातार प्रभावित हो रही है, और इसके कारण जन आक्रोश का सामाना बैंक कमीर्यों को करना पड़ रहा है।

फोरम के सचिव सतीश भटनागर ने कहा कि सरकार द्वारा हमारी मांगें नहीं माने जाने पर आगामी 28-29 और 30 सितम्बर को भी हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है और सरकार ने अडियल रवैया अपनाया तो २ अक्टुबर से बैंककर्मी अनिश्चितकालीन बैंक हड़ताल पर जा सकते हैं।

बैंक कर्मचारियों को प्रकाश भट्ट, सदाकत हुसैन, ब्रजेन्द्रसिंह सोंलकी, श्री कान्त शर्मा, सीटू के प्रदेश सचिव शैलेन्द्रसिंह ठाकुर ने भी सम्बोधित किया। सभी ने अपने सम्बोधन में बैकों में घटती कर्मचारियों की संख्या की वजह से ग्राहक सेवा में परेशानी और भेदभावपूर्ण पी.एन.आई योजना, पेन्शन अपडेशन एवं अन्य द्विपक्षीय समझोते की शर्तो के उल्लंघन पर अपनी बात कही।

मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर में 112 समस्याओं का मौके पर निराकरण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मंदसौर

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मल्हारगढ़ तहसील के ग्राम बूढ़ा में विशाल जन-समस्या निवारण शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में पहुंचे कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने ग्रामीणों की शिकायतें और समस्याएं सीधे सुनीं। इस दौरान कुल 348 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 112 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कर ग्रामीणों को तत्काल राहत दी गई, वहीं शेष 236 आवेदनों के पारदर्शी समाधान के लिए अधिकारियों को सख्त समय-सीमा तय की गई। शिविर में ही ग्राम ढाबला निवासी दिव्यांग जानी बाई द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर कलेक्टर ने तुरंत संज्ञान लिया और सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से उन्हें स्थल पर ही नई ट्राईसाइकिल भेंट की।

शिविर के पश्चात कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने क्षेत्र का सघन दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम डोरवाड़ा में प्राथमिक कृषि साख संस्था एवं शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर खाद्यान्न स्टॉक व वितरण प्रणाली की जांच की तथा किसानों को निर्बाध सेवाएं देने के निर्देश दिए। इसके बाद ग्राम लसुड़िया राठौर स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों से संवाद कर उनके साथ मध्याह्न भोजन किया और शाला परिसर में पौधारोपण किया। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना के तहत संचालित झीणिवार फूड्स तथा ग्राम बादपुर में पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया। शिविर व दौरे के दौरान जिला पंचायत सीईओ अनुकूल जैन, एसडीएम स्वाति तिवारी, जनपद सीईओ निर्देशक शर्मा एवं जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सोसायटी चुनाव की रंजिश में जान से मारने की धमकी, थाने में शिकायत दर्ज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ रतलाम

शहर के संत कंवरराम सिंधु नगर (विरियाखेड़ी) निवासी सुरेश पोपटानी ने कमलेश कर्मचंदानी के खिलाफ फोन पर गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित का आरोप है कि एक वर्ष पूर्व भाजपा नेता विनोद कर्मचंदानी ने भी उनकी माता मीना देवी और उन्हें धमकी दी थी, और अब उनके भाई द्वारा पुरानी रंजिश के तहत लगातार धमकियां दी जा रही हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फरियादी सुरेश पोपटानी ने औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाने में दी गई रिपोर्ट में बताया कि वे गोलियां-बिस्कुट का व्यापार करते हैं। उन्होंने कमलेश कर्मचंदानी के काका हीरालाल कर्मचंदानी के सामने कॉलोनी सोसायटी का चुनाव लड़ा था, जिसके बाद से ही आरोपी उनसे रंजिश रख रहा है। सुरेश पोपटानी का कहना है कि आरोपी की धमकियों के कारण उनका और उनके परिवार की महिलाओं का घर से बाहर निकलना दुश्वार हो गया है। पीड़ित अपनी मां मीना देवी, पत्नी दिव्या पोपटानी और बेटे दीपांशु पोपटानी के साथ थाने पहुंचे और पुलिस से सुरक्षा व कार्रवाई की गुहार लगाई। फरियादी ने धमकी की कॉल रिकॉर्डिंग पुलिस को पेनड्राइव में सौंपने का दावा किया है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

5 दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर बैंककर्मियों की रही हड़ताल

मंदसौर। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर जिले में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों के कर्मचारियों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल रखी। हड़ताल के कारण सार्वजनिक व क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में कामकाज पूरी तरह ठप्प रहा। बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों ने गांधी चौराहे पर एकत्रित होकर केंद्र सरकार व प्रबंधन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मार्च 2024 में 5-दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने पर सहमति बनने के बावजूद इसे लागू नहीं किया गया है। इसके अलावा एकतरफा पीएलआई भुगतान, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, पेंशन में नियमित संशोधन और बड़े डिफॉल्टरों से शत-प्रतिशत ऋण वसूली की मांगें उठाई गईं। बैंक संघ के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों का समाधान जल्द नहीं हुआ तो 28 सितंबर से तीन दिवसीय हड़ताल और 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।प्रदर्शन को नरेंद्रसिंह राठौर, ललित मूंगेड, एस आर शास्ता, महेंद्रसिंह चन्द्रावत, श्रीनिवास मोड़, सुधांशु दरगढ़, राजेश व्यास, नीलेश परिहार, त्रिलोक सिंह शक्तावत, राहुल मांदलिया, राजेंद्र गुप्ता, प्रज्ञा जैन, पूनम रावल, शीतल राजपुरोहित, रामरूप मीणा, सुनील जैन, मोहित राठौर, विपिन यादव सहित अनेक बैंककर्मी उपस्थित थे ।

कांग्रेस ने तहसील को सूखाग्रस्त करने की मांग की

दैनिक अवन्तिका ▸▸ पिपलिया मंडी

अल्पवर्षा से तहसील के काकासाहेब गाडगिल सागर, सौम्या तालाब,रेतम बैराज, नारायणगढ़ के तालाब के साथ ही अन्य जलाशय सितंबर आधा निकलने के बाद मात्र 25 से 30 प्रतिशत ही भरे है।बाकी जगह खाली ही पड़ी है इससे किसानों की चिंताएं खरीफ के साथ ही रबी की फसल को लेकर काफी बढ़ गई है।शुक्रवार को जिला कांग्रेस के महासचिव अनिल शर्मा, कांग्रेस नेता बाबुखा मेवाती,अजित कुमठ, अफसर मंजूरी,अनिल मुलासिया आदि ने सौम्या तालाब,रेतम बैराज, नारायणगढ़ तालाब,काका गाडगिल सागर आदि का मौके पर पहुंच कर पानी के भराव को देखा व सिंचाई विभाग के एसडीओ वीरेंद्र चौहान से चर्चा की चौहान ने बताया कि जलाशय 30 से 35 प्रतिशत तक ही भरे है और लगभग 10 प्रतिशत मौसम व गर्मी से खाली होसकते है।उन्होंने बताया कि काकासाहेब गाडगिल सागर से 1900 सो हेक्टेयर,सौम्या तालाब से 588 एवं रेतम बैराज से 1800 सो हेक्टेयर जमीन सिंचित होती है,रेतम बैराज से नारायणगढ़ की पेयजल योजना भी संचालित होती है।गाडगिल सागर से मल्हारगढ़ एवं पिपलिया मंडी की पेयजल योजनाएं संचालित होती है अगर हालात यही रहे तो नगरीय क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रो में भी पयेजल की गम्भीर समस्या उतपन्न होने के आसार साफ परिलक्षित होते है।

तहसील को सूखाग्रस्त घोषित कर राहत कार्य शुरू कर सभी प्रकार की वसूलियों को स्थगित किया जाय।जिला कांग्रेस के महासचिव अनिल शर्मा ने जलाशयों के निरीक्षण के बाद कहा कि क्षेत्र के जलाशयों की भरने की उम्मीद काफी कम है ऐसे में सरकार तत्काल तहसील को सूखाग्रस्त घोषित कर सभी प्रकार की वसूलियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर राहत कार्य शुरू करना चाहिए।शर्मा ने यह भी कहा कि तहसील को सूखाग्रस्त करने की मांग को लेकर कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल अनुविभागीय अधिकारी से मिलेगा।

द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर में भव्य गणेशोत्सव की तैयारियां

मंदसौर। जनकुपुरा गणपति चौक स्थित अति प्राचीन श्री द्विमुखी

चिंताहरण गणपति मंदिर में 14 से 25 सितंबर तक बारह दिवसीय गणेशोत्सव पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। उत्सव के दौरान शुक्ला चौक से गणपति चौक तक नयनाभिराम विद्युत सजावट की जाएगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष पं.दिलीप शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल, सचिव गोपाल मंडोवरा एवं कोषाध्यक्ष राजकुमार सिंहल ने बताया कि 14 सितंबर गणेश चतुर्थी पर प्रातः 11.15 बजे पार्थिव प्रतिमा स्थापना और आचार्य पंडित सत्यनारायण जोशी के सानिध्य में पूजन-हवन आयोजित होगा व दोपहर 12.30 बजे हवन की पूणार्हुति और आरती होगी। उत्सव के दौरान प्रतिदिन रात्रि 8 बजे 21 ढोल, नगाड़ों व ताशों के साथ महाआरती होगी,25 सितंबर अनंत चतुर्दशी पर रात्रि 9 बजे जिला कलेक्टर दिव्यांक सिंह एवं एसपी विनोद कुमार मीना द्वारा पूजन-अर्चन के बाद आकर्षक झांकियों का चल समारोह आरंभ होगा।

नेशनल लोक अदालत 12 सितंबर को, बकाया टैक्स जमा करने पर पेनल्टी में 100 प्रतिशत तक छूट

पिपलियामंडी। नगर परिषद पिपलियामंडी कार्यालय में 12 सितंबर 2026 शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित लोक अदालत में बकाया संपत्तिकर, समेकितकर, स्वच्छता उपकर, जलकर एवं उपभोक्ता प्रभार की मूल राशि जमा करने पर पेनल्टी में 100 प्रतिशत तक छूट का लाभ दिया जाएगा। नगर परिषद ने क्षेत्र के सभी भवन एवं भूमि स्वामियों तथा नल कनेक्शन उपभोक्ताओं से अपील की है कि जिनका टैक्स बकाया है, वे लोक अदालत के दिन अपनी मूल बकाया राशि जमा कर पेनल्टी में छूट का लाभ उठाएं। नगर परिषद द्वारा बकायादारों को सूचना पत्र भी जारी किए गए हैं। जिन लोगों को सूचना पत्र प्राप्त नहीं हुआ है, वे इस सूचना को ही सूचना मानते हुए अपना बकाया टैक्स जमा कर छूट का लाभ ले सकते हैं। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने सभी बकायादारों से लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की है।

पश्चिम रेलवे - रतलाम

ई–नीलामी सूचना

क्र.सं. 1। ऑक्शन केटलॉग सं: ADVT-RTM-26-17। अनुबंध का प्रकार: Advertising. लॉट नं: ADVT-RTM-RTM-OSN-170-26-1 (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))। अनुबंध की अवधि: 05 वर्ष। ई–नीलामी की तिथि: 27.07.2026। समय: प्रातः 11:00 बजे। क्र.सं. 2। ऑक्शन केटलॉग सं: MSS-RTM-26-18। अनुबंध का प्रकार: Misc. Static Services। लॉट नं: MSS-RTM-KUH-PrKiosk-72-25-1 (Mise-Static-Services - Promotional Kiosk)। अनुबंध की अवधि: 05 वर्ष। ई–नीलामी की तिथि: 27.07.2026। समय: प्रातः 11:00 बजे। प्रारंभिक कुलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। अनुक्रमिक लॉट को बंद करने का अंतराल 10 मिनट है। IREPS के ई–ऑक्शन मॉडयूल पर लॉटवाइज समापन समय देखा जा सकता है। 0151

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

न्यूज कालम

डिप्टी कलेक्टर एवं परियोजना अधिकारी ने न. प. जावद का किया निरीक्षण

नीमच। डिप्टी कलेक्टर एवं परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण नीमच द्वारा बुधवार को नगर परिषद जावद का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालयीन व्यवस्थाओं के साथ विभिन्न योजनाओं एवं प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की गई।निरीक्षण में सीएम हेल्पलाइन, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का अवलोकन किया गया। संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रकरणों में नियमानुसार समयबद्ध कार्यवाही करते हुए योजनाओं की प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।डिप्टी कलेक्टर ने नगर परिषद में निमार्णाधीन कार्यालय भवन का मौके पर निरीक्षण कर निर्माण कार्य की स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के संबंध में उपयंत्री को आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही नामांतरण पंजी रजिस्टर का भी निरीक्षण किया गया। दायरा रजिस्टर में नामांतरण के सभी प्रकरण पूर्ण रूप से दर्ज नहीं पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों को अभिलेखों को अद्यतन एवं व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद के उपयंत्री सहित संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के हित महाविद्यालय में बीज गणेश कार्यशाला हुई

मंदसौर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण एवं जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से इको क्लब, वनस्पति विज्ञान विभाग और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में बीज गणेश निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाईं। इको क्लब संयोजक डॉ. प्रेरणा मित्रा ने बताया कि प्लास्टर ऑफ पेरिस और रासायनिक रंगों से होने वाले जल प्रदूषण को रोकने के लिए यह पहल की गई है। इन प्रतिमाओं में फलदार और औषधीय पौधों के बीज मिलाए गए हैं, जिससे गणेश विसर्जन के बाद ये मिट्टी में मिलकर नए पौधों के रूप में अंकुरित हो सकेंगे। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने आगामी गणेशोत्सव में केवल पर्यावरण-अनुकूल प्रतिमाओं का उपयोग करने का संकल्प लिया।

शासकीय आयोजनों में पूर्व वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों को मिले सम्मान

विधायक जैन ने लिखा कलेक्टर को पत्र

मंदसौर। मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाले

शासकीय कार्यक्रमों में पूर्व जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने को लेकर विधायक विपिन जैन ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखा है। पत्र में पूर्व मंत्री व विधायक रहे कैलाश चावला तथा पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल को भी शासकीय कार्यक्रमों में नियमित व सम्मानपूर्वक आमंत्रित करने का आग्रह किया गया है। विधायक विपिन जैन ने कहा कि मंदसौर में आयोजित शासकीय कार्यक्रमों में प्रायः पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया को आमंत्रित किया जाता है, जबकि कैलाश चावला और नवकृष्ण पाटिल भी क्षेत्र के वरिष्ठ एवं अनुभवी नेता हैं जो यहीं निवास करते हैं। राजनीतिक समावेशिता और उनके लंबे अनुभव का लाभ क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में मिल सकता है। उन्होंने मांग की कि भविष्य के सभी शासकीय आयोजनों में पूर्व विधायक श्री सिसौदिया के साथ श्री चावला और श्री पाटिल को भी सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाए।

41 वीं चारभुजा पैदल यात्रा का किया भव्य स्वागत

पिपलिया मंडी। प्रति वर्षों अनुसार इस वर्ष भी रतलाम संजीत के संयुक्त तत्वाधान में 11 सितंबर 2026 को आयोजित श्री चारभुजा यात्रा का पिपलिया मंडी आगमन पर स्थानीय मुकेश कुमार जगदीश चंद्र साबू परिवार के मार्गदर्शन में उक्त यात्रा का अपने। प्रतिष्ठान पर चाय नश्ता देकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर यात्रा प्रभारी राधेश्याम साबू, मुकेश साबू, संजय माधव गोपी किशन सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर
झोन क्रमांक-17

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता- आनंद कालके पिता जगन्नाथ कालके 2-रेखा पति आनंद क्रेता- फेयर फिल्ड बिल्डर्स एंड डेवलपर्स तर्फे भागीदार आशुतोष उपाध्याय पिता दुर्गाशंकर उपाध्याय पता- 109 कल्याण सम्पत्त आर्यिड ग्राम भोरसला इन्दौर पिन- 1003078535 नामांतरण एवं विभाजन संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 15 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति बैक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 17 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-17 नगरपालिका निगम इन्दौर

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर
झोन क्रमांक-18

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता- तुलसीराम पिता जगन्नाथ मौर्य क्रेता- जितेन्द्र पिता विक्रम वार्ड 52 पता- 61 अजय बाग कालोनी इन्दौर पिन- 1001321440 नामांतरण एवं विभाजन संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 15 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति बैक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 18 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-18 नगरपालिका निगम इन्दौर

कार्यालय नगर पालिक निगम इन्दौर
झोन क्रमांक-18

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता- रणजीत पिता मुन्नालाल सिलावट क्रेता- प्रताप पिता वीनूभाई पटेल वार्ड 63 पता- सी-4 प्रकोष्ठ स्कीम नं. 31 नवलखा काम्पलेक्स इन्दौर पिन- 1004686506 नामांतरण एवं विभाजन संपत्ति या नामान्तरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 15 दिवस की समयावधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति बैक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामातंरण पर आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 18 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रं.-18 नगरपालिका निगम इन्दौर

कार्यालय नगर पालिका परिषद, नीमच जिला नीमच (म.प्र.)

क्रं. 319/ई-टेण्ड/01/लो.नि.वि./2026/ नीमच, दिनांक 10.09.2026

ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न लिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देख सकते हैं।

क्रं./टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा प्रपत्र की अंतिम तिथि
2026_UAD_523182	वार्ड क्रं. 13 बगीचा नं. 4 अब्दुल कलाम तक नाली निर्माण कार्य।	6 Months 414858+GST	Rs. 2000/- Rs. 5000/-	26-09-2026
2026_UAD_523181	वार्ड क्रं. 13 हरीजन बस्ती ट्रायएन्गल निर्माण कार्य।	6 Months 395336+GST	RS. 2000/- Rs. 4000/-	26-09-2026
2026_UAD_523201	वार्ड क्रं. 01 महिला स्नानगृह निर्माण कार्य।	6 Months 588191+GST	RS. 2000/- Rs. 6000/-	26-09-2026
2026_UAD_490489	वार्ड क्रं. 06 शिव मंदिर में चबूतरा निर्माण कार्य	6 Months 84477+GST	RS. 2000/- Rs. 4000/-	26-09-2026
2026_UAD_523192	वार्ड क्रं. 06 मांगलिक भवन में कीचन शेड व पेपर ब्लाक निर्माण	6 Months 716486+GST	RS. 2000/- Rs. 7200/-	26-09-2026
2026_UAD_523195	वार्ड क्रं. 23 बंगला नं. 55 में नाली निर्माण कार्य	6 Months 404537+GST	RS. 2000/- Rs. 4500/-	26-09-2026

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

श्रीमती स्वाती गौरव चोपड़ा, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद नीमच
श्री मनोहर मोटवानी, सभापति लो.नि.वि., नगर पालिका परिषद नीमच
मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद नीमच

नेशनल लोक अदालत 12 सितंबर को

तराना। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा आयोजित नेशनल लोक अदालत आज 12 सितंबर को आयोजित की जाएगी। लोग अदालत में न्यायालय में लंबित आपराधिक प्रकरण जिसमें विद्युत संबंधित प्रकरणों में 20 प्रतिशत छूट सिविल प्रकरणों एवं चेक के परिणाम में न्यायालय शुल्क उनका वापस एवं संपर्क संपत्तिकर बैंक से लोन संबंधित प्रश्नों में अधिक से अधिक फूड प्रदान किए जाने के संबंध में गुरुवार को मीटिंग आयोजित की गई। अभिभाषक संघ तराना में अभिभाष गण के साथ मीटिंग आयोजित की गई जिसमें जिला विधिक सेवा समिति तराना के अध्यक्ष न्यायाधीश प्रेम साहू, शिरीष शुक्ला, न्यायिक मजि. प्रथम श्रेणी संगीता शुक्ला, न्यायिक मजि. प्रथम श्रेणी दीपक सोनी, अभिभाषक संघ अध्यक्ष महेश जोशी, वरिष्ठ अभिभाषक जगदीश परमार, सहित अन्य अभिभाषक गणित उपस्थित रहे।

यात्री बसों की चेकिंग में चार बसें जब्त, 34 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई

राजगढ़-ब्यावरा। कलेक्टर डॉ.मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निदेर्शानुसार ब्यावरा में भोपाल चौराहा के आसपास पचोर रोड एवं भोपाल रोड पर यात्री बसों की सघन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान बसों के आवश्यक दस्तावेज, फिटनेस, परमिट एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की गई। जांच के दौरान बस क्रमांक एमपी 39 पी 5111 कुरैशी बस सर्विस बिना फिटनेस के संचालित पाई गई। उक्त बस को जब्त कर थाना सिटी ब्यावरा में रखा गया। इसी प्रकार बस क्रमांक एमपी 04 पीए 4140 रॉयल बस सर्विस की जांच के दौरान अग्निशमन यंत्र सही स्थिति में नहीं पाया गया। इसके चलते बस को जब्त कर थाना सिटी ब्यावरा में रखा गया।

इंदौर में आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक

ब्यावरा। आगामी 19 सितंबर को इंदौर में आयोजित होने वाले छात्रों की गूंज कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छात्र संवाद कार्यक्रम की तैयारियों एवं आयोजन को लेकर राजगढ़ कांग्रेस कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष प्रियव्रत सिंह खींची की अध्यक्षता एवं जिला कांग्रेस प्रभारी, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक वि. कुक्षी सुरेंद्र सिंह हनी बघेल की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित बैठक में शामिल होकर कार्यक्रम की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं अधिक से अधिक छात्र-युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की। यह कार्यक्रम युवाओं और छात्रों की आवाज को मजबूती देने तथा उनके मुद्दों को प्रमुखता से सामने लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कांग्रेस युवा शक्ति के साथ मिलकर लोकतंत्र और अधिकारों की इस आवाज को और बुलंद करेंगे।

13 प्रकरण दर्ज कर 64 लीटर कच्ची देशी मदिरा जब्त

राजगढ़-ब्यावरा। राजगढ़ जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, धारण, विक्रय एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आबकारी विभाग द्वारा विशेष अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न संदिग्ध स्थलों पर दबिश देकर अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग की टीम द्वारा 13 आपराधिक प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा के तहत पंजीबद्ध किए गए। मौके से लगभग 64 लीटर कच्ची हाथभट्टी मदिरा एवं 12 पाव देशी मदिरा प्लेन विधिवत जब्त कर आबकारी विभाग के कब्जे में लिया गया।

नगर परिषद अध्यक्ष उपचुनाव: तीसरे दिन भी नहीं भरा नामांकन, 10 फॉर्म लिए गए

भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशी का इंतजार, 15 सितंबर तक दाखिल होंगे नामांकन

मुख्यमंत्री के संभावित दौरे के बाद भाजपा कर सकती है प्रत्याशी की घोषणा

कांग्रेस के दावदार ने किया जनसंपर्क शुरू

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

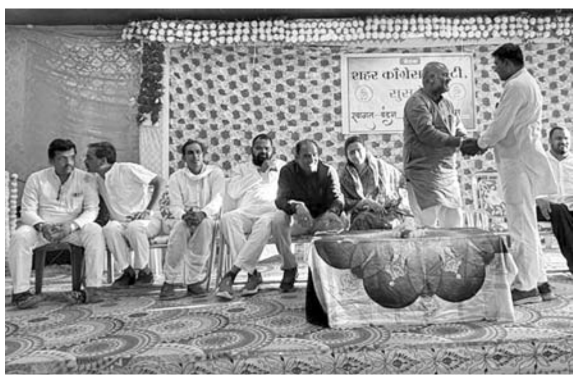

नगर परिषद अध्यक्ष पद के उपचुनाव को लेकर सुसनेर में राजनीतिक गतिविधियां लगातार तेज होती जा रही हैं। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के बाद गुरुवार को तीसरे दिन भी किसी प्रत्याशी ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। हालांकि नामांकन फॉर्म लेने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है।

नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। ऐसे में अब अगले कुछ दिनों में नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है। उपचुनाव में सबसे ज्यादा नजर भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा पर टिकी हुई है। दोनों ही प्रमुख दलों ने गुरुवार देर शाम तक अपने प्रत्याशियों के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। प्रत्याशियों के नाम सामने नहीं आने के कारण दावेदारों और समर्थकों में भी उत्सुकता बनी हुई है।

कांग्रेस की ओर से गुरुवार को नगर परिषद अध्यक्ष उपचुनाव को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव प्रभारी महेश परमार, विधायक भैरोसिंह बापू, जिलाध्यक्ष विजयलक्ष्मी तंवर, राकेश पाटीदार, रणछोड़ त्रिवेदी सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में चुनावी तैयारियों, संगठन की भूमिका और आगामी रणनीति को लेकर चर्चा की गई। पार्टी स्तर पर प्रत्याशी चयन और चुनाव को लेकर कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाने पर भी मंथन किया गया।

भाजपा में भी बुधवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक के बाद प्रत्याशी के नाम को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने नगर परिषद अध्यक्ष उपचुनाव को लेकर प्रत्याशी चयन सहित चुनावी रणनीति पर मंथन किया था। बैठक के बाद से ही भाजपा के संभावित प्रत्याशी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। हालांकि गुरुवार देर शाम तक भाजपा ने भी अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की।

हालांकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 13 सितंबर के दौरे को लेकर अभी तक अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। संभावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री के जिले में आने और लाड़ली बहना योजना के तहत हितग्राही महिलाओं के खातों में राशि अंतरित किए जाने की चर्चा है। लेकिन जब तक अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं होता, तब तक दौरे को लेकर स्थिति संभावित ही मानी जा रही है।

नगर परिषद अध्यक्ष पद के उपचुनाव में नामांकन प्रक्रिया 15 सितंबर तक चलेगी। गुरुवार तक 10 नामांकन फॉर्म लिए जा चुके हैं लेकिन अभी किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया है। राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा के बाद नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के साथ चुनाव मैदान में उतरने वाले प्रत्याशियों की वास्तविक स्थिति सामने आएगी।

विष्णु पाटीदार का जनसंपर्क शुरू

कांग्रेस में अध्यक्ष पद के दावेदारों के बीच विष्णु पाटीदार का नाम प्रमुखता से चर्चा में है। बताया जा रहा है कि विष्णु पाटीदार ने घर-घर जाकर मतदाताओं से जनसंपर्क शुरू कर दिया है। राजनीतिक हलकों में उनका टिकट लगभग तय माना जा रहा है! हालांकि कांग्रेस की ओर से अभी तक उनके नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। पार्टी की अधिकृत घोषणा के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी।

13 सितंबर के संभावित मुख्यमंत्री दौरे पर भी नजर

भाजपा प्रत्याशी की घोषणा को लेकर अब 13 सितंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगर-मालवा जिले के संभावित दौरे को लेकर भी राजनीतिक चचाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री के संभावित दौरे के बाद भाजपा अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर सकती है। संभावना यह भी जताई जा रही है कि 13 सितंबर की देर रात पार्टी प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर सकती है।

कलश वंदन यात्रा का बड़नगर में भव्य स्वागत

151 कलशों के साथ मातृशक्ति ने निकाली शोभायात्रा, विधायक के नेतृत्व में अगवानी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर उज्जैन जिले से प्रारंभ होकर विभिन्न तहसील केंद्रों से होते हुए निकाली जा रही कलश वंदन यात्रा का गुरुवार को बड़नगर नगर में भव्य आगमन हुआ। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल द्वारा विधायक जितेंद्रसिंह पंड्या के नेतृत्व में दोपहर 1 बजे जय स्तंभ चौक पर यात्रा की भव्य अगवानी की गई।

यात्रा के नगर पहुंचने पर नगरवासियों एवं भाजपा कार्यकताओं द्वारा पुष्पवर्षा कर कलश वंदन यात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात पावन कलश को 151 कलशों के साथ मातृशक्ति द्वारा भव्य शोभायात्रा के रूप में नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री नरसिंह मंदिर, गांधी चौक तक ले जाया गया। यहां विधिवत कलश पूजन एवं आरती संपन्न हुई।

यात्रा में संत शिरोमणि रविदास महाराज की समता, सामाजिक समरसता एवं मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प को लेकर आकर्षक झांकी ओर कलश रथ में संत गण विराजमान रहे रथ ने नगर भ्रमण किया।

इस अवसर पर विधायक जितेंद्रसिंह पंड्या, गणपत डाबी, श्याम शर्मा, वर्षा पाटौदी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष भारती चौहान, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि उमरावसिंह, नपा उपाध्यक्ष अनिता वर्मा, यात्रा सह-संयोजक नरेंद्र चौहान, रमेश तलेसरिया, सुकमाल जैन, हरिकिशन मेलवानी, शांतिलाल गोखरू, दिलीप जैन, रेखा राठौड़, राजकुमारी निंबोला, विनीत वर्मा, महामंत्री एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांदीपनि स्कूल के कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने देखे वैज्ञानिक मॉडल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान एवं तकनीक पर आधारित विभिन्न मॉडल, प्रयोग और नवाचार प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों के माध्यम से विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से प्रस्तुत किया। विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करने के लिए सुसनेर स्थित सांदीपनि स्कूल के कक्षा 12वीं के विद्यार्थी भी जवाहर नवोदय विद्यालय पहुंचे। विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों का उत्सुकता के साथ अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मॉडलों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और उनसे संबंधित वैज्ञानिक सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त की। जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों ने आगंतुक विद्यार्थियों को अपने-अपने मॉडल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उनकी कार्यप्रणाली समझाई। प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति उत्साह और जिज्ञासा देखने को मिली। विभिन्न मॉडलों के माध्यम से विद्यार्थियों ने दैनिक जीवन में विज्ञान एवं तकनीक के उपयोग को भी समझा। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी जैसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ ही उनकी रचनात्मकता और नवाचार की भावना को बढ़ावा देते हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपने ज्ञान को प्रयोगात्मक रूप में प्रस्तुत करने और अन्य विद्यार्थियों से सीखने का अवसर मिलता है।

कलश वंदन यात्रा का आकली में समापन

संत रविदास के विचारों से समाज में आएगी समरसता और एकता

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समरसता संकल्प अभियान के तहत 20 अगस्त से आगर से प्रारंभ हुई कलश वंदन यात्रा का गुरुवार को ग्राम आकली में समापन हुआ। यात्रा जिले के कुल 14 मंडलों से होकर गुजरी। इस दौरान एक नगर पालिका, छह नगर परिषद, 154 गांवों एवं 106 ग्राम पंचायतों तक यात्रा पहुंची। करीब 620 किलोमीटर की दूरी तय कर यात्रा के माध्यम से संत रविदास महाराज के समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया गया।

ग्राम आकली में यात्रा के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, राणा विक्रम सिंह, मुकेश हरदेनिया, कालू सिंह, गिरजाशंकर राठौर, लखन सेन, लक्ष्मण सिंह कावल, विष्णु भावसार, प्रेम यादव रवि टेलर, सहित अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला संयोजक डॉ. भवानी शंकर वर्मा ने यात्रा की जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक समरसता और संत रविदास महाराज के विचारों को पहुंचाने का प्रयास किया गया। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर कलश वंदन सहित धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय ने कहा कि सागर में 101 करोड़ रुपए की लागत से मंदिर निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

बीच सत्र में विद्यालय बंद करने की सूचना पर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

ग्राम टांडा में प्राथमिक विद्यालय का संचालन बीच सत्र में बंद किए जाने की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। ग्रामीणों ने विधायक दिनेश जैन बोस को इसकी जानकारी दी और विद्यार्थियों के भविष्य को देखते हुए उनके साथ तहसील कार्यालय पहुंचकर सड़क पर बैठकर चक्काजाम कर दिया।

प्रशासन और पुलिस को चक्काजाम की जानकारी मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे। विधायक जैन एवं ग्रामीणों ने एसडीएम अजय हिंगे और तहसीलदार संतुष्टि पाल से चर्चा करते हुए बताया कि विभाग द्वारा बीच शैक्षणिक सत्र में विद्यालय का संचालन बंद करने की बात सामने आई है। इससे विद्यार्थियों को असुविधा होगी और अभिभावकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने विद्यालय को शासकीय करने के साथ ही वर्तमान सत्र में यथावत संचालित रखने की मांग की।

मौके पर पहुंचे बीईओ किशोर परमार ने बताया कि ग्राम टांडा का विद्यालय अनुदान प्राप्त पात्र संस्था है। पोर्टल से विद्यालय का नाम हट गया था, जिसके चलते इसके संचालन को बंद करने को लेकर चर्चा चल रही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में विद्यालय बंद नहीं किया जाएगा और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी जाएगी।

परमार ने बताया कि आगे की कार्रवाई के लिए जिले के अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत कराकर मार्गदर्शन लिया जाएगा। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया।

शासकीय उर्दू मा. वि. का स्थापना दिवस मनाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

शासकीय उर्दू माध्यमिक विद्यालय महिदपुर के स्थापना दिवस 9 सितम्बर 1972 की 54 वीं वर्षगांठ पर विद्यालय द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी किशोर परमार की अध्यक्षता में तथा पूर्व बी.जी.सी. एवं राज्य अध्यापक संघ महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सुश्री सुषमा खेमसरा मैडम के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विशेष अतिथि के रूप में शाला के पूर्व शिक्षक एवं गत सत्र में सेवानिवृत्त हुए सहायक शिक्षक शब्बीर अहमद नागौरी एवं सेवानिवृत्त सहायक शिक्षक अब्दुल हमीद नागौरी तथा शाला परिसर से स्थानान्तरित होकर प्रा.वि. भीमाखेड़ा में पदस्थ हुई श्रीमती प्रमिला पंचोली मैडम उपस्थित हुए। इस अवसर पर जनशिक्षा केन्द्र के जनशिक्षक मुकेश बगाना एवं संस्था के शाला प्रभारी शैख नासिर मोहम्मद, शिक्षक मोहम्मद सलीम नागौरी, राधेश्याम मालाकार, इनामुर्रहमान सैयद, मोहम्मद इमरान, वकार अहमद, मोहम्मद शफीक और सुल्तान अहमद तथा संकुल के ऑपरेटर रोकन खेमसरा व शाला प्रबंधन समिति के सदस्य असलम खान उपस्थित रहे।

विकासखण्ड का सर्वाधिक छात्र संख्या वाला माध्यमिक विद्यालय

कार्यक्रम का संचालन करते हुए शाला प्रभारी शैख नासिर मोहम्मद ने बताया कि विद्यालय ने अपने स्थापना 09 सितम्बर 1972 से लगातार उन्नति की है जिसमें इसके पूर्व एवं वर्तमान शिक्षकों की मेहनत और लगन से ईमानदारीपूर्वक अपने कर्तव्य निर्वहन का योगदान अविस्मरणीय है। वर्तमान में यह विकासखण्ड का सर्वाधिक छात्र संख्या वाला माध्यमिक विद्यालय है। इस अवसर पर पूर्व शिक्षक शब्बीर अहमद नागौरी ने विद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यालय का संचालन एवं स्टॉफ की मेहनत बच्चों की प्रगति में नजर आती है। विद्यालय के पूर्व प्रभारियों व शिक्षकों की मेहनत इसके विकास की नीव है। विशेष अतिथि सुषमा खेमसरा ने इस अवसर पर विद्यालय के सफल संचालन और उत्तरोत्तर प्रगति के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर बालिका छात्रावास में जागरूकता शिविर आयोजित

खाचरौद। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर उमंग स्वास्थ्य केंद्र, सिविल हॉस्पिटल खाचरौद द्वारा शासकीय सीनियर बालिका छात्रावास एवं शासकीय उत्कृष्ट बालिका छात्रावास में प्रदर्शनी, मानव श्रृंखला और जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।प्रभारी मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिवराज कौशल के मार्गदर्शन में परामर्शदाता दिनेश चंद्र परिहार ने छात्राओं को आत्महत्या रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तनाव, असफलता, पढ़ाई एवं करियर का दबाव, पारिवारिक समस्याएं तथा अकेलापन व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे समय में व्यक्ति की बात ध्यानपूर्वक सुनना, उसे भावनात्मक सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर समय पर परामर्श और उपचार उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने कहा कि मानसिक परेशानी कमजोरी नहीं है, बल्कि मदद मांगना साहस का प्रतीक है। यदि किसी व्यक्ति के व्यवहार में निराशा, अत्यधिक अकेलापन या जीवन समाप्त करने संबंधी विचार दिखाई दें, तो उन्हें नजरअंदाज न करें और न ही उन्हें अकेला छोड़ें। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने मानव श्रृंखला एवं विभिन्न जागरूकता गतिविधियों में सहभागिता कर हर जीवन अनमोल है का संदेश दिया।

अध्यक्ष उपचुनाव को लेकर भाजपा की कोर कमेटी ने किया मंथन, चुनावी रणनीति पर चर्चा

सुसनेर। नगर परिषद अध्यक्ष पद के उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में बुधवार को सुसनेर स्थित एक होटल में भाजपा की कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक बंद कमरे में हुई, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं चुनाव से जुड़े प्रमुख नेताओं ने शामिल होकर आगामी उपचुनाव को लेकर विस्तृत मंथन किया। बैठक में संभाग प्रभारी लता वानखेड़े, प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान, जिला प्रभारी जयदीप पटेल, नगर परिषद अध्यक्ष उपचुनाव के चुनाव प्रभारी अनिल जैन, रवि सोलंकी, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय, कार्यकारिणी सदस्य दिलीप सकलेचा, चिंतामण राठौर, तथा विधायक मधु गहलोत, भेरू सिंह चौहान मौजूद रहे। बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष उपचुनाव में प्रत्याशी चयन को लेकर मंथन हुआ। बैठक का प्रमुख विषय नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के प्रत्याशी के चयन को लेकर रहा। संभावित दावेदारों को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आपस में चर्चा की और चुनावी परिस्थितियों के साथ-साथ संगठनात्मक समीकरणों पर भी मंथन किया। हालांकि बैठक में प्रत्याशी के नाम को लेकर कोई अंतिम निर्णय सामने नहीं आया। पार्टी स्तर पर विचार-विमर्श का दौर जारी है। जल्द ही प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

9वें राष्ट्रीय पोषण माह की शुरूआत, रैली और रंगोली से दिया सही पोषण का संदेश

सुसनेर। 9वें राष्ट्रीय पोषण माह की शुरूआत की गई। अभियान के तहत विभिन्न वार्डों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर लोगों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान वार्डों में पोषण से संबंधित नारे लिखे गए तथा रैली निकालकर लोगों को सही पोषण अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वार्डों में रंगोली बनाकर भी पोषण जागरूकता का संदेश दिया गया। अभियान में वार्ड क्रमांक 14 की रिजवाना खान तथा वार्ड क्रमांक 4 की श्रद्धा वर्मा सहित वार्ड की महिलाएं एवं बच्चे शामिल रहे। महिलाओं ने लोगों को पोषणयुक्त आहार, स्वस्थ जीवनशैली तथा बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उचित खान-पान के महत्व की जानकारी दी। राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान लोगों को कुपोषण से बचाव, संतुलित आहार, स्वच्छता तथा बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सही पोषण का संदेश पहुंचाना है।

पोस्टकार्ड डालो आगर कलेक्टर हटाओ अभियान

तनोड़िया। भारतीय किसान संघ जिला आगर मालवा अपनी कथित मांगो को लेकर जब जिला कलेक्टर से मिले,ओर उनके सामने किसानों की समस्या रखी,जिसे लेकर जिला कलेक्टर ने नकारात्मक सोच के साथ किसानों से अनुचित व्यवहार ओर असहयोग की मंशा दर्शाई,जिससे समस्त जिले के किसान बहुत नाराज है ओर इसको लेकर बकायदा कलेक्टर हटाओ अभियान की शुरूआत भी मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव को पोस्टकार्ड लिखकर भेजने के अभियान की शुरूआत भी कर दी है, यदि इससे मामला नहीं सुलझता है ओर किसानों की मांग पर कलेक्टर को नहीं हटाया जाता है तो किसान आगे की रणनीति पर भी विचार कर सकता है जिसमे कलेक्टर का घेराव, जिले की नाकाबंदी जिला बंद का आह्वान ओर अंत में चक्काजाम भी किया जा सकता है,,इसलिए मुख्यमंत्री से अपील है कि जल्द से जल्द जिला कलेक्टर को हटाया जाए।

मानसून में आउटडोर गेम्स खेलने नहीं जा पा रहे बच्चे?

स्क्रीन से दूर रखने के लिए कराएं ये इनडोर एक्टिविटीज

बारिश की बूंदें मन को उल्लासित कर देती हैं। शुरूआत में तो बालकनी और खिड़की से बारिश का दृश्य प्रफुल्लित करता है पर मानसून रफ्तार पकड़ते ही बच्चों के आउटडोर गेम्स सीमित हो जाते हैं। दोस्तों के साथ साइकिल चलाना, पार्क में खेलना, बाहर घूमने के विकल्प कम हो जाते हैं।

स्वाभाविक रूप से बच्चे मोबाइल, टीवी, टैबलेट और लैपटाप की ओर आकर्षित होने लगते हैं और ये झुकाव हर उम्र के बच्चों में समान रूप से पाया जाता है। शुरूआत में स्क्रीन एक विकल्प होता है और जल्दी ही ये एकमात्र विकल्प में बदल जाता है। स्क्रीन के बढ़ते उपयोग से माता-पिता और बच्चों में नोंकझोंक होने लग जाती है जो सुरसा की तरह विकराल रूप धारण कर लेती है। ज्यादा बारिश में जलभराव की समस्या की वजह से स्कूल भी आनलाइन हो जाते हैं, यह प्रबंध भी स्क्रीन टाइम को और बढ़ा देता है।

सवाल यह नहीं है कि बच्चों को स्क्रीन से कैसे दूर रखें, बल्कि असल में सवाल ये होना चाहिए कि 'स्क्रीन के अलावा बच्चों को कौन से बेहतर विकल्प दिए जाएं?' जब भी बच्चों से कुछ बदलाव की अपेक्षा हो तो उनके साथ मिलकर ही उस बदलाव को रूप दें। बच्चों को बार बार मोबाइल या टीवी के लिए टोकने से बेहतर होगा उनसे कहें कि चलो साथ में कुछ करते हैं। बारिश में जब हम घर में ही सीमित होते हैं तब हम वो गतिविधियां कर सकते हैं जो आम दिनों में समय और एकाग्रता की कमी के कारण नहीं कर पाते हैं। अच्छा समय गुजारने के लिए अगर पूरा परिवार एक साथ बैठकर गतिविधियों की लिस्ट बना ले या पर्चियों पर लिखकर एक मर्तबान में डालकर एक पर्ची निकालकर तय करे, तो यह आसान और लोकतांत्रिक तरीका होगा।

खूब चले किस्सेबाजी

कहानियां सुनने का शौक किसी उम्र का मोहताज नहीं। आप सहभागिता शुरू करने के लिए कहानियां सुना सकते हैं, मजेदार अनुभव, बचपन की शरारत, अपने समय के रेनी डे का किस्सा सुना सकते हैं और बच्चों से भी सुन सकते हैं। बच्चे अपनी पसंदीदा कहानी और मूवी स्टोरी सुनाने को उत्साहित रहते हैं। इन्हीं कहानियों में आप परिवार के किस्से सुना सकते हैं जो बच्चों के लिए दिलचस्प होंगे। पुराने एल्बम निकालकर तस्वीरों को वंशावली के अनुसार लगा सकते हैं, कुछ फोटोज को डीआइवाई फोटो फ्रेम में लगा सकते हैं, एल्बम को पेंटिंग/ स्टिकर्स से नया लुक दे सकते हैं।

रचनात्मकता को दें पंख

क्रिएटिव अभिव्यक्ति जैसे ओरिगैमी, पेपर क्राफ्ट, ड्राइंग, पेंटिंग,ग्रीटिंग कार्ड, पुराने गत्ते से टेंट/ रोबोट/ घर इत्यादि बनाना, बारिश की थीम पर आर्ट वर्क करना वगैरह एक रचनात्मक विकल्प हो सकता है। बच्चे जो भी बनाएं, उनके प्रयास की सराहना करें। उनसे उसके बारे में पूछें-बात करें। इससे बच्चे रचनात्मक रूप से सुदृढ़ होंगे। उम्र के अनुसार बोर्ड गेम जैसे लूडो, कैरम, शतरंज, मोनोपली, स्क्रैबल, ऊनो, पजल ट्विस्टर इत्यादि बच्चों में नियमों का पालन, रणनीति बनाना, इंतजार करना, टीम वर्क और हार स्वीकार करने जैसी स्किल विकसित करते हैं।

घर में बने टेंट हाउस

घर के अंदर ही चादर-तकियों से बढ़िया सा मानसून टेंट बना सकते हैं। इसके अलावा बच्चों के लिए टेंट भी बाजार में उपलब्ध हैं। उन्हें लाएं, बच्चों को उसमें अपने मन की चीजें सजानें या करने दें। उसमें बैठकर टार्च लाइट में कहानियां सुना सकते हैं। बच्चे अपनी रुचि अनुसार उसकी सजावट कर सकते हैं, पिकनिक या कैंपिंग का बनावटी खेल भी खेल सकते हैं। ये गतिविधियां बच्चों के लिए हैं। आप सहभागी जरूर बनें, मगर रेफरी या मैनेजर नहीं। बच्चों को वो निर्णय लेने दें, जो उनके लिए सुरक्षित हों। बच्चों के लिए घर में कोजी सा रेनी डे ट्रेजर हंट भी खेला जा सकता है। इसमें कुछ मजेदार पहेलियां लिखें, घर के जरूरी सामानों के उपयोग से मिलती-जुलती बातों के हिंट दें। इससे बच्चे प्राब्लम साल्विंग और टीम वर्क भी सीख जाते हैं।

मिलाएं प्रकृति से

बच्चों को गार्डनिंग स्किल सिखाने के लिए बारिश सबसे उम्दा ऋतु है। छोटे गमलों में उन्हें बीज बोना सिखाएं, बीजों के अंकुरण के बारे में बात करें और धैर्य से पौधे की बढ़त को आब्जर्व करने दें। इससे बच्चों में प्रकृति के लगाव के साथ धैर्य और जिम्मेदारी का बोध भी बढ़ता है और वो हमेशा उसकी वैल्यू करते रहेंगे।

रंग भरकर चित्र बनाओ

रास्ता खोजो

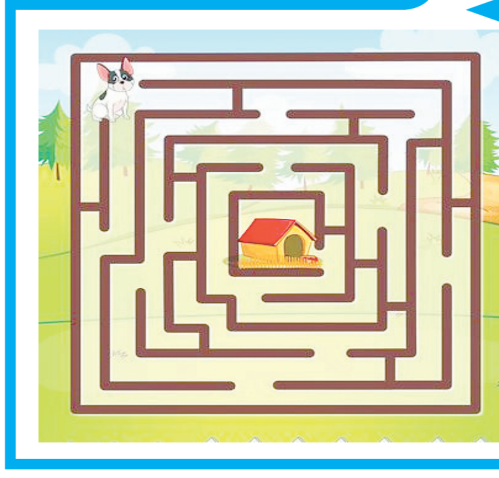

बिंदु जोड़कर चित्र बनाओ

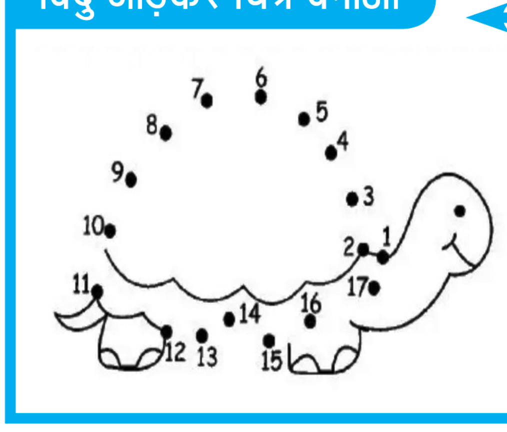

Sport

काउंटी में कुलदीप को 10 विकेट:फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ऐसा पहली बार किया,

यॉर्कशायर ने एसेक्स को पारी और 106 रन से हराया

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कुलदीप यादव ने लीड्स के हेडिंग्ले में एसेक्स के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप मैच में 10 विकेट लिए। यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनके प्रदर्शन से यॉर्कशायर ने एसेक्स को पारी और 106 रन से हराया। यॉर्कशायर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 390 रन बनाए। कुलदीप ने 94 गेंदों पर 36 रन भी बनाए।

इसके जवाब में एसेक्स की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई। कुलदीप ने 23 ओवर में 70 रन देकर 4 विकेट लिए। फॉलोऑन खेलते हुए एसेक्स की दूसरी पारी में कुलदीप ने 16 ओवर में 50 रन देकर 6 विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी के सामने एसेक्स की टीम 40 ओवर में 113 रन पर ऑलआउट हो गई। कुलदीप ने मैच में कुल 10 विकेट लिए और 120 रन दिए। यॉर्कशायर ने तीसरे दिन ही मुकाबला पारी और 106 रन से अपने नाम कर लिया। कुलदीप ने मैच से पहले हेडिंग्ले की पिच को अपनी गेंदबाजी के लिए बेहतर बताया था। उन्होंने कहा था कि विकेट में पहले से तेजी थी, इसलिए उन्हें गेंद को ज्यादा तेज फेंकने की जरूरत नहीं पड़ी। गेंद में अच्छी स्पिन और सही टप्पा उनकी रणनीति का हिस्सा रहा।

उन्होंने भारतीय पिचों से तुलना करते हुए कहा था कि भारत में विकेट धीमे होते हैं और बल्लेबाजों को गेंद खेलने के लिए ज्यादा समय मिलता है। हेडिंग्ले की तेजी के कारण बैकफुट पर जाने वाले बल्लेबाजों के खिलाफ विकेट मिलने के मौके ज्यादा बने।

2026 काउंटी चैंपियनशिप में कुलदीप यादव के अलावा 8 भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग काउंटी टीमों के लिए खेल रहे हैं। इनमें मानव सुथार, युजवेंद्र चहल, जयदेव उनादकट, मयंक अग्रवाल, राहुल चाहर, आर साई किशोर, महिपाल लोमरोर और जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी शामिल हैं।

टेस्ट टीम में दावेदारी मजबूत

कुलदीप का यह प्रदर्शन ऐसे समय आया है जब भारतीय टेस्ट टीम में स्पिन विभाग को लेकर विकल्प बढ़े हैं। आर अश्विन के संन्यास के बाद रवींद्र जडेजा टीम के अनुभवी स्पिन विकल्प हैं, जबकि वॉशिंगटन सुंदर और मानव सुथार भी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

कुलदीप ने अब लाल गेंद से इंग्लैंड में मैच जिताने वाला प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी फिर मजबूत की है। खास तौर पर 10 विकेट का यह प्रदर्शन बताता है कि वह सिर्फ सीमित ओवरों के क्रिकेट में ही नहीं, बल्कि फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी लंबे स्पेल में मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। मानव सुथार ने वारविकशायर के लिए इस सीजन में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार राउंड में 21 विकेट लिए हैं। हाल ही में हैम्पशायर के खिलाफ उन्होंने पहली पारी में 3/42 और दूसरी पारी में 4/52 के साथ मैच में सात विकेट लिए, जिससे वारविकशायर ने पारी और 129 रन से जीत दर्ज की।

गीत सेठी 65 की उम्र में बिलियर्ड्स में लौटेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्यू स्पोर्ट्स दिग्गज गीत सेठी 65 साल की उम्र में बिलियर्ड्स में वापसी करने जा रहे हैं। वे अगले महीने 19 से 22 अक्टूबर तक इंग्लैंड के ग्रेट वाइर्ली में वर्ल्ड बिलियर्ड्स चैंपियनशिप खेलेंगे। यह छह साल बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनकी वापसी होगी।

नैनो न्यूज

- **भारत एशिया कप फाइनल में पहुंचा-** भारत ने महिला एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 40 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई।
- **शफाली वर्मा ने जड़ा शानदार अर्धशतक-** शफाली वर्मा ने 40 गेंदों पर 64 रन बनाकर भारत को 149 रन तक पहुंचाया।
- **दीप्ति शर्मा की घातक गेंदबाजी-** दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट लेकर बांग्लादेश की पारी को 109/7 पर रोकने में अहम भूमिका निभाई।
- **हरशित राणा एशियाई खेलों से बाहर-** हैमस्ट्रिंग चोट के कारण हरशित राणा अफगानिस्तान सीरीज और एशियाई खेलों में नहीं खेलेंगे। यश ठाकुर को मौका मिला।
- **बुमराह ने फिटनेस टेस्ट पास किया-** जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर और नीतीश रेड्डी ने फिटनेस टेस्ट पास कर वापसी का रास्ता साफ किया।
- **दिल्ली में भारत-अफगानिस्तान मैच तय-** सुरक्षा चिंताओं के बावजूद भारत-अफगानिस्तान पहला टी-20 मुकाबला 13 सितंबर को दिल्ली में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा।
- **कुलदीप यादव का दस विकेट प्रदर्शन-** कुलदीप यादव ने यॉर्कशायर की ओर से एसेक्स के खिलाफ 120 रन देकर दस विकेट लिए और टीम को बड़ी जीत दिलाई।

दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल से सिराज की लय लौटी

एजेंसी ▸▸ चेन्नई

चेन्नई में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने के बाद उनकी लय और रफ्तार वापस आ गई है। सिराज ने बताया कि 8 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट खत्म होने के बाद उन्होंने दो महीने का ब्रेक लिया था।

ब्रेक के बाद शरीर सुस्त महसूस कर रहा था, जिसका असर श्रीलंका दौरे पर रन-अप और गेंदबाजी की रफ्तार पर पड़ा था। सिराज ने कहा दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे श्रीलंका मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर गेंदबाज हूं। अगर मेरा तालमेल सही नहीं होता, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं निकाल पाता। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज में सिराज करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे, जबकि उनकी सामान्य रफ्तार 140 से 145 किलोमीटर प्रति घंटे रहती है। उन्होंने श्रीलंका दौरे पर चार पारियों में 44 ओवर गेंदबाजी की और 4 विकेट लिए। हालांकि, इस दौरान वह अपनी सामान्य रफ्तार और लय में नजर नहीं आए। दलीप ट्रॉफी फाइनल की पहली पारी में ईस्ट जोन के बल्लेबाजों ने सिराज के खिलाफ तेजी से रन बनाए। उन्होंने 25 ओवर में 140 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। हालांकि, सिराज ने कहा कि पहली पारी में विकेट नहीं मिलने से वह ज्यादा चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, भले ही आज मेरे खाते में विकेट नहीं आए, लेकिन यह मेहनत इंटरनेशनल लेवल पर काम आएगी। सिराज के लिए दलीप ट्रॉफी खेलने का मुख्य लक्ष्य विकेट लेना नहीं, बल्कि अपनी लय हासिल करना था। उन्होंने कहा, इस मैच से पहले मेरा मुख्य लक्ष्य अपना फ्लो हासिल करना था।

41 ओवर के स्पेल से लय वापस आई

सिराज ने कहा कि चेपॉक में दलीप ट्रॉफी फाइनल के दौरान 41 ओवर गेंदबाजी करने से उन्हें काफी फायदा हुआ। उन्होंने कहा, यहां सब कुछ अपनी जगह पर आ गया और रफ्तार अपने आप लौट आई। यह बहुत मुश्किल था। हम श्रीलंका से सीधे आए थे। उन्होंने आगे कहा, दूसरे टेस्ट में हमने साढ़े तीन दिन फील्डिंग की थी। इसके एक हफ्ते के भीतर हम चेन्नई की तेज गर्मी में खेल रहे थे। लेकिन मेरे लिए बात जुनून की है। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो बहाने नहीं बना सकते।

दुकान बेचना है
प्राईम लोकेशन कंठाल चौराहा की दुकान बेचनी है।
साईज - 10x11
हाईट- 15 फीट
मोबाइल
8518800456
9981310034

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.ED/D.ED/Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

मकान बेचना है
शहर की मध्यस्थली डाबरी पीठा अखाड़े वाली गली (उज्जैन) में 1000 स्क्वायर फीट का मकान जिस स्थिति में है यथा स्थिति में बेचना है। दलाल बंधु भी आमंत्रित है।
संपर्क सूत्र
भारतसिंह चौहान
9406880595, 8989541154

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें
940 6801069

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

किराए से देना है
ऑफिस किराए से देना है सी/ 21 नानाखेड़ा बस स्टैंड के सामने श्रीगंगा के ऊपर प्रथम मंजिल फ्रंट साईड लगभग 500 वर्ग फिट फाइनेंस कंपनी,या मोबाईल कंपनी को प्राथमिकता दी जावेगी
संपर्क करें - रवि गुप्ता
9926466157

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10। लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके।
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

न्यूज कॉलम

स्वास्थ्य केंद्र में डिलीवरी के बाद महिला की मौत

झाबुआ। थांदला क्षेत्र के मदरानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के बाद महिला की मौत हो गई। सुगना मेड़ा (29) को अत्यधिक रक्तस्राव हुआ, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। उमरादरा निवासी सुगना पति अशराज मेड़ा को गुरुवार सुबह 7 बजे डिलीवरी के लिए मदरानी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। दोपहर करीब 3.30 बजे उसने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। इसके कुछ देर बाद ही उसकी तबीयत अचानक खराब होने लगी और उसे लगातार ब्लीडिंग होने लगी। महिला की गंभीर हालत देखकर उसे मदरानी स्वास्थ्य केंद्र से थांदला रेफर किया गया। परिजन जब उसे सिविल अस्पताल थांदला लेकर पहुंचे, तब तक उसकी हालत बहुत नाजुक हो चुकी थी।

फाइनेंस कर्मी से 1.33 लाख लूटने वाले 2 गिरफ्तार

धार। धार जिले के अमझेरा थाना पुलिस ने फाइनेंस कर्मचारी से 1 लाख 33 हजार 100 रुपए की लूट का खुलासा किया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने पूछताछ में बड़लीपुरा कला में एक घर से 20 हजार रुपए और बकरियां लूटने की वारदात भी कबूल की है। पुलिस ने दोनों मामलों में 34 हजार रुपए और एक बिना नंबर की बाइक जब्त की है। इस मामले में एक आरोपी अभी फरार है। यह घटना 3 जून को हुई थी। एनएबी फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी अमरदास बैरागी कलेक्शन की राशि लेकर जा रहे थे। आमला फाटा के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने चाकू दिखाकर उनकी बाइक रुकवाई। बदमाश अमरदास के बैग में रखे 1 लाख 33 हजार रुपए और दो मोबाइल लूटकर फरार हो गए थे।

धार में किसान अपनी मांगों को लेकर करेंगे आंदोलन

धार। कम बारिश और खेती से जुड़ी समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ ने जिले में किसान आंदोलन की तैयारी की है। संगठन की ओर से सभी तहसीलों में किसानों को जुटाकर रैली निकाली जाएगी और प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। धार तहसील में आंदोलन 14 सितंबर को होगा, जबकि बाकी तहसीलों में 15 सितंबर को रैली निकाली जाएगी। किसान धार जिले को सूखाग्रस्त घोषित कर राहत देने की मांग करेंगे। इसके साथ ही कृषि उपज के लागत के हिसाब से दाम तय करने और किसानों के हित में फसलों की आयात-निर्यात नीति में बदलाव की मांग रखी जाएगी। रबी सीजन के लिए कम पानी में तैयार होने वाली फसलों के बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने की भी मांग है।

झाबुआ में तांत्रिक समेत 4 लोग गिरफ्तार

धार की महिला को चुड़ैल बताकर सांकल से पीटा, गर्म कंडे से हथेली जलाई

झाबुआ। झाबुआ जिले के ग्राम भेरुपाड़ा में अंधविश्वास और झाड़-फूंक के नाम पर एक महिला से मारपीट मामला सामने आया है। धार जिले से इलाज कराने आई 52 वर्षीय महिला को झाड़-फूंक करने वाले बाबा और उसके साथियों ने प्रताड़ित किया। पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को पकड़ा है। जानकारी के मुताबिक, 8 सितंबर को गजानंद अपनी पत्नी प्रेमबाई (52) को इलाज के लिए बाबा लक्ष्मण निनामा के पास लाए थे। आरोपी और उसके साथियों ने महिला पर चुड़ैल का साया होने का झूठा दावा किया और उसे कमरे में बंद कर दिया। आरोपियों ने महिला की थप्पड़, मुक्कों और लोहे की सांकल से पिटाई की, साथ ही हाथ पर जलता हुआ कंडा रखकर उसकी हथेली जला दी। पीड़िता का इलाज सीएचसी धामनोद (धार) में कराया गया, जहां धामनोद पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर मामला झाबुआ जिले के रायपुरिया थाने ट्रांसफर किया। रायपुरिया पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई।

नैनो न्यूज

- **सोना चांदी भाव में तेजी-** सोने-चांदी के वायदा भाव में आज तेजी रही। सराफा कारोबारियों की निगाहें अंतरराष्ट्रीय बाजार और आगे की कीमतों पर बनी हुई हैं।
- **शेयर बाजार में भारी गिरावट-** सेंसेक्स और निफ्टी में आज बड़ी गिरावट रही। वैश्विक बाजारों की कमजोरी और विदेशी बिकवाली से निवेशकों में सतर्कता बढ़ी।
- **कच्चे तेल ने बढ़ाई चिंता-** कच्चे तेल की कीमत 108 डॉलर के पार पहुंचने से परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ने की चिंता कारोबारियों में दिखाई दे रही है।
- **आज इंदौर में परिवहन समिट-** इंदौर में यात्री परिवहन विजन समिट शुरू हुई। निजी निवेश, पीपीपी मॉडल और आधुनिक तकनीक से परिवहन कारोबार बढ़ाने पर चर्चा होगी।
- **मोबिलिटी कारोबार में निवेश की उम्मीद-** परिवहन क्षेत्र की कंपनियों और निवेशकों की मौजूदगी से इंदौर में मोबिलिटी कारोबार के विस्तार और नई साझेदारियों की उम्मीद बढ़ी है।
- **परिवहन एक्सपो में तकनीक का प्रदर्शन-** समिट के दौरान आधुनिक परिवहन तकनीक और नए समाधान प्रदर्शित किए जाएंगे। कारोबारियों को नई तकनीक और निवेश अवसरों की जानकारी मिलेगी।
- **निर्यात कारोबारियों की नजर विदेशी मांग पर-** वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच इंदौर के निर्यात कारोबारी विदेशी मांग, मुद्रा दर और परिवहन लागत पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।
- **मंडी कारोबार में आवक जारी-** इंदौर मंडी में कृषि उपज की आवक और कारोबार जारी है। व्यापारी मांग के अनुसार खरीदी और स्टॉक की रणनीति बना रहे हैं।

बाउंड्रीवॉल-जाली फेंसिंग तोड़ी, पेड़-पौधे उखाड़कर निर्माण सामग्री डाली, चौकीदार के लिए अवैध झोपड़ी भी बनवा दी

ग्रीन बेल्ट को नुकसान पहुंचाने पर 10 लाख का स्पॉट फाइन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के जोन 8 के वार्ड 37 में नगर निगम के जोनल अधिकारी (जेडओ) और भवन अधिकारी (बीओ) ने जी+3 भवन के निर्माण के दौरान ग्रीन बेल्ट पर अतिक्रमण का मामला पकड़ा। गुरुवार को टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवाया और ग्रीन बेल्ट को नुकसान पहुंचाने पर 10 लाख रुपए का स्पॉट फाइन किया।

अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने बताया कि जोन 8 में निर्माणाधीन जी+3 भवन की जानकारी मिलने के बाद जोनल अधिकारी और भवन अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। टीम ने निर्माण कार्य रुकवाया और भवन मालिक पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। निगम की ओर से मालिक को नोटिस भी जारी किया जा रहा है। अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने बताया कि ग्रीन बेल्ट में निर्माण की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद भवन मालिक ने ग्रीन बेल्ट की

बाउंड्रीवॉल और जाली फेंसिंग तोड़ दी थी। यहां लगे नए पौधों और पेड़ों को भी उखाड़ दिया गया था। इसके अलावा मकान निर्माण की सामग्री ग्रीन बेल्ट में डाल दी गई और चौकीदार के रहने के लिए अवैध झोपड़ी भी बना दी गई थी। अपर आयुक्त ने कहा कि ग्रीन बेल्ट और सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले में आगे भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि ग्रीन बेल्ट पर

इस तरह की कार्रवाई फिलहाल पहली बार की गई है।

जनकार्य प्रभारी और एमआईसी मेंबर राजेंद्र राठौर को मामले की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने जोन और उद्यान विभाग की टीम को मौके पर भेजा था। बॉम्बे हॉस्पिटल से निपानिया के बीच ग्रीन बेल्ट की बाउंड्रीवॉल और जाली फेंसिंग तोड़ने तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने पर कार्रवाई की गई। प्लॉट मालिक मित्तल ग्वालियर के रहने वाले हैं।

होटल सिल्वोटेल समेत तीन बेसमेंट सील

बेसमेंट के अनधिकृत उपयोग और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर भी नगर निगम ने कार्रवाई की। पीयू-4 स्थित होटल सिल्वोटेल के बेसमेंट में पार्किंग के लिए स्वीकृत जगह पर किचन संचालित मिला, जिसे निगम ने सील कर दिया। इसके अलावा डायमंड कॉलोनी और अपोलो स्क्वायर-जंजीरवाला स्क्वायर के पास स्वीकृत उपयोग के विपरीत बेसमेंट में शॉप-कम-रेस्टोरेंट और अन्य गतिविधियां मिलने पर दोनों बेसमेंट भी सील किए गए।

सड़क पर अतिक्रमण पर 50 हजार रुपए का जुर्माना

वहीं, सड़क पर अतिक्रमण करने पर एक भूस्वामी के खिलाफ 50 हजार रुपए का चालान किया गया। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने भवन अधिकारियों को बेसमेंट के उपयोग, फायर सेफ्टी और स्ट्रक्चरल सेफ्टी की लगातार जांच करने तथा नियमों का उल्लंघन मिलने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बाल विकास विभाग को चकमा देकर कराया बाल विवाह, टीम के लौटते ही नाबालिग की शादी कराई

कलेक्टर जनसुनवाई की शिकायत पर 9 पर एफआईआर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

सांवेर तहसील क्षेत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग और चाइल्डलाइन की टीम को चकमा देकर 17 साल 5 महीने की नाबालिग की शादी कराने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर टीम ने परिजनों को समझाकर शपथ पत्र लिया था कि बालिका के 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर ही उसका विवाह किया जाएगा। इसके बावजूद 24 जून को गोम्मटगिरी स्थित ड्रीम वर्ल्ड रिसोर्ट में दोनों परिवार पहुंचे। दोबारा पहुंची टीम के लौटते ही परिजनों ने उसी शाम नाबालिग का विवाह करा दिया।

मामले का खुलासा रक्षाबंधन पर युवती के मायके लौटने के बाद हुआ। ग्रामीणों को पता चला कि विवाह निरस्त नहीं हुआ था, बल्कि युवती की शादी हो चुकी थी। इसके बाद 1 सितंबर को कलेक्टर जनसुनवाई में एक आवेदक ने शादी के साक्ष्यों के साथ शिकायत दर्ज कराई। कलेक्टर के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा के निर्देशन में बाल विवाह विरोधी उड़नदस्ता प्रभारी महेंद्र पाठक ने मामले की जांच शुरू की।

डिजिटल साक्ष्यों और स्कूल रिकॉर्ड से हुई पुष्टि

- महेंद्र पाठक के मुताबिक, परिजनों और फोटोग्राफर द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों और वीडियो से शादी की पुष्टि हुई। वहीं, सांवेर तहसीलदार के जरिए स्कूल से प्राप्त बालिका के आयु प्रमाण-पत्र से उसके नाबालिग होने की पुष्टि की गई।
- पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उड़नदस्ता प्रभारी महेंद्र पाठक ने सदस्य संगीता सिंह के साथ गांधी नगर थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया। पुलिस ने विवाह करने वाले बालिग युवक अभिषेक और रितिक सोनी, वर-वधू के माता-पिता और विवाह में शामिल रिश्तेदारों सहित कुल नौ लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। बालिका के मेडिकल परीक्षण के बाद प्रकरण में अन्य धाराएं भी जोड़ी जा सकती हैं।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

मायके का आरोप- 15 लाख की मांग को लेकर कर रहे थे प्रताड़ित इस कारण शिवानी ने फांसी लगा ली

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मल्हारगंज थाना क्षेत्र में बड़े गणपति के पास शीतला माता मंदिर वाली गली में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर 15 लाख रुपए दहेज मांगने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मायके पक्ष का आरोप है कि प्रताड़ना के चलते शिवानी ने फांसी लगाई। घटना के बाद ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां चले गए। मल्हारगंज पुलिस ने 27 वर्षीय शिवानी की मौत के मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। गुरुवार रात करीब 8 बजे शिवानी ने घर में फांसी लगा ली। इसके बाद पति लोकेश मौर्य ने कम्पेल स्थित अपने ससुराल में घटना की सूचना दी। बताया जाता है कि दोपहर में शिवानी की बड़ी बहन से फोन पर बात हुई थी। इस दौरान उसने सास अनिता और पति से विवाद होने की बात कही थी। शिवानी और लोकेश की शादी 3 फरवरी 2026 को हुई थी। परिजनों के मुताबिक, शादी के करीब दो महीने बाद से ही दहेज को लेकर कहासुनी और विवाद की स्थिति बनी हुई थी। रिश्तेदारों ने समझाइश देकर उस समय मामला शांत कराया था।

इंदौर से नाबालिग को भगाकर मुंबई ले गया युवक

होटल में रेप के बाद रेलवे स्टेशन पर की मारपीट, जयपुर से आरोपी गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

हीरानगर में रहने वाली 17 साल की नाबालिग को विजयनगर निवासी आरोपी अपने साथ मुंबई भगाकर ले गया। यहां एक होटल में उसके साथ रेप करने के बाद मारपीट की। जब युवती रेलवे स्टेशन पहुंची तो आरोपी ने यहां भी उसके साथ विवाद किया। पुलिस के पहुंचने पर वह मौके से भाग गया। युवती के बयान के बाद पुलिस ने रेप और अपहरण के मामले में एफआईआर दर्ज कर मामला हीरानगर पुलिस को सौंपा। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को जयपुर से गिरफ्तार किया है। टीआई सुशील पटेल के मुताबिक, शारदा नगर में रहने वाली 17 साल की युवती की जयेश पुत्र अजय पांडे निवासी विजयनगर से दोस्ती थी। आरोपी कुछ समय पहले उसे अपने साथ भगाकर मुंबई ले गया था। करीब 5 दिन पहले मारपीट करने पर युवती जयेश के चंगुल से भागकर इंदौर वापस आना चाहती थी। इस दौरान मुंबई रेलवे स्टेशन पर जयेश ने उसके साथ मारपीट की। बाद में स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी भाग गया। युवती के बयान के बाद पुलिस ने रेप और अपहरण के मामले में एफआईआर दर्ज की। इसके बाद मामला हीरानगर पुलिस को सौंपा गया।

केबल फाइबर कर्मचारी का शव फर्श पर मिला

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

केबल फाइबर कंपनी के कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक शिवलेश (30) पिता जनसेवक मिश्रा, मूल निवासी कटनी और हाल निवासी सैटेलाइट कॉलोनी, देवास नाका थे। उनका शव गुरुवार को घर के हॉल में फर्श पर सीने के बल पड़ा मिला। पास में दवाइयां भी रखी थीं। मकान मालिक की पत्नी जब नीचे पहुंचीं तो शिवलेश को अचेत अवस्था में फर्श पर पड़ा देखा। आशंका है कि उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है। हालांकि, मौत की सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी।

परिजनों ने बताया कि गुरुवार सुबह शिवलेश की उनसे बात हुई थी। उन्होंने सर्दी और अचानक बुखार होने की बात कही थी। परिजनों ने उन्हें डॉक्टर को दिखाने की सलाह दी। इसके बाद शिवलेश ने एक दोस्त को फोन कर डॉक्टर के पास ले जाने के लिए कहा।

दोस्त जब उन्हें लेने के लिए निकला तो उसने शिवलेश को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद मकान मालिक की पत्नी ने उन्हें घर के फर्श पर पड़ा देखा। शिवलेश की शादी पांच महीने पहले फरवरी में आकांक्षा से हुई थी। कुछ दिन पहले ही उनकी पत्नी मायके गई थीं। शिवलेश अप्रैल से यहां किराए के मकान में अकेले रह रहे थे। वह टेलीकॉम कंपनी में केबल फाइबर बिछाने का काम करते थे।

इधर, एरोड्रम थाना क्षेत्र में 66 वर्षीय वृद्ध की जहर खाने के बाद मौत हो गई। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक श्याम (66) पिता छोटूमल भाटिया को परिजन शुक्रवार सुबह अचेत अवस्था में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। डॉक्टरों के मुताबिक श्याम ने जहर खाया था। पुलिस की जांच में उनके डिप्रेशन में होने की बात भी सामने आई है। फिलहाल पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

जैन धर्म के सबसे बड़े महापर्व दसलक्षण का इंदौर में समागम

16 सितम्बर से जुटेगा 7 हजार शिविरार्थियों का महाकुंभ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मुंबई

स्वच्छता में सिरमौर, सर सेठ हुकुमचंद जी अहिंसा की धर्म नगरी इंदौर इस बार जैन धर्म के सबसे बड़े महापर्व दसलक्षण महापर्व (16 सितम्बर से 25 सितम्बर 2026) पर एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक धार्मिक समागम का साक्षी बनने जा रहा है।

धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू, इंदौर ने बताया कि शहर में पहली बार तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज के विशेष आशीर्वाद एवं ससंघ परम सान्निध्य में 33वें 'श्रावक संस्कार शिविर' का भव्य ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है।

यह दस दिवसीय महासाधना शिविर सर सेठ हुकुमचंद जी की धर्म नगरी इंदौर में धर्म का नया इतिहास रचेगा।

दस दिवसीय महासाधना शिविर में देश-विदेश से 7 हजार से अधिक शिविरार्थी सहभागिता करेंगे, जो मुनिश्री सुधासागर जी के ओजस्वी मुखारविंद से धर्म के मर्म को आत्मसात कर संयम और साधना का पाठ सीखेंगे। इस बार इंदौर की धरा पर पूज्य संतों की विशेष कृपा बरसने जा रही है। आयोजन में तीर्थ चक्रवर्ती मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के साथ-साथ प्रकृताचार्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज, आचार्य श्री सिद्धांत सागर जी महाराज, आचार्य श्री विप्रणत सागर जी महाराज एवं मुनि श्री साध्य सागर जी सहित लगभग 80 साधु भगवंतों का गरिमामय सान्निध्य और आशीर्वाद इंदौर शहर को प्राप्त हो रहा है। इतने विशाल संत वृंद की उपस्थिति से पूरा शहर भक्ति और अध्यात्म के रंग में सराबोर रहेगा।

तुरंत आवश्यकता
आवश्यकता है सेल्स बॉय और सेल्स गर्ल की वेतन 8000 से 20000 तक
अंकुर जैन, जैन गाउन हाउस, 8 शंकु मार्ग अपोजिट एल एम कॉम्पलेक्स फ्रीगंज उज्जैन मो. 9820871749

होटल से ब्यूटीशियन की लाश ले जाते दिखा कारोबारी

कमरे में 40 मिनट रुका, स्टाफ को बताया सोनिला बेहोश है

पति बोला- 8 दिन बाद खोलूंगा राज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

एक कमरा करीब 40 मिनट का वक्त न चीख-पुकार, न हलचल और फिर ब्यूटीशियन सोनिला शर्मा की मौत। इंदौर के एलएक्स होटल के कमरा नंबर 101 में सोनिला के पहुंचने के करीब एक घंटे बाद पाइप कारोबारी दीपक खंडेलवाल आया। करीब 40 मिनट बाद बाहर निकलकर उसने होटल स्टाफ से कहा था- सोनिला बेहोश है।

पोस्टमॉर्टम में फंदे से मौत का एंगल सामने आया है, लेकिन शॉर्ट पीएम रिपोर्ट से कारण स्पष्ट होगा। सोनिला के पति संजय ने कहा- दीपक को जानता हूं, अभी बात नहीं करूंगा; 8 दिन बाद पूरी बात बताऊंगा। पुलिस दीपक की तलाश कर रही है। सोनिला को कार से अस्पताल ले जाने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

सीसीटीवी फुटेज में होटल के बाहर सफेद रंग की कार खड़ी दिखाई दे रही है। कार के आसपास 5 युवक नजर आ रहे हैं। इनमें से 2 युवक डेडबॉडी को कार के अंदर डालते दिख रहे हैं, जबकि कारोबारी कार के पास ही खड़ा है। इसके बाद कारोबारी होटल के एक स्टाफ को इशारे से अपने साथ चलने के लिए कहता है। हालांकि, स्टाफ उसके साथ जाने से मना कर देता है।

अस्पताल में परिजन से हुई कारोबारी की कहासुनी

सोनिला के परिजन ने बताया कि दीपक ने अस्पताल से फोन कर उन्हें घटना की जानकारी दी थी। सूचना मिलने पर परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे। वहां उनकी दीपक से कहासुनी भी हुई। इसके बाद दीपक अस्पताल से चला गया। गुरुवार को पोस्टमॉर्टम के बाद सोनिला का शव एमवाय अस्पताल से बाहर लाया गया। पत्नी का शव देखते ही संजय भावुक हो गया। उसकी आंखों से आंसू निकल आए। कुछ देर वह शव के पास खड़ा रहा। इसके बाद संजय ने परिवार के साथ मिलकर स्ट्रेचर से सोनिला का शव उठाया। शव को एंबुलेंस में रखा गया और परिवार वहां से रवाना हो गया। परिवार पहले शव को नंदानगर ले गया, इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए ब्यावरा रवाना हुआ।

श्री गणेश बैंड उज्जैन
हमारे यहां घोड़ी, बग्गी, हाथी, ऊंट, लाइट, जनरेटर, लाजमा, ताश पार्टी, ढोल पार्टी, फूल की तोप, दूल्हन की ढोली, गाड़ी वाली लाइट, नाचने वाली घोड़ी आदि उपलब्ध है।
मास्टर : विजय सिंह सरगरा
Mob. 9981908694, 7828525454, 7067237220
अंकपात मार्ग, मीणा धर्मशाला, अंकपात मार्ग गायत्री शक्तिपीठ के पास जीवाजीगंज थाना ढोली गली, उज्जैन

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियां व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर (M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
नि:शुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

मुद्रक/प्रकाशक सुरेन्द्र मेहता द्वारा अवन्तिका प्रकाशन के लिए अवन्तिका ऑफसेट, 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : सुरेन्द्र मेहता। फोन - उज्जैन : 0734-4041777, 9827771777, इन्दौर : 0731-4085777, 9827772777 e-mail : awantikapress@yahoo.com